आज का विचार

विश्वास जीवन का सबसे बड़ा खजाना है, क्योंकि उसके बगैर ना तो प्रेम संभव है न तो प्रार्थना।

दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

3

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । मंगलवार, 7 अप्रैल, 2026 वर्ष 24, अंक 83, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

कभी घाटे में चल रहा बिजली विभाग पिछले 4 वर्षों से पंजाब के 90 प्रतिशत घरों को मुफ्त बिजली देकर भी मुनाफा कमा रहा: मान

पहले बिजली प्लांट बेचे जा रहे थे, लेकिन हमने 540 मेगावाट गोइंदवाल थर्मल पावर प्लांट खरीदकर नया इतिहास रचा: भगवंत सिंह मान

यज्ञांश शर्मा

चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज जोर देकर कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार के अधीन राज्य के बिजली क्षेत्र में बड़ा ढांचागत बदलाव आया है। जो विभाग कभी घाटे में चल रहा था, वह अब 90 प्रतिशत घरों को मुफ्त बिजली देने के बावजूद मुनाफा कमा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने न केवल 600 यूनिट मुफ्त बिजली देकर अधिकांश परिवारों के लिए शून्य बिजली बिल सुनिश्चित किए हैं, बल्कि पिछली सरकारों द्वारा सार्वजनिक संपत्तियों को बेचने की पुरानी प्रवृत्ति को बदलते हुए 540 मेगावाट गोइंदवाल थर्मल पावर प्लांट खरीदकर बिजली उपलब्धता में महत्वपूर्ण सुधार किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यावसायिक और औद्योगिक उपभोक्ताओं सहित अन्य श्रेणियों के लिए टैरिफ कम किए गए हैं, किसानों को निर्बाध बिजली आपूर्ति मिल रही है और नए सबस्टेशन व ट्रांसफार्मरों के माध्यम से बुनियादी ढांचे को मजबूत किया गया है। रोजगार सृजन पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि बिजली क्षेत्र में 9593 युवाओं को नौकरियां दी गई हैं और 1750 अन्य पदों पर भर्ती जारी है। पंजाब बिजली विभाग (पीएसपीसीएल) द्वारा ए+ रेटिंग प्राप्त करना और राष्ट्रीय स्तर पर दूसरा स्थान हासिल करना राज्य को बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने तथा लोगों को 24 घंटे मुफ्त बिजली देने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, आप सरकार ने हर क्षेत्र को सस्ती और निर्बाध बिजली उपलब्ध कराकर नया रिकॉर्ड स्थापित किया है। पहली बार लोगों को बिना किसी अतिरिक्त वित्तीय बोझ के लगातार बिजली आपूर्ति दी जा रही है। उन्होंने आगे कहा, जब हमने राज्य की बागडोर संभाली थी, तब सिंचाई के लिए केवल 22 प्रतिशत नहरी पानी का उपयोग हो रहा था, लेकिन अब यह बढ़कर 78 प्रतिशत हो गया है और आने वाले धान सीजन तक इसे 90 प्रतिशत तक पहुंचा दिया जाएगा।

सिंचाई सुधारों के बारे में बताते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, भाखड़ा नहर की क्षमता 9500 क्यूसेक है, लेकिन हमारे प्रयासों से अब किसानों को 11,000 क्यूसेक पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। यानी बिना एक इंच जमीन अधिग्रहित किए एक नई भाखड़ा नहर जैसी क्षमता तैयार कर दी गई है। उन्होंने कहा, पहली बार पानी की हर बूंद का हिसाब रखा जा रहा है, जिससे न केवल उत्पादन बढ़ेगा बल्कि कृषि क्षेत्र को मुफ्त बिजली भी इसी तरह मिलती रहेगी।

बिजली आपूर्ति के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा, पहली बार किसानों को धान सीजन के दौरान आठ घंटे से अधिक बिजली आपूर्ति मिली और दिन के समय 95 प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित की गई। उन्होंने आगे कहा, घरेलू उपभोक्ताओं को प्रति माह 300 यूनिट मुफ्त बिजली दी जा रही है और लगभग 90 प्रतिशत घरों के बिजली बिल शून्य आ रहे हैं।

रोजगार के अवसरों के बारे में जानकारी देते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा, अप्रैल 2022 से पीएसपीसीएल और पीएसटीसीएल में लगभग 9593 कर्मचारियों की भर्ती की गई है, जिसमें 8014 सीधी भर्तियां और 1579 तरस के आधार पर दी गई नौकरियां शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा कि पीएसपीसीएल में 1181 और पीएसटीसीएल में 569 पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है, जो जून 2026 तक पूरी हो जाएगी।

रिकॉर्ड उपलब्धियों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब ने 5 जून 2025 को 16,670 मेगावाट की अब तक की सबसे अधिक बिजली मांग को पूरा किया, जो 29 जून 2024 के 16,058 मेगावाट के पिछले रिकॉर्ड से अधिक है। उन्होंने कहा कि जहां अधिकांश सरकारें सार्वजनिक संपत्तियों का निजीकरण कर रही हैं, वहीं पंजाब सरकार ने 1080 करोड़ रुपये में निजी थर्मल प्लांट खरीदकर नई मिसाल कायम की है।

नेटवर्क मजबूती के बारे में उन्होंने कहा कि 26 नए 66 केवी सबस्टेशन स्थापित किए गए हैं, 194 ट्रांसफार्मर अपग्रेड किए गए हैं और 2738 एमवीए क्षमता वृद्धि तथा 337 सर्किट किलोमीटर नई लाइनों के साथ 34 नए ट्रांसफार्मर लगाए गए हैं। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

दिल्ली विधानसभा का बैरियर तोड़कर घुसी कार, तीन आरोपी हुए गिरफ्तार

वारदात को अंजाम देने से पहले आरोपियों ने की थी दिल्ली विधानसभा की रेकी

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा परिसर में सोमवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक कार गेट नंबर-2 के बैरियर को तोड़ते हुए अंदर घुस गई। इस घटना के कुछ ही घंटों के भीतर दिल्ली पुलिस ने ड्राइवर समेत तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों के कब्जे से कार भी बरामद कर ली गयी है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार मुख्य आरोपित की पहचान सरबजीत के रूप में हुई है। उसके नाम पर ही टाटा सिएरा कार (नंबर यूपी-26 एजेड 8090) रजिस्टर्ड है। आरोपितों को दिल्ली के रूप नगर इलाके से पकड़ा गया। फिलहाल तीनों से गहन पूछताछ की जा रही है, ताकि इस घटना के पीछे की मंशा का पता लगाया जा सके।

घटना सोमवार दोपहर करीब 2:10 बजे की है। उस समय विधानसभा परिसर के वीआईपी गेट पर सीआरपीएफ के जवान तैनात थे। इसी दौरान अचानक तेज रफ्तार कार ने गेट नंबर-2 के बैरियर को टक्कर मारकर अंदर प्रवेश कर लिया। सुरक्षा व्यवस्था को धता बताते हुए

कार सीधे अंदर तक पहुंच गई, जिससे वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि कार से एक व्यक्ति बाहर निकला, जो अपने साथ गुलदस्ता और फूलों की माला लेकर आया था। उसने विधानसभा अध्यक्ष की गाड़ी के पास जाकर गुलदस्ता रखा और कुछ मिनट तक वहीं मौजूद रहा। इसके बाद वह वापस कार में बैठकर फरार हो गया। राहत की बात यह रही कि गुलदस्ते में कोई विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। कार का पंजीकरण उत्तर प्रदेश के पीलीभीत का है। घटना की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने तुरंत कर्रवाई करते हुए कुछ ही घंटों में आरोपितों को दबोच लिया। इस ऑपरेशन में स्थानीय पुलिस के साथ स्पेशल सेल और अन्य केंद्रीय एजेंसियों ने भी अहम भूमिका निभाई। फिलहाल सभी एजेंसियां मिलकर आरोपितों से पूछताछ कर रही हैं। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही दिल्ली पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा खुद मौके पर पहुंचे और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर पूरे घटनाक्रम की समीक्षा की। उन्होंने मामले में सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता से फोन पर बात कर पूरे मामले की जानकारी ली। गुप्ता ने बताया कि घटना के समय वे परिसर में ही मौजूद थे। सुरक्षा कारणों के चलते फिलहाल उन्होंने संबंधित वाहन का उपयोग बंद कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, आरोपित ने इस घटना से पहले विधानसभा परिसर की रेकी की थी। जांच में सामने आया है कि आरोपित को अध्यक्ष की गतिविधियों की पूरी जानकारी थी। यही वजह रही कि उसने उनके प्रवेश के महज दो मिनट के भीतर बैरियर तोड़कर अंदर घुसने की टाइमिंग चुनी। बताया जा रहा है कि आरोपित ने बेहद सुनियोजित तरीके से पूरी वारदात को अंजाम दिया। वह करीब 5 से 10 मिनट के भीतर परिसर में दाखिल हुआ, अध्यक्ष की गाड़ी तक पहुंचा और फिर वहां से निकल गया। इस दौरान उसके पास एक बैग भी था, जिससे सुरक्षा एजेंसियां और सतर्क हो गई हैं।

राजधानी के सबसे हाई-सिक्योरिटी जोन में इस तरह की सेंध ने सुरक्षा इंतजामों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वीआईपी गेट पर तैनाती के बावजूद कार का अंदर घुस जाना सुरक्षा चूक की ओर इशारा करता है। पुलिस फिलहाल इस मामले को कई एंगल से जांच रही है।

टाइमलाइन

- दोपहर 1:32 बजे विधानसभा अध्यक्ष सदन पहुंचे
- दोपहर 1:52 अध्यक्ष अधिकारियों के साथ परिसर में लौटे।
- दोपहर 2:06 अध्यक्ष अपने कार्यालय पहुंचे
- दोपहर 2:10 आरोपित बैरियर तोड़कर परिसर में घुसा और घटना को अंजाम दिया।

आरोपितों की मंशा, उनके नेटवर्क और किसी बड़े साजिश से जुड़े होने की संभावनाओं पर भी गौर किया जा रहा है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि क्या यह सिर्फ ध्यान आकर्षित करने की कोशिश थी या इसके पीछे कोई गंभीर मकसद छिपा है। इधर घटना के बाद विधानसभा परिसर में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। सूत्रों के मुताबिक दिल्ली पुलिस अब मल्टी-लेयर सिक्योरिटी सिस्टम लागू करने पर विचार कर रही है। इसके तहत प्रवेश द्वार की निगरानी, तकनीकी सर्विलांस और सुरक्षा कर्मियों की तैनाती को और मजबूत किया जाएगा।

किसानों को योजनाओं का लाभ दिलाने में फार्मर रजिस्ट्री बनेगी आधार: योगी

एजेंसी (हि.स.)

लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज कहा है कि प्रदेश के किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ सुगमता, पारदर्शिता और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने के लिए फार्मर रजिस्ट्री अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने निर्देश दिए कि फार्मर रजिस्ट्री को सभी कृषि एवं विभागीय योजनाओं से जोड़ा जाए, ताकि पंजीकृत किसानों को गेहूँ क्रय, दलहनी एवं तिलहनी फसलों की खरीद के साथ-साथ बीज, उर्वरक, कृषि रक्षा रसायन, कृषि यंत्रों एवं अन्य योजनाओं का लाभ प्राथमिकता से प्राप्त हो सके।

अपने सरकारी आवास पर सोमवार को समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जिलों में फार्मर रजिस्ट्री की प्रक्रिया को अभियान के रूप में तेजी से पूर्ण कराया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में विशेष कैम्प आयोजित कर किसानों को रजिस्ट्री से संबंधित समस्याओं का त्वरित समाधान उपलब्ध कराया जाए। इस कार्य में राजस्व विभाग, कृषि विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी समन्वित रूप से कार्य करें।

मुख्यमंत्री योगी ने यह भी कहा कि प्रदेश के सभी कृषकों, चाहे उनकी जोत छोटी हो या बड़ी को फार्मर रजिस्ट्री के लिए प्रोत्साहित किया जाए, ताकि वे सभी योजनाओं का अधिकतम लाभ प्राप्त कर सकें। उन्होंने व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए, जिससे प्रत्येक पात्र किसान इस प्रक्रिया से जुड़ सके और उसे योजनाओं का पूरा लाभ मिल सके। बैठक में कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही, मुख्य सचिव एसपी गोयल, मुख्य ज्ञान अधिकारी, भारत सरकार राजीव चावला, प्रमुख सचिव कृषि रविन्द्र, प्रमुख सचिव राजस्व अपर्णा यू तथा निदेशक कृषि डॉ. पंकज त्रिपाठी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

महिला सशक्तिकरण से ही बनेगा विकसित भारत

आजमगढ़। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले के कंधरापुर क्षेत्र के ग्राम मीरिया रेहड़ा में स्थापित श्री बाबा गोरखनाथ कृपा मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड डेयरी प्रोजेक्ट का सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भव्य उद्घाटन किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि इस डेयरी के शुरू होने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिलने के साथ-साथ बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे। यहां से प्रतिदिन दूध दिल्ली की मदर डेयरी को भेजा जाएगा, जिससे स्थानीय पशुपालकों को सीधा लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि यह डेयरी केंद्र 56 हजार बहनों की मेहनत का परिणाम है और आत्मनिर्भरता का सशक्त संदेश दे रहा है। उन्होंने डेयरी प्रबंधन की सराहना करते हुए कहा कि जब महिलाएं आत्मनिर्भर बनती हैं तो एक पूरा परिवार आत्मनिर्भर होता है। विकसित भारत के निर्माण के लिए महिलाओं का सशक्त और आत्मनिर्भर होना बेहद जरूरी है। डेयरी के प्रबंधक अजय कुमार सिंह ने बताया कि इस प्लांट से लगभग 1 लाख लीटर दूध प्रतिदिन दिल्ली भेजने की व्यवस्था की गई है। इसके लिए 8 टैंकर और 35 पिकअप वाहन लगाए गए हैं, जो गांव-गांव जाकर पशुपालकों के घरों से दूध संग्रह करेंगे। इस योजना से 165 गांवों को जोड़ा गया है, जिससे हजारों लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है।

कांग्रेस विकास विरोधी, पार्टी नेतृत्व जमीन लूट में शामिल: नरेन्द्र मोदी

एजेंसी (हि.स.)

डिब्रूगढ़

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कांग्रेस को विकास विरोधी और पार्टी नेतृत्व को सबसे भ्रष्ट बताया। उन्होंने नेशनल हेराल्ड के माध्यम से गांधी परिवार पर प्रमुख शहरों में जमीन हड़पने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पार्टी वोट बैंक के चलते विकास के नाम पर सड़कों, रेलवे और उद्योगों के लिए दी जा रही जमीन का विरोध कर रही है।

असम के डिब्रूगढ़ में मोदी ने चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस जमीन लूट का मुद्दा उठा रही है। कांग्रेस ऐसा घुसपैठियों को कवर देने के लिए कर रही है। उन्होंने कहा, आज कांग्रेस को जमीन की याद इसलिए आई, क्योंकि उनके घुसपैठिया वोटबैंक से जमीन छीनी जा रही है। जमीन पर बवाल के पीछे सबसे बड़ी वजह यही है। ये घुसपैठियों को कवर देने का कांग्रेस का गेमप्लान है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि काजीरंगा जैसी हमारी शान की जमीन किसानों और आदिवासियों की जमीन कांग्रेस ने घुसपैठियों को दे दी थी। उनकी पार्टी की सरकार ने ऐसी लाखों बीघा जमीन से घुसपैठियों को बाहर खदेड़ दिया है और यही दुख कांग्रेस को खाए जा रहा है।

उन्होंने कहा कि विकास को लेकर कांग्रेस की सोच उनके चुनाव प्रचार से भी पता चलती है। पार्टी नेता कह रहे हैं कि भाजपा-राजग की सरकार ने सड़कों, रेलवे और उद्योगों के लिए जमीनें दी। इसका अर्थ यह है कि कांग्रेस असम की जनता, किसानों की सुविधा, नौजवानों के रोजगार के लिए दी गई जमीन का विरोध कर रही है। अगर कांग्रेस ने अपने समय विकास के लिए जमीन दी होती तो असम की इतनी पीढ़ियों को परेशानी न झेलनी पड़ती। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि चाय-बगान की बहनों के पहनावे और उनकी संस्कृति को बदनाम कर रही है। कांग्रेस ने चाय बागान की बहनों के साथ उनकी बातचीत को लेकर भी गंदगी फैलाई है। कांग्रेस के लोग एआई से झूठी तस्वीरें बना रहे हैं।

मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व ही असल में जमीन लूट में शामिल है। कांग्रेस का प्रथम परिवार व्यापक रूप से देश का सबसे भ्रष्ट परिवार माना जाता है।

प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, भाजपा अध्यक्ष ने भाजपा स्थापना दिवस पर दी शुभकामनाएं

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह एवं सहकारितामंत्रीअमित शाह और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन समेत कई नेताओं ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थापना दिवस पर देशभर के सभी पार्टी कार्यकताओं को शुभकामनाएं दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर कहा, भाजपा के स्थापना दिवस पर देशभर के सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को हार्दिक शुभकामनाएं। हमारी पार्टी हमेशा से 'भारत प्रथम' के सिद्धांत से प्रेरित होकर सम सेवा में अग्रणी रही है। हमारे कार्यकर्ता निस्वार्थ सेवा, अटूट समर्पण और सुशासन के प्रति गहरी लगन के लिए जाने जाते हैं। भाजपा एक विकसित भारत के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता इस दृष्टिकोण को आगे बढ़ाती रहे और भारत को प्रगति और समृद्धि की नई ऊंचाइयों पर ले जाए।₹ अमित शाह ने कहा कि भाजपा ने लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने के साथ देश को तुष्टीकरण से मुक्त व सुशासन, पारदर्शिता को स्थापित करने का कार्य किया है। आज भाजपा केवल एक पार्टी नहीं बल्कि 140 करोड़ देशवासियों के सपनों और आकांक्षाओं की प्रतिनिधि बन चुकी है। नितिन नवीन ने कहा कि जनसंघ काल से लेकर आज दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बनने तक की यह यात्रा असंख्य कार्यकताओं के त्याग, तपस्या और बलिदान की कहानी है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के 'अंत्योदय' के जिस स्वप्न को लेकर हम चले थे, आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में वह धरातल पर साकार हो रहा है। केन्द्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि कड़ी मेहनत और समर्पित भाव से पार्टी और संगठन को मजबूत कर विशाल वटवृक्ष बनाने वाले सभी महापुरुषों को नमन। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याणमंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि आज के इस विशेष दिवस पर उन सभी महान विभूतियों और पितृपुरुषों को कृतज्ञतापूर्वक नमन करता हूँ, जिन्होंने अपने अथक परिश्रम, संघर्ष और त्याग से संगठन को सींचकर इसे राष्ट्रीय राजनीति के शिखर पर पहुंचाया।

शिक्षा, शोध और कौशल विकास पर हरियाणा सरकार का विशेष फोकस: नायब सिंह सैनी

भूपेंद्र शर्मा

चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज का दिन दीनबंधू छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के इतिहास में मील का पत्थर है और उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के जीवन का एक अविस्मरणीय क्षण है। मुख्यमंत्री ने दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे देश के उप-राष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन का स्वागत और अभिनंदन किया। दीक्षांत समारोह में हरियाणा के राज्यपाल और कुलाधिपति प्रो. असीम कुमार घोष भी उपस्थित रहे।

दीक्षांत समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने सभी विद्यार्थियों को उनकी सफलता पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज प्राप्त की गई डिग्रियां और पदक विद्यार्थियों की वर्षों की मेहनत, अनुशासन और समर्पण का परिणाम हैं। साथ ही उन्होंने शिक्षकों और अभिभावकों के योगदान की भी सराहना की। श्री सैनी ने कहा कि यह विश्वविद्यालय महान समाज सुधारक एवं किसानों के मसीहा दीनबंधु चौधरी छोटू राम जी के नाम पर स्थापित है, जिन्होंने शिक्षा को गरीबी और अज्ञानता से मुक्ति का सबसे बड़ा साधन बताया था। उन्होंने कहा कि यह संस्थान आज उनके आदर्शों को आधुनिक तकनीक और विज्ञान के साथ जोड़ते हुए राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा ने शिक्षा, खेल, संस्कृति, शोध और औद्योगिक क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए देश में अग्रणी राज्य के रूप में अपनी अलग पहचान बनाई है। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि हरियाणा का प्रत्येक युवा आत्मनिर्भर और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए सक्षम बने। इसी उद्देश्य से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। उन्होंने बताया कि अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने हरियाणा राज्य अनुसंधान कोष के तहत 20 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। वर्ष 2025-26 में 350 से अधिक शोध प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनमें से लगभग 90 प्रस्तावों को शॉर्टलिस्ट किया गया है। इस वर्ष भी इस कोष के लिए अतिरिक्त 20 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार शिक्षा के साथ-साथ युवाओं के कौशल विकास पर भी विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने बताया कि पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के तहत बिना पर्ची-खर्ची के लगभग 2 लाख युवाओं को रोजगार दिया गया है। उन्होंने आगे बताया कि राज्य सरकार द्वारा एआई एवं डिजिटल कॉलेज की स्थापना की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं, जहां आधुनिक तकनीक आधारित शिक्षण प्रणाली लागू होगी। इसके अतिरिक्त उच्च शिक्षा गुणवत्ता एवं अनुसंधान उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए 10 करोड़ रुपये का विशेष कोष भी स्थापित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से आान किया कि वे प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कड़ी मेहनत करें और मानसिक, शारीरिक एवं नैतिक रूप से मजबूत बनें। उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में सफलता के लिए समर्पण और निरंतर प्रयास आवश्यक हैं।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने सभी उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और विश्वविद्यालय प्रशासन को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने सभी से आान किया कि वे मिलकर हरियाणा और भारत को वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प लें। इस अवसर पर सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर श्रीप्रकाश सिंह सहित शिक्षकगण व उपाधि प्राप्त करने वाले युवा उपस्थित रहे।

एनएच-44 पर कुदरत का कहर: भूस्खलन और पत्थर गिरने से जम्मू-श्रीनगर हाईवे ठप

करूल ब्रिज और चंदरकोट के बीच 'ब्लॉक' हुए दोनों ट्यूब, आवाजाही बंद

पत्थरबाजी से बहाली कार्य में बाधा, NHAI का सफाई अभियान जारी

एजेंसी (हि.स.)

जम्मू

लगातार भूस्खलन और पत्थर गिरने से जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) पर रविवार रात यातायात पूरी तरह से निलंबित कर दिया गया क्योंकि करूल ब्रिज और चंदरकोट के बीच राजमार्ग के दोनों ट्यूब अवरुद्ध हो गए थे। यातायात पुलिस के अनुसार प्रभावित क्षेत्र में भारी मलबे और गिरते पत्थरों के कारण दोनों ट्यूब/सड़कें असुरक्षित हो गई थीं जिसके कारण अधिकारियों को जम्मू और श्रीनगर दोनों तरफ से वाहनों की आवाजाही रोकनी पड़ी। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए वाहनों को सुरक्षित स्थानों पर रोका गया। यातायात नियंत्रण इकाइयों (टीसीयू) को तुरंत सूचित कर दिया गया और भारी मोटर वाहनों (एचएमवी) और हल्के मोटर वाहनों (एलएमवी) को कम से कम एक ट्यूब के साफ होने तक न चलने की सलाह दी गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) यातायात जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग राजा आदिल हामिद ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा सोमवार सुबह से सफाई अभियान शुरू कर दिया गया है।

भूस्खलन की चपेट में आने से पुलिस वाहन क्षतिग्रस्त

बनिहाल। जम्मू से पुलवामा जिला पुलिस लाइन (डीपीएल) जा रहा एक पुलिस वाहन जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) पर रामबन जिले के करूल क्षेत्र के पास भूस्खलन की चपेट में आ गया। प्रभावित क्षेत्र में वाहन पर अचानक पहाड़ी पर से पत्थर गिरना शुरू हो गए जिससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि वाहन में सवार सभी पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए और किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। अधिकारी ने बताया कि रामबन के करूल क्षेत्र में भूस्खलन और पत्थरबाजी का खतरा बना हुआ है और यात्रियों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

जम्मू-कश्मीर में मंगलवार सुबह से बारिश और बर्फबारी की संभावना

जम्मू। मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर में एक बार फिर बारिश का दौर शुरू होने की संभावना जताई है। मंगलवार सुबह से बुधवार शाम तक रुक-रुक कर हल्की से मध्यम बारिश होने की आशंका है। इस दौरान ऊंचे इलाकों में बर्फबारी की भी संभावना है। पूवार्नुमान के अनुसार जम्मू और कश्मीर दोनों ही डिवीजनों के कुछ स्थानों पर मध्यम से भारी बारिश हो सकती है, जबकि ऊंचे पहाड़ी इलाकों में हल्की से मध्यम बर्फबारी हो सकती है। मौसम विभाग ने 7 और 8 अप्रैल को कुछ स्थानों पर गरज, ओलावृष्टि और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की चेतावनी भी जारी की है। यह भी चेतावनी दी है कि थोड़े समय के लिए तेज बारिश से संवेदनशील क्षेत्रों में अचानक बाढ़, भूस्खलन और निचले इलाकों में जलभराव हो सकता है। मौसम विभाग ने कहा कि 9 और 10 अप्रैल को ऊंचे पहाड़ी इलाकों में छिटपुट स्थानों पर हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना है। 11 अप्रैल से 16 अप्रैल तक मौसम आमतौर पर शुष्क रहने की संभावना है, हालांकि दोपहर के समय कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है। इस बीच केंद्र शासित प्रदेश में न्यूनतम रात्रि तापमान में भिन्नता देखी गई। कश्मीर डिवीजन के कई हिस्सों में तापमान सामान्य से 1-3 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा जबकि जम्मू डिवीजन के कई स्थानों पर तापमान सामान्य से 0-3 डिग्री सेल्सियस कम रहा। कश्मीर डिवीजन में सबसे कम न्यूनतम तापमान गुलमर्ग में दर्ज किया गया, जहां पारा माइनस 1.1 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। मौसम संबंधी आंकड़ों के अनुसार जम्मू डिवीजन में सबसे ठंडा स्थान भदरवाह रहा जहां न्यूनतम तापमान 4.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

हिमाचल में अगले दो दिन आंधी-ओलावृष्टि और भारी बारिश की चेतावनी, अलर्ट जारी

एजेंसी (हि.स.)

शिमला

हिमाचल प्रदेश में अगले दो दिन मौसम के तेवर कड़े रहने वाले हैं। मौसम विभाग ने 7 और 8 अप्रैल के लिए कई जिलों में भारी बारिश, ओलावृष्टि, बिजली कड़कने और तेज आंधी को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग का कहना है कि इस दौरान 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। ऐसे में लोगों को सतर्क रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी गई है।

मौसम विभाग के अनुसार 7 अप्रैल को शिमला, सोलन, मंडी, कुल्लू, कांगड़ा और चम्बा जिलों में ऑरेंज अलर्ट रहेगा। वहीं सिरमौर, बिलासपुर, हमीरपुर और ऊना जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। इसके अगले दिन यानी 8 अप्रैल को मौसम और ज्यादा खराब रहने का अनुमान है। इस दिन सिरमौर, शिमला, सोलन, मंडी, कुल्लू और कांगड़ा जिलों में भारी वर्षा, ओलावृष्टि व आसमानी बिजली कड़कने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जबकि हमीरपुर, बिलासपुर, ऊना और चम्बा जिलों में येलो अलर्ट रहेगा। 9 अप्रैल को भी मंडी, शिमला, सोलन और सिरमौर जिलों में येलो अलर्ट जारी रहेगा। प्रदेश के कई हिस्सों में पिछले दिनों हुई ओलावृष्टि से पहले ही किसानों और बागवानों को नुकसान झेलना पड़ा है।

अप्पर शिमला, कुल्लू और मंडी के कई क्षेत्रों में तेज ओलावृष्टि से सेब के पौधों, सब्जियों और गेहूं की फसल को नुकसान पहुंचा है। कई जगहों पर सेब के पौधों की सुरक्षा के लिए लगाई गई जालियां भी टूट गई हैं। ऐसे में अगले दो दिन फिर से ओलावृष्टि की चेतावनी ने किसानों और बागवानों की चिंता बढ़ा दी है। उन्हें आशंका है कि यदि फिर से ओले गिरे तो सेब की नई फसल और सब्जियों को बड़ा नुकसान हो सकता है। मौसम विभाग का कहना है कि एक ताजा वेस्टर्न डिस्टरबेंस के सक्रिय होने से प्रदेश के मौसम में यह बदलाव देखने को मिलेगा। इसके प्रभाव से प्रदेश के मध्य और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में वर्षा और ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी की संभावना है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी होने से ठंड का असर भी बना रहेगा। लाहौल-स्पीति, किन्नौर, कुल्लू और चम्बा के पांगी-भरमौर जैसे ऊंचाई वाले क्षेत्रों में पहले भी बर्फबारी दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने इन क्षेत्रों में हिमखंड गिरने की आशंका को देखते हुए लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। हालांकि हाल ही में एक हिमखंड गिरने की घटना सामने आई थी, लेकिन उसमें किसी तरह का जानी नुकसान नहीं हुआ। प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान न्यूनतम तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है।

भाजपा का स्थापना दिवस कार्यकताओं के समर्पण का प्रतीक: डॉ. सिकंदर

एजेंसी (हि.स.)

शिमला

भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस रविवार को उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जिला हमीरपुर के नादौन विधानसभा क्षेत्र के बूथ नंबर 84 पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें पार्टी के पदाधिकारियों, कार्यकताओं और समर्थकों ने भाग लेकर स्थापना दिवस को सामूहिक रूप से मनाया।

राज्यसभा सांसद व प्रदेश भाजपा महासचिव डॉ. सिकंदर कुमार ने स्थापना दिवस के अवसर पर कहा कि यह दिन भाजपा के करोड़ों कार्यकताओं के समर्पण और परिश्रम को याद करने का दिन है। उन्होंने कहा कि कार्यकताओं की मेहनत और संगठन की मजबूत कार्यशैली के कारण ही भारतीय जनता पार्टी आज दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक संगठन के रूप में स्थापित हुई है। उन्होंने कार्यकताओं से संगठन को और मजबूत करने के लिए निरंतर सक्रिय रहने का आह्वान भी किया। कार्यक्रम की शुरूआत पार्टी का ध्वज फहराकर की गई। इसके बाद महापुरुषों को पुष्पांजलि अर्पित की गई और पार्टी की विकास यात्रा, अंत्योदय के संकल्प तथा राष्ट्र निर्माण में भाजपा की भूमिका पर चर्चा की गई। इस दौरान कार्यकताओं ने संगठन की विचारधारा और जनसेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प भी दोहराया। डॉ. सिकंदर कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सेवा ही संगठनके मंत्र के साथ देश के विकास और समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लक्ष्य पर काम कर रही है।

चार वर्षों के बाद 23 जेकेएएस अधिकारियों की आईएएस में भर्ती के लिए रास्ता साफ

श्रीनगर। लगभग चार वर्षों के बाद जम्मू कश्मीर प्रशासनिक सेवा (जेकेएएस) के 23 अधिकारियों की भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में भर्ती प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। यह प्रक्रिया अप्रैल के अंत तक पूरी होने की संभावना है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि जम्मू और कश्मीर प्रशासन ने सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं और 2019 और 2020 की रिक्तियों को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) को भेज दिया है जो भर्तियों को मंजूरी देने के लिए अंतिम बैठक आयोजित करेगा। यूपीएससी ने अपने एक सदस्य को चयन समिति का अध्यक्ष भी नामित किया है। इस समिति में केंद्र शासित प्रदेश के मुख्य सचिव, अतिरिक्त मुख्य सचिव और सामान्य प्रशासन विभाग के प्रशासनिक सचिव जैसे वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। जम्मू और कश्मीर प्रशासन में 4 अगस्त, 2022 के बाद यह पहली भर्ती प्रक्रिया होगी, जब 16 जेकेएएस अधिकारियों को आईएएस में भर्ती किया गया था। तब से यह प्रक्रिया ठप्प पड़ी रही, हालांकि कुछ कानूनी मुद्दे अभी भी बने हुए हैं, लेकिन उनके कारण प्रक्रिया में बाधा आने की संभावना नहीं है। गौरतलब है कि वरिष्ठता विवादों और कानूनी बाधाओं के कारण लगभग 12 वर्षों तक यानी 2010 से 2022 तक भर्ती रुकी रही।

हिमाचल में 108-102 एंबुलेंस कर्मचारियों की हड़ताल, मरीजों को निजी वाहनों का लेना पड़ा सहारा

एजेंसी (हि.स.)

शिमला

हिमाचल प्रदेश में 108 और 102 एंबुलेंस सेवाओं से जुड़े कर्मचारियों की पांच दिन की हड़ताल शुरू हो गई है। इस कारण कई जगह मरीजों को एंबुलेंस नहीं मिल सकी और उन्हें निजी वाहनों का सहारा लेना पड़ा। हड़ताल 11 अप्रैल तक जारी रहेगी। कर्मचारियों की इस प्रदेशव्यापी हड़ताल का असर राजधानी शिमला सहित कई जिलों में देखने को मिला है।

शिमला के आईजीएमसी, डीडीयू और केएनएच अस्पतालों के बाहर एंबुलेंस खड़ी रहीं, लेकिन सेवाएं प्रभावित रहने से मरीजों को अस्पताल से घर या दूसरे अस्पताल ले जाने में परेशानी का सामना करना पड़ा। कई मरीजों और उनके परिजनों को मजबूर होकर निजी वाहनों की व्यवस्था करनी पड़ी। अस्पताल प्रशासन की ओर से वैकल्पिक इंतजाम किए गए, लेकिन ये पर्याप्त नहीं रहे। हिमाचल प्रदेश 108 और 102 एंबुलेंस कर्मचारी यूनियन, जो सीटू से संबंधित है, के बैनर तले सैकड़ों कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर शिमला पहुंचे हैं। कर्मचारियों ने छोटा शिमला स्थित सचिवालय के बाहर पांच दिन का महापड़ाव शुरू किया है। यूनियन ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें जल्द पूरी नहीं की गईं तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

धरने को संबोधित करते हुए सीटू के प्रदेशाध्यक्ष विजेंद्र मेहरा ने आरोप लगाया कि नेशनल हेल्थ मिशन के तहत मेडस्वान फाउंडेशन के अधीन काम कर रहे पायलट, कैप्टन और ईएमटी कर्मचारियों को सरकार द्वारा तय न्यूनतम वेतन तक नहीं मिल रहा है। उनका कहना है कि कर्मचारियों से 12 घंटे ड्यूटी ली जाती है, लेकिन ओवरटाइम का भुगतान नहीं किया जाता। यूनियन का यह भी कहना है कि हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट, लेबर कोर्ट, सीजेएम कोर्ट शिमला और श्रम विभाग के आदेशों के बावजूद कई वर्षों से कर्मचारियों की समस्याएं हल नहीं हुई हैं। कर्मचारियों को नियमानुसार छुट्टियां नहीं दी जातीं और यूनियन से जुड़े कर्मचारियों का तबादला या मानसिक दबाव बनाने जैसे आरोप भी लगाए गए हैं।

संक्षिप्त-समाचार

शिमला की मेहली पंचायत बनेगी मॉडल सोलर विलेज, मिलेगा एक करोड़ रुपये का पुरस्कार

शिमला। शिमला जिले की मेहली ग्राम पंचायत को प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत मॉडल सोलर विलेज के रूप में विकसित किया जाएगा। सोमवार को जिला स्तरीय समीक्षा बैठक में उपायुक्त अनुपम कश्यप की अध्यक्षता में यह निर्णय लिया गया। इस योजना के तहत आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने वाली पंचायत के रूप में मेहली का चयन किया गया है, जिसे अब एक करोड़ रुपये का पुरस्कार भी मिलेगा। दरअसल, इस योजना के तहत पहले शिमला जिले के दस गांवों का चयन किया गया था। इनमें त्याल, छकड़ैल, दत्त नगर, कितबाड़ी, परहेच, शिंगला, सराहन, कुमारसैन, बौंडा और मेहली पंचायत शामिल थीं। इन पंचायतों को 28 फरवरी 2026 तक जरूरी औपचारिकताएं पूरी करने के लिए समय दिया गया था। अधिकारियों के अनुसार तय समय सीमा के भीतर केवल मेहली पंचायत ही सभी प्रक्रियाएं पूरी कर पाई, जिसके चलते इसे मॉडल सोलर विलेज के रूप में चुना गया है। उपायुक्त अनुपम कश्यप ने बैठक में कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ग्रामीण क्षेत्रों में ऊर्जा आत्मनिर्भरता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत सौर ऊर्जा अपनाने से परिवारों को आर्थिक रूप से भी मजबूती मिलेगी और बिजली पर खर्च कम होगा। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों से योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार और लोगों की भागीदारी बढ़ाने की अपील की। जिला प्रशासन के अनुसार इस योजना के तहत अब तक शिमला जिले में कुल 657 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से 231 घरों में सोलर रूफटॉप सिस्टम का इंस्टॉलेशन कार्य पूरा हो चुका है। इनसे लगभग 803 किलोवाट सौर ऊर्जा उत्पादन की क्षमता विकसित होगी। स्थापित किए गए सभी 231 संयंत्रों का निरीक्षण कार्य भी पूरा किया जा चुका है, जबकि इनमें से 204 लाभार्थियों को सब्सिडी भी प्रदान की जा चुकी है।

पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करों पर कार्रवाई की, 10 एफआईआर दर्ज की

कुलगाम। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ निरंतर और तीव्र अभियान में कुलगाम पुलिस ने पिछले 3 हफ्तों के दौरान 10 एनडीपीएस एफआईआर दर्ज की हैं। बयान के अनुसार पीएस काजीगुंड की 9 एफआईआर और पीएस देवसर की 01 एफआईआर) जिससे 14 ड्रग तस्करों की गिरफ्तारी हुई। इन ऑपरेशनों के दौरान 415.61 ग्राम हेरोइन, 1348 ग्राम चरस (पाउडर और चरस जैसे पदार्थ सहित), 1.5 किलोग्राम भांग पत्री और 1,37,990 की नकद राशि की संचयी बरामदगी हुई है। इसमें लिखा है कि जांच से कई बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज की स्थापना हुई और बाद में गिरफ्तारियां हुईं जो एक व्यापक और संगठित नशीले पदार्थों के नेटवर्क की उपस्थिति का संकेत देती हैं। कुलगाम के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, अनायत अली चौधरी आईपीएस ने दोहराया कि कुलगाम पुलिस मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ शून्य-सहिष्णुता की नीति अपना रही है और नशीले पदार्थों के व्यापार में शामिल सभी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखेगी। इसमें लिखा है कि उन्होंने आम जनता से पुलिस के साथ सहयोग करने और नशीली दवाओं की तस्करी से संबंधित किसी भी जानकारी को साझा करने की अपील की, मुखबिरों की पूरी गोपनीयता का आश्वासन दिया। बयान में कहा गया है कि कुलगाम पुलिस नशीली दवाओं के खतरे को खत्म करने के अपने संकल्प पर दृढ़ है और मादक पदार्थों के नेटवर्क के खिलाफ अपने तीव्र अभियान जारी रखेगी।

विकास कार्यों एवं योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी बनाए रखें : सुरेश कुमार

हमीरपुर। जिला योजना विकास एवं 20-सूत्रीय कार्यक्रम समीक्षा समिति की बैठक सोमवार को यहां बचत भवन में भोरंज के विधायक सुरेश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें सुजानपुर के विधायक कैप्टन रणजीत सिंह, मार्केटिंग बोर्ड के अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया और समिति के अन्य गैर सरकारी सदस्यों ने भी भाग लिया। इस अवसर पर जिला में विभिन्न योजनाओं की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए विधायक सुरेश कुमार ने अधिकारियों से कहा कि मुख्यमंत्री का गृह जिला होने के कारण हमीरपुर में आम लोगों की अपेक्षाओं के अनुरूप विकास कार्यों की गति एवं कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन तेजी से होना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं जैसे-मुख्यमंत्री सुख आश्रय योजना, इंदिरा गांधी सुख शिक्षा योजना और अन्य योजनाओं का फील्ड में व्यापक प्रचार-प्रसार होना चाहिए, ताकि सभी पात्र लोग इन योजनाओं से लाभान्वित हो सकें। सुरेश कुमार ने कहा कि योजना विभाग के माध्यम से स्वीकृत कई विकास कार्य वेब पोर्टल पर लंबित दिख रहे हैं। इनमें से कई कार्य पूरे हो चुके हैं, लेकिन इनके उपयोगिता प्रमाण पत्र अपलोड नहीं किए गए हैं। ये प्रमाण पत्र तुरंत अपलोड होने चाहिए और अन्य कार्यों को पूरा करने या आरंभ करने में कोई दिक्कत आ रही है तो संबंधित विभाग इनकी विस्तृत रिपोर्ट प्रेषित करें।

छोटी काशी मंडी में गूंजायमान हुआ हर-हर महादेव का जयघोष

मंडी। देवभूमि हिमाचल की छोटी काशी के नाम से विख्यात मंडी नगरी में स्थित ऐतिहासिक सेरी मंच ने एक अभूतपूर्व आध्यात्मिक समागम का साक्ष्य प्रस्तुत किया। लगभग 1000 वर्ष पूर्व सोमनाथ के प्रथम ज्योतिर्लिंग पर विदेशी आक्रमणों के दौरान अग्निहोत्री ब्राह्मणों द्वारा अपने प्राणों की आहुति देकर संरक्षित किए गए दिव्य अवशेष पहली बार जन-दर्शन हेतु मंडी पहुंचे। इस ऐतिहासिक अवसर पर जिला मुख्यालय मंडी सहित सुंदरनगर, नेरचौक, बालीचौकी, सरकाघाट और आसपास के क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु ज्योतिर्लिंग के पावन दर्शन के लिए उमड़े। संपूर्ण वातावरण ह्यहर-हर महादेवह्न के जयघोष से गुंजायमान हो उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ वेद मंत्रों के पवित्र उच्चारण के साथ हुआ, जिसने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण कर दिया।

त्रियुंड ट्रैक पर शुल्क और निजी प्रबंधन का फैसला जनविरोधी: अभाविप

एजेंसी (हि.स.)

शिमला

कांगड़ा जिले के प्रसिद्ध त्रियुंड ट्रैक पर एंट्री शुल्क और कैंपिंग शुल्क लागू करने तथा इसके प्रबंधन को निजी हाथों में देने के फैसले का अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने विरोध किया है। परिषद की प्रदेश मंत्री नैंसी अटल ने इसे जनविरोधी और प्रदेश की प्राकृतिक धरोहरों के व्यापारीकरण की दिशा में उठाया गया कदम बताया है।

सोमवार को एक बयान में नैंसी अटल ने कहा कि त्रियुंड जैसे लोकप्रिय ट्रैक पर एंट्री के लिए 100 रुपये और टेंट लगाने के लिए प्रतिदिन 275 रुपये शुल्क लगाना आम छात्रों, युवाओं और मध्यम वर्ग के पर्यटकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने जैसा है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश के पहाड़, जंगल और प्राकृतिक स्थल किसी निजी संस्था की संपत्ति नहीं हैं, बल्कि ये प्रदेश की जनता की साझा धरोहर हैं और इन पर इस तरह शुल्क लगाना उचित नहीं है। अभाविप का कहना है कि सरकार एक ओर वन मित्रों की भर्ती के माध्यम से स्थानीय युवाओं को रोजगार देने की बात करती है, वहीं दूसरी ओर प्राकृतिक स्थलों के प्रबंधन को निजी कंपनियों को सौंपने का फैसला कर रही है। परिषद के अनुसार यह नीति आपस में विरोधाभासी नजर आती है और इससे स्थानीय युवाओं के हित प्रभावित हो सकते हैं। नैंसी अटल ने यह भी कहा कि त्रियुंड ट्रैक जैसे संवेदनशील पर्यावरणीय क्षेत्र का निजी प्रबंधन किए जाने से संरक्षण के बजाय मुनाफे को प्राथमिकता मिलने की आशंका बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि इससे अति-पर्यटन, कचरे की समस्या और प्राकृतिक संतुलन बिगड़ने का खतरा भी बढ़ सकता है। उनका कहना है कि एंट्री समय सीमित करने और नियंत्रण बढ़ाने से युवाओं और आम लोगों की प्राकृतिक स्थलों तक सहज पहुंच भी प्रभावित होगी। अभाविप ने यह आशंका भी जताई कि यदि इस तरह की व्यवस्था आगे बढ़ती है तो भविष्य में प्रदेश के अन्य ट्रैकिंग रूटों पर भी शुल्क और निजी प्रबंधन लागू किया जा सकता है, जिससे हिमाचल की पारंपरिक पहचान और विरासत पर असर पड़ सकता है। परिषद ने इसे त्रियुंड मॉडल बताते हुए कहा कि यह आगे चलकर पूरे प्रदेश में लागू होने वाली नीति की शुरूआत हो सकती है। परिषद की ओर से प्रदेश सरकार से मांग की गई है कि त्रियुंड ट्रैक पर लागू किए गए शुल्क और निजी प्रबंधन के फैसले को वापस लिया जाए।

कोटखाई में स्पोर्ट्स मीट के दौरान दो पक्षों में मारपीट, क्रॉस एफ आईआर

शिमला। शिमला जिले के कोटखाई क्षेत्र में एक स्पोर्ट्स मीट के दौरान हुई कहासुनी के बाद दो छात्र समूहों के बीच मारपीट का मामला सामने आया है। इस घटना को लेकर दोनों पक्षों की शिकायतों पर पुलिस ने अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं और दोनों ओर से कई युवकों को नोटिस देकर जांच में शामिल किया गया है। पुलिस के अनुसार 25 मार्च को शिकायतकर्ता शिवांश की शिकायत पर थाना कोटखाई में मामला दर्ज किया गया। शिकायत में कहा गया कि स्पोर्ट्स मीट के दौरान हुई बहस के बाद शाम करीब 6 बजे कुछ युवक उसके पीजी (रहने के स्थान) पर पहुंचे और उसके साथ मारपीट की। इस घटना में उसके सिर और बाएं हाथ में चोटें आईं। इस मामले में सात नामजद आरोपितों से पूछताछ की गई है। इनमें मंडी, सिरमौर, शिमला और हमीरपुर जिलों के युवक शामिल हैं।

हर्षवर्धन चौहान ने शिलाई से शिमला बस को हरी झंडी दिखा कर किया रवाना

एजेंसी (हि.स.)

नाहन

उद्योग, संसदीय कार्य एवं श्रम रोजगार मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने सोमवार को हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) की नई बस सेवा को हरी झंडी दिखाकर शिलाई से शिमला वाया पांवटा साहिब के लिए रवाना किया। इस दौरान क्षेत्रवासियों ने पारंपरिक वाद्य यंत्रों से उद्योग मंत्री का भव्य स्वागत किया। उद्योग मंत्री ने यात्रियों के साथ शिलाई से कफोटा तक बस में यात्रा की।

उद्योग मंत्री ने कहा कि शिलाई से शिमला बस क्षेत्रवासियों की बहुत पुरानी माँग थी, जिसके लिए उन्होंने उपमुख्यमंत्री हिमाचल प्रदेश मुकेश अग्निहोत्री का धन्यवाद करते हुए कहा कि हाल ही में उन्होंने शिलाई विधानसभा का दौरा किया था। इस दौरान उनसे शिलाई से शिमला, शिलाई से हरिद्वार तथा शिलाई से चंडीगढ़ हिमाचल पथ परिवहन निगम की बस सेवा आरम्भ करने का आग्रह किया गया था। जिसके फलस्वरूप आज शिलाई से शिमला बस का शुभारंभ किया गया है। उद्योग मंत्री ने कहा कि जल्द ही बसों की उपलब्धता सुनिश्चित होने पर अन्य बसों को भी आरंभ किया जाएगा।

कुछ लोग राजनीतिक लाभ लेने के चक्कर में बिगाड़ रहे माहौल : अनुराग शर्मा

एजेंसी (हि.स.)

धर्मशाला

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के साथ ऑटोमेटिड टेस्टिंग स्टेशन (एटीएस) का मुद्दा उठाया गया है और जल्द ही इस मुद्दे पर प्रदेश सरकार टैक्सी चालक और कमर्शियल वाहन चालक के हितों में फैसला लेने जा रही है। यह जानकारी सोमवार को कांगड़ा जिला में कमर्शियल वाहनों की हड़ताल के बीच एक प्रेस बयान में राज्यसभा सांसद अनुराग शर्मा ने दी। उन्होंने बताया कि एटीएस का यह प्रोजेक्ट केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत किया गया है। प्रदेश का सबसे बड़ा जिला होने के नाते यह एटीएस फिलहाल कांगड़ा के रानीताल में लगाया गया है और इसकी स्थापना अन्य क्षेत्रों में भी की जाएगी।

अनुराग शर्मा ने कहा कि एटीएस का यह प्रोजेक्ट केंद्र से जिस प्रारूप में आया था, प्रदेश सरकार ने उसका विरोध किया था और प्रदेश सरकार के अधिकारियों ने केंद्र को चिट्ठी लिखकर यह भी कहा था कि पूरे प्रदेश में बड़ा जिला होने के नाते अगर फिलहाल एक ही एटीएस केंद्र की स्थापना की जा रही है तो जिस तरह से पूर्व में वाहनों की चेकिंग एमवीआई के द्वारा की जाती थी उसे भी यथावत रखा जाए मगर प्रदेश सरकार का यह सुझाव केंद्र सरकार ने नहीं माना। उन्होंने कहा कि कुछ लोग राजनीतिक लाभ लेकर प्रदेश का माहौल बिगाड़ने का प्रयास कर रहे हैं जिसे कदापि सहन नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि टैक्सी ऑपरेटर्स और कमर्शियल वाहन मालिकों को इस बारे में सूचित भी किया गया था कि मुख्यमंत्री के असम दौरे से वापसी के बाद इस मुद्दे पर सहानुभूति पूर्वक विचार करके कुछ ना कुछ हल निकाला जाएगा मगर राजनीतिक लाभ लेने के चक्कर में कुछ लोगों ने जिला में ट्रैफिक जाम करवा दी जो कि निंदनीय है।

पर्यटन

हिमाचल में पिछले साल 1.44 करोड़ सैलानी पहुंचे

शिमला रहा देशी पर्यटकों की पहली पसंद

धार्मिक पर्यटन में नया रिकॉर्ड: शक्तिपीठों पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

एजेंसी (हि.स.)

शिमला

हिमाचल प्रदेश में पिछले साल पर्यटन गतिविधियों में बड़ा उछाल देखने को मिला और राजधानी शिमला पर्यटकों की पहली पसंद बनकर सामने आई। राज्य सरकार के आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के अनुसार वर्ष 2025 के दौरान हिमाचल प्रदेश में कुल 1.44 करोड़ देशी और 84 हजार विदेशी पर्यटक पहुंचे। इनमें सबसे ज्यादा 28.74 लाख घरेलू सैलानी अकेले शिमला जिले में आए।

आर्थिक सर्वेक्षण में बताया गया है कि देश के अलग-अलग हिस्सों से बड़ी संख्या में पर्यटक हिमाचल पहुंचे, जबकि 84 हजार 828 विदेशी सैलानियों ने भी प्रदेश के पर्यटन स्थलों का भ्रमण किया। इससे साफ संकेत मिलता है कि हिमाचल की लोकप्रियता देश के साथ-साथ विदेशों में भी लगातार बढ़ रही है। जिलावार आंकड़ों के अनुसार घरेलू पर्यटकों की संख्या के मामले में शिमला पहले स्थान पर रहा। इसके बाद कुल्लू में 27.42 लाख और सोलन में 23.95 लाख सैलानी पहुंचे। मंडी में 13.55 लाख, सिरमौर में 11.52 लाख, बिलासपुर में 10.27 लाख और चंबा में 8.31 लाख घरेलू पर्यटकों ने भ्रमण किया। इसके अलावा किन्नौर में 3.89 लाख, लाहौल-स्पीति में 4.88 लाख, उना में 4.81 लाख और हमीरपुर में 2.96 लाख पर्यटक पहुंचे। विदेशी पर्यटकों की बात करें तो कांगड़ा जिला उनकी पहली पसंद रहा, जहां सबसे ज्यादा 29 हजार 755 विदेशी सैलानी पहुंचे। इसके बाद शिमला जिले में 26 हजार 887 विदेशी पर्यटक आए। कुल्लू में 10 हजार 587, लाहौल-स्पीति में 7 हजार 458 और किन्नौर में 4 हजार 845 विदेशी सैलानियों की आमद दर्ज की गई। सोलन में 3 हजार 113, मंडी में करीब 789, सिरमौर में 472, ऊना में 34 और हमीरपुर में 11 विदेशी पर्यटक पहुंचे, जबकि बिलासपुर जिले में कोई विदेशी पर्यटक दर्ज नहीं किया गया। प्राकृतिक पर्यटन के साथ-साथ धार्मिक पर्यटन में भी बड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार वर्ष 2025 के दौरान प्रदेश के पांच प्रमुख शक्तिपीठों और बड़े मंदिरों में कुल 1.66 करोड़ श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। इनमें सबसे ज्यादा 74.23 लाख श्रद्धालु ऊना जिले के श्री चिंतपूर्णी शक्तिपीठ पहुंचे। इसके बाद हमीरपुर जिले के बाबा बालक नाथ मंदिर में 63.50 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। कांगड़ा जिले के श्री ज्वालाजी मंदिर में 16.70 लाख और श्री बृजेश्वरी मंदिर में 7.01 लाख श्रद्धालु पहुंचे। रिपोर्ट के मुताबिक कोरोना महामारी के बाद हिमाचल में पर्यटन गतिविधियों में तेजी से सुधार हुआ है। वर्ष 2020 में जहां प्रदेश में कुल 32.13 लाख पर्यटक आए थे, वहीं वर्ष 2025 में यह संख्या बढ़कर 3.11 करोड़ तक पहुंच गई।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का
न्वोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: स्व. सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक मुद्रक एवं संपादक भूपिंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1, सेक्टर 40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित-160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेशभर में ततीमा मामलों के निपटान के लिए विशेष अभियान चलाने के दिए निर्देश

दौलताबाद में खेतों के रास्ते पर कब्जे का मामला, मुख्यमंत्री ने दिए सख्त निर्देश

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम तथा हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेशभर में लंबित ततीमा से संबंधित सभी मामलों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निपटान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में देरी के कारण आमजन को दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ते हैं, अनावश्यक विवाद और न्यायालयीन प्रक्रियाएं बढ़ती हैं।

मुख्यमंत्री सोमवार को गुरुग्राम में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, पटौदी विधायक श्रीमती बिमला चौधरी, सोहना विधायक श्री तेजपाल तंवर, गुरुग्राम के विधायक श्री मुकेश शर्मा भी उपस्थित रहे। बैठक में कुल 15 परिवाद रखे गए, जिनमें से मुख्यमंत्री ने 11 का मौके पर ही निपटारा किया।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे आमजन की समस्याओं के समाधान के प्रति संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि जहां भी कोई समस्या उनके संज्ञान में आती है या कोई नागरिक सीधे अपनी शिकायत लेकर आता है, उसका प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र और प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य केवल कार्यवाही करना नहीं, बल्कि लोगों को राहत पहुंचाना और उनकी समस्याओं का समयबद्ध निवारण करना होना चाहिए, ताकि शासन व्यवस्था के प्रति आमजन का विश्वास और अधिक मजबूत हो सके।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने रेजांगला चौक की स्वच्छता व्यवस्था का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रेजांगला चौक तथा शहीद लेफ्टिनेंट अतुल कटारिया चौक का सुनियोजित तरीके से सौंदर्यीकरण किया जाए, साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि रेजांगला स्मारक का समुचित सौंदर्यीकरण, पुनर्रचना (रेडिजाइनिंग) और समग्र उन्नयन किया जाए, ताकि इसे और अधिक आकर्षक, गरिमापूर्ण एवं प्रभावशाली बनाया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन स्थानों पर हरित क्षेत्र विकसित किया जाए तथा नियमित सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए, जिससे आमजन को एक स्वच्छ, व्यवस्थित और आकर्षक वातावरण का अनुभव हो सके।

गांव दौलताबाद से आए एक शिकायतकर्ता ने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के समक्ष अवगत कराया कि उसके खेत तक जाने वाले करीब 2 करम चौड़े रास्ते पर दो बिल्डर्स द्वारा अवैध कब्जा कर दीवार खड़ी कर दी गई है, जिससे उसका तथा अन्य ग्रामीणों का खेतों में आवागमन बाधित हो रहा है। इस पर संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कब्जा हटाकर रास्ते को मूल स्वरूप में बहाल किया जाए तथा संबंधित बिल्डर्स से दोनों ओर अतिरिक्त दो-दो फीट जगह भी खाली करवाई जाए, ताकि ग्रामीणों के लिए आवागमन सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित रूप से सुनिश्चित किया जा सके।

सिरसा में स्थापित होगा किन्नू जूस संयंत्र किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने प्रदेश में फल अर्थव्यवस्था को मजबूत करने तथा किन्नू उत्पादक किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा निर्णय लिया है। इसके लिए, सिरसा स्थित वीटा मिल्क प्लांट परिसर में लगभग 26.39 करोड़ रुपये की लागत से एक अत्याधुनिक किन्नू जूस प्रसंस्करण संयंत्र लगाया जा रहा है।

मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने यहां एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए इस महत्वाकांक्षी परियोजना की समीक्षा की।

यह परियोजना 33 वर्ष की रियायत अवधि के साथ सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर विकसित की जाएगी, जिससे सभी हितधारकों को लाभ होगा। हरियाणा डेयरी द्वारा संयंत्र स्थापित करने के लिए लगभग तीन एकड़ भूमि उपलब्ध कराई जाएगी, जबकि निजी भागीदार संयंत्र एवं मशीनरी, आवश्यक सिविल ढांचा स्थापित करेगा तथा संयंत्र का संचालन करेगा।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि परियोजना के तहत मुख्य रूप से फल एवं सब्जी प्रसंस्करण उद्योग स्थापित किया जाएगा, जिसमें विशेष रूप से किन्नू जूस प्रसंस्करण पर जोर दिया जाएगा। आवश्यकता पड़ने पर परियोजना को वायबिलिटी गैप फंड की सुविधा भी प्रदान की जा सकती है। भविष्य में आवश्यकता अनुसार कृषि आधारित अन्य प्रसंस्करण उद्योगों की संभावनाएं भी तलाश की जा सकती हैं। हरियाणा डेयरी डेवलपमेंट कोऑपरेटिव फेडरेशन के प्रबंध निदेशक श्री रोहित यादव ने बताया कि हरियाणा में प्रतिवर्ष लगभग 4.40 लाख मीट्रिक टन किन्नू का उत्पादन होता है, जिसमें अकेले सिरसा जिले का योगदान लगभग 55 प्रतिशत है। प्रस्तावित संयंत्र में प्रतिवर्ष लगभग 9,000 मीट्रिक टन किन्नू तथा 12,600 मीट्रिक टन अन्य फलों का प्रसंस्करण कर उच्च गुणवत्ता वाला पैकेज्ड जूस तैयार किया जाएगा। विशेष रूप से किन्नू उत्पादन का लगभग 25 प्रतिशत भाग, जो प्रायः बी-ग्रेड फल होता है और पहले कम कीमत पर बिकता था, अब मूल्य संवर्धन के माध्यम से उपयोग में लाया जाएगा, जिससे सीधे तौर पर किसानों की आय बढ़ेगी। इस पहल की एक प्रमुख विशेषता इसका किसान-केंद्रित दृष्टिकोण है, जिसके तहत कच्चे माल की खरीद प्रदेश के किसानों से की जाएगी। मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने कहा कि यह परियोजना सरकारी अवसंरचना, सहकारी संस्थाओं और निजी क्षेत्र के समन्वय का एक बेहतरीन उदाहरण है, जो ग्रामीण आय को स्थायी रूप से बढ़ाने में सहायक होगी। पर्याप्त कच्चे माल की उपलब्धता, स्पष्ट भूमि स्वामित्व, आधुनिक एसेप्टिक पैकेजिंग तकनीक और मजबूत पीपीपी ढांचे के साथ सिरसा का यह किन्नू जूस प्रसंस्करण संयंत्र हरियाणा को देश में प्रीमियम फल आधारित पेय पदार्थों का प्रमुख केंद्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

35वें दीक्षांत समारोह की सफलता टीम वर्क का परिणामः प्रो. सोमनाथ सचदेवा

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने सोमवार को सीनेट हाल में आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के 35वें दीक्षांत समारोह के सफल आयोजन के लिए सभी अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह भव्य आयोजन विश्वविद्यालय की पूरी टीम के समर्पण, समन्वय और उत्कृष्ट कार्यशैली का परिणाम है। प्रो. सचदेवा ने कहा कि किसी भी बड़े आयोजन की सफलता के पीछे सामूहिक प्रयास और टीम वर्क की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। समस्या के अंदर ही समाधान छिपा होता है। असंभव शब्द के अंदर ही संभव शब्द होता है। उन्होंने दीक्षांत समारोह के आयोजन से जुड़ी सभी समितियों और सदस्यों की सराहना करते हुए कहा कि सभी ने पूरी निष्ठा, पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया, जिसके कारण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो पाया। प्रो. सचदेवा ने दीक्षांत समारोह के सफल आयोजन में विभिन्न समितियों की भूमिका की विशेष सराहना की। हॉस्पिटैलिटी के लिए प्रो अनिल मित्तल, डॉ. सुरजीत तथा साइटेशन कार्य के लिए प्रो. ब्रजेश साहनी, प्रो. विवेक चावला, मीडिया कवरेज के लिए प्रो. महासिंह पूनिया व डॉ. जिम्मी शर्मा, कुलपति व कुलसचिव कार्यालय, खेल विभाग, निर्माण शाखा, परीक्षा शाखा, स्थापना शाखा, शैक्षणिक शाखा सहित सभी समितियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक और कर्मचारी हमेशा संस्थान की प्रतिष्ठा को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करते हैं। इसी समर्पण और सहयोग की भावना के कारण कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय निरंतर नई उपलब्धियाँ हासिल कर रहा है। कुलगुरु ने आयोजन से जुड़ी समितियों, प्रशासनिक अधिकारियों, शिक्षकों और कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी तरह मिलकर कार्य करने का आह्वान किया।

दीनबंधु छोटूराम ईमानदारी, सामाजिक न्याय और दूरदर्शी नेतृत्व का प्रतीक थे : सीपी राधाकृष्णनन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- दीक्षांत समारोह में उपराष्ट्रपति ने किया संबोधन
- छात्रों को नवाचार और राष्ट्र निर्माण के लिए किया प्रेरित

भारत के उपराष्ट्रपति श्री सीपी राधाकृष्णनन ने आज हरियाणा के सोनीपत स्थित दीनबंधु छोटूराम यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के 8वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। उपराष्ट्रपति ने दीनबंधु छोटूराम को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें ईमानदारी, सामाजिक न्याय और दूरदर्शी नेतृत्व का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि दीनबंधु छोटूराम ने किसानों और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए अपना जीवन समर्पित किया और उनके सामाजिक-आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उन्होंने कहा कि सहकारी संस्थाओं और न्यायसंगत भूमि व्यवस्था पर छोटूराम के प्रयास ने एक मजबूत कृषि ढांचे की नींव रखी, जिससे हरियाणा एक समृद्ध कृषि राज्य के रूप में उभरा और देश की खाद्य सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। दीक्षांत समारोह में स्नातक छात्रों को बधाई देते हुए उपराष्ट्रपति ने बताया कि स्वर्ण पदक विजेताओं में लगभग 64 प्रतिशत महिलाएं हैं और कुल उत्तीर्ण छात्रों में भी लगभग 50 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी है। उन्होंने इसे महिला सशक्तिकरण और ॱबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओॱ जैसी योजनाओं के सकारात्मक प्रभाव का परिणाम बताया।

उपराष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ॱविकसित भारतॱ और ॱआत्मनिर्भर भारतॱ के विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि यह नवाचार, आत्मविश्वास और स्वदेशी समाधानों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कोविड -19 महामारी के दौरान भारत की भूमिका को याद करते हुए कहा कि जहां कई देशों ने वैक्सीन पर पेटेंट के माध्यम से लाभ कमाने की कोशिश की, वहीं भारत ने न केवल अपने नागरिकों को मुफ्त टीके उपलब्ध कराए, बल्कि 100 से अधिक देशों को भी वैक्सीन उपलब्ध कराकर अपनी उदारता का परिचय दिया।

उपराष्ट्रपति ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स, क्वांटम कंप्यूटिंग और ग्रीन टेक्नोलॉजी जैसे उभरते क्षेत्रों की चर्चा करते हुए छात्रों से इन्हें जिम्मेदारी के साथ अपनाने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने नशे की बढ़ती समस्या पर चिंता जताते हुए युवाओं से इसे पूरी तरह त्यागने और स्वस्थ व सकारात्मक जीवन अपनाने की अपील की। उन्होंने युवाओं को नशा मुक्त समाज के दूत बनने के लिए प्रेरित किया।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता केवल उपलब्धियों से नहीं, बल्कि चरित्र, ईमानदारी और कठिनाइयों से उबरने की क्षमता से तय होती है। उन्होंने छात्रों को धैर्य और साहस के साथ चुनौतियों का सामना करने की सलाह देते हुए कहा कि धर्म की हमेशा अधर्म पर विजय होती है। उपराष्ट्रपति ने शिक्षा में औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि सच्ची शिक्षा व्यक्ति को स्वतंत्र सोच, आत्मविश्वास और भारतीय विरासत पर गर्व करना सिखाती है। इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री असीम कुमार घोष, मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, सहकारिता मंत्री श्री अरविन्द कुमार शर्मा तथा विश्वविद्यालय के कुलपति श्री प्रकाश सिंह भी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त-समाचार

सहायक आयुक्त/अतिरिक्त सहायक आयुक्त तथा तहसीलदारों की विभागीय परीक्षा 27 अप्रैल से

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने सहायक आयुक्त/अतिरिक्त सहायक आयुक्त तथा तहसीलदारों की विभागीय परीक्षाओं के लिए तिथियों की घोषणा कर दी है। एक सरकारी प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि ये परीक्षाएं 27 अप्रैल से 1 मई 2026 तक आयोजित की जाएंगी। परीक्षाओं का आयोजन ₹सार्थक राजकीय एकीकृत वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर-12ए, पंचकूला₹ में किया जाएगा। जारी डेटशीट के अनुसार, 27 अप्रैल को सुबह सत्र (10:00 बजे से 1:00 बजे तक) में क्रिमिनल लॉ (प्रथम पेपर) तथा शाम के सत्र (2:00 बजे से 5:00 बजे तक) में सिविल लॉ की परीक्षा होगी। इसके बाद 28 अप्रैल को सुबह क्रिमिनल लॉ (द्वितीय पेपर) और शाम को फाइनेंशियल रूल्स की परीक्षा आयोजित की जाएगी। 29 अप्रैल को सुबह क्रिमिनल लॉ (तृतीय पेपर) आयोजित होगा, जिसमें सहायक आयुक्त/अतिरिक्त सहायक आयुक्तों के लिए जेल से संबंधित विषय भी शामिल होंगे, जबकि तहसीलदारों के लिए पाठ्यक्रम अलग रहेगा। इसी दिन शाम के सत्र में रेवेन्यू लॉ (प्रथम पेपर) की परीक्षा होगी। इसके बाद 30 अप्रैल को सुबह लोकल फंड्स तथा शाम को रेवेन्यू लॉ (द्वितीय पेपर) आयोजित किया जाएगा। परीक्षाओं का समापन 1 मई को होगा, जिसमें सहायक आयुक्त/अतिरिक्त सहायक आयुक्तों के लिए भाषा (हिंदी) तथा तहसीलदारों के लिए पटवारी मेंसुरेशन और उर्दू विषयों की परीक्षा होगी। प्रवक्ता ने बताया कि परीक्षा में शामिल होने के इच्छुक उम्मीदवारों को अपने संबंधित विभागाध्यक्ष या प्रशासनिक सचिव के माध्यम से 16 अप्रैल 2026 तक आवेदन करना होगा। केंद्रीय परीक्षा समिति द्वारा सीधे आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

प्रदेश सरकार आगजनी से पीड़ित परिवारों के साथ है मजबूती से खड़ीः गौरव गौतम

चंडीगढ़। जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की तत्परता और मुस्तैदी से आज पलवल के सेक्टर-2 स्थित धर्मनगर कॉलोनी की झुग्गी-झोपड़ियों में लगी आग पर जल्द काबू पा लिया गया। हरियाणा के खेल राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम, उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ तथा पुलिस अधीक्षक नितीश अग्रवाल घटना की सूचना मिलते ही तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्यों का जायजा लिया। खेल राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम ने झुग्गी-झोपडियों में लगी आग से प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी कुशल क्षेम पूछी और उन्हें सांत्वना देते हुए आगजनी की घटना को बेहद दुखद बताया। मंत्री ने आगजनी के दौरान राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि आगजनी में किसी के भी हताहत होने की सूचना नहीं है। हालांकि आगजनी से झुग्गी-झोपड़ियों में रह रहे परिवारों का सामान आग में जल गया। कहा कि पीड़ित परिवारों के लिए ठहरने, भोजन व अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करा दी गई हैं। उन्होंने कहा कि सरकार दुख की इस घड़ी में मजबूती के साथ आगजनी से पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है।

हरियाणा में सभी न्यायालयों और राजस्व न्यायालयों में लागू होगी ई-समन प्रणाली

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राज्य के विभिन्न विभागों के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्यरत सभी न्यायालयों तथा सभी राजस्व न्यायालयों में समन जारी करने और उनकी तामील के लिए ई-समन प्रणाली लागू करने का निर्णय लिया है। मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी द्वारा इस सम्बन्ध में जारी एक पत्र में सभी प्रशासनिक सचिवों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने प्रशासनिक नियंत्रण में आने वाले न्यायालयों और प्राधिकरणों को समन जारी करने और तामील के लिए ई-समन प्रणाली का अनिवार्य रूप से उपयोग करने के निर्देश जारी करें। साथ ही, राज्य के सभी राजस्व न्यायालयों को भी इस प्रणाली को अपनाने और इसका कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि मामलों के निपटान में तेजी लाई जा सके। गौरतलब है कि 3 फरवरी, 2026 को गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री सुधीर राजपाल की अध्यक्षता में एक बैठक हुई थी, जिसमें नए आपराधिक कानूनों (एनसीएल) के कार्यान्वयन तथा एनसीएल पोर्टल की समीक्षा की गई थी।

श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत के तत्वावधान में हुआ श्री अग्रसेन यूथ एसोसिएशन का गठन

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

- अग्रवाल धर्मशाला रेलवे स्टेशन में हुआ बैठक का आयोजन

श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत कुरुक्षेत्र के तत्वावधान में समाज के युवाओं को संगठित एवं सशक्त बनाने के उद्देश्य से श्री अग्रसेन यूथ एसोसिएशन का विधिवत गठन किया गया। इस अवसर पर आयोजित बैठक में समाज के गणमान्य व्यक्तियों एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैठक का शुभारंभ भगवान श्री अग्रसेन महाराज के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। पंचायत के पदाधिकारियों ने कहा कि इस संगठन का मुख्य उद्देश्य युवाओं को सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सेवा कार्यों से जोड़ना तथा समाज के विकास में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। साया के तत्वाधान में पहला भंडारा 14 अप्रैल को अग्रवाल धर्मशाला रेलवे स्टेशन पर दोपहर 12 बजेआयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर विशाल सिंगला प्रधान श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत, विशेष गर्ग कैशियर, कुलवंत गर्ग, गौरव मित्तल, अर्जुन गर्ग, संजय सिंगला, विपन गोयल, नवीन बंसल, प्रमोद बंसल, हिमांशु बंसल, पंकज सिंगला, अंकुश गर्ग, विनोद सिंगला, राजेश, विकास गर्ग, सचिन अग्रवाल, पंकज सिंगला, गौरव गर्ग, हिमांशु बंसल, पीयूष बंसल, संजीव गर्ग, ब्रिज मोहन, विकास बंसल, सुमित मित्तल, राजन जिंदल, अमित कंसल, मोहित, मयंक गर्ग, अमन सिंगला, योगेश गर्ग आदि मौजूद रहे। नवगठित एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने समाजहित में कार्य करने का संकल्प लिया और सभी सदस्यों से सहयोग की अपील की। अंत में सभी उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया।

सांसद नवीन जिन्दल की पहल पर उत्तराखंड के आईटीआई टॉपर्स आज लेंगे प्रशिक्षण

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र इंटरनेशनल स्किल सेंटर द्वारा ॱनवीन अवसरॱ पहल के अंतर्गत, 7 अप्रैल 2026, मंगलवार को उत्तराखंड के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के टॉपर विद्यार्थियों के लिए एक विशेष करियर मार्गदर्शन एवं युवा रोजगार कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में उत्तराखंड के विभिन्न जिलों अल्मोड़ा, बागेश्वर, चंपावत, नैनीताल, पिथौरागढ़, उधम सिंह नगर, देहरादून, गढ़वाल, हरिद्वार, रुद्रप्रयाग, चमोली, टिहरी और उत्तरकाशी से चयनित मेधावी आईटीआई छात्र भाग लेंगे। इस पहल का उद्देश्य युवाओं को करियर की स्पष्ट दिशा, उद्योग से जुड़ा अनुभव और रोजगार के अवसर प्रदान करना है, ताकि वे अपने कौशल के अनुरूप बेहतर भविष्य की ओर अग्रसर हो सकें। कुरुक्षेत्र इंटरनेशनल स्किल सेंटर से अभिषेक सहगल ने बताया कि आईटीआई पोखरा, गढ़वाल के प्राचार्य गौरव उनियाल के प्रयासों से विभिन्न आईटीआई संस्थानों से टॉपर छात्रों की सहभागिता सुनिश्चित की गई है। इस कार्यक्रम के दौरान इंटरएक्टिव सत्र, करियर काउंसलिंग और उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप रोजगार के विभिन्न अवसरों पर मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर नवीन जिन्दल फाउंडेशन की मोबाइल मेडिकल युनिट की टीम द्वारा सभी युवाओं की सामान्य स्वास्थ्य जांच भी की जाएगी, ताकि युवा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो सके।

उन्होंने बताया कि नवीन जिन्दल फाउंडेशन और सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के संयुक्त तत्वावधान में चलाई जा रही मोबाइल साइंस लैब सर्कस ऑफ साइंस में भी युवा विज्ञान के प्रयोग करना सीखेंगे।

यह पहल नवीन जिन्दल फाउंडेशन और कुरुक्षेत्र इंटरनेशनल स्किल सेंटर कुरुक्षेत्र की उस प्रतिबद्धता को दशार्ती है, जिसके तहत वे कुशल युवाओं को सशक्त बनाते हुए उन्हें सार्थक रोजगार अवसरों से जोड़ने और उनके समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

प्रदेश में विशेषज्ञ डॉक्टरों की नहीं रहेगी कमी : आरती सिंह राव

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- कॉन्ट्रैक्ट पर भर्ती होगी, नूंह जिला के लिए दिया जाएगा डेढ़ गुणा वेतन

हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक बड़ा निर्णय लेते हुए घोषणा की है कि राज्य के सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी को दूर करने के लिए 195 पदों पर कॉन्ट्रैक्ट आधार पर भर्ती की जाएगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि यह भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और मेरिट आधारित होगी। उन्होंने बताया कि नूह जिला को छोड़कर अन्य जिलों के लिए चयनित विशेषज्ञ डॉक्टरों में एमबीबीएस एवं डिप्लोमा की योग्यता वाले विशेषज्ञ डॉक्टरों को एक लाख रुपए प्रति महीना तथा एमबीबीएस एवं एमडी /एमएस /डीएनबी योग्यता वाले विशेषज्ञ डॉक्टरों को 1.50 लाख रुपए प्रति महीना दिया जाएगा। विशेष तौर पर नूह जिला के लिए चयनित विशेषज्ञ डॉक्टरों में एमबीबीएस एवं डिप्लोमा की योग्यता वाले विशेषज्ञ डॉक्टरों को 1.50 लाख रुपये प्रति महीना तथा एमबीबीएस एवं एमडी /एमएस /डीएनबी योग्यता वाले विशेषज्ञ डॉक्टरों को 2 लाख रुपये प्रति महीना दिया जाएगा। आरती सिंह राव ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य प्रदेश के सभी नागरिकों को बेहतर और समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति से मरीजों को उच्च गुणवत्ता की चिकित्सा सुविधा मिलेगी और मौजूदा डॉक्टरों पर कार्यभार भी कम होगा।

उन्होंने जानकारी दी कि स्त्री रोग, बाल रोग, एनेस्थीसिया, मेडिसिन, सर्जरी और ऑर्थोपेडिक जैसे महत्वपूर्ण विभागों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की भर्ती की जाएगी। इनमें सबसे अधिक पद स्त्री रोग और बाल रोग विभाग में हैं, जिससे मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को विशेष रूप से मजबूत किया जाएगा।

थानेसर अनाज मंडी से लिफ्टिंग कार्य में शुरूआत से तेजी लाओ ताकि ब्रह्मसरोवर पर गेहूं न डालनी पड़ेः राणा

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि थानेसर अनाज मंडी से लिफ्टिंग कार्य में शुरू आज से ही तेजी के साथ उठान किया जाए, ताकि किसानों को अनाज मंडी से बाहर ब्रह्मसरोवर पर गेहूं ना डालनी पड़े। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गेहूं खरीद सीजन के दौरान किसानों को सुविधा प्रदान करते हुए 24 घंटे मंडियों खुली रहेंगी। गेटपास और बिक्री भी हर समय बनी रहेगी। सरकार का उद्देश्य समय की बचत करने तथा खरीद प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। किसान की फसल का एक-एक दाना एमएसपी पर खरीदा जाएगा और फसल बेचने में किसी प्रकार की दिक्कत नहीं आने दी जाएगी। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी गेहूं खरीद पर बहुत गंभीर है।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने सोमवार को अनाज मंडी थानेसर की मार्केट कमेटी कार्यालय में पहुंचकर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस मौके पर पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा भी मौजूद रहे। मंत्री श्याम सिंह राणा ने पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा के साथ किसानों, आढ़तियों, व्यापारियों, खरीद एजेंसियों और उठान ठेकेदार से बातचीत की। उन्होंने अधिकारियों के साथ गेहूं की आवक व उठान कार्य, माल ढुलाई कार्यों और बुनियादी सुविधाओं के साथ-साथ अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रदेश के मंत्री व विधायक लगातार मंडियों का निरीक्षण भी कर रहे हैं, ताकि किसान को अपनी फसल बेचने में पोर्टल संबंधी या अन्य कोई समस्या न आए। उन्होंने किसानों व आढ़तियों से यह भी अपील की कि वे प्रशासन के साथ आपसी सहयोग व तालमेल से फसल के उठान की समस्या को दूर कर सकते हैं। सरकार द्वारा निर्धारित किए गए मानकों के अनुसार किसानों की फसलों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद किया जाएगा। मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि किसान अपनी फसल को ट्रैक्टर-ट्रॉली के अतिरिक्त अन्य पारंपरिक साधनों जैसे बैलगाड़ी आदि के माध्यम से भी मंडी में ला सकते हैं। यदि ट्रैक्टर-ट्रॉली पर नंबर प्लेट उपलब्ध नहीं है तो किसान ट्रैक्टर पर पेंट द्वारा पंजीकरण संख्या लिखकर अथवा कागज पेपर स्टीकर पर पंजीकरण संख्या अंकित कर मंडी में फसल ला सकता है। उन्होंने कहा कि किसानों को गेट पास काटने के लिए प्रतीक्षा न करनी पड़े, इसके लिए हरियाणा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से कच्चे कर्मचारियों की तैनाती की गई है। मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण किसान स्वयं, भूमि का मालिक अथवा वह व्यक्ति जो भूमि को पट्टे पर लेकर खेती कर रहा हो तीनों में से कोई भी कर सकता है। किसान भूमि मालिक पट्टेदार किसान अपने नामित व्यक्तियों को भी पोर्टल पर पंजीकृत कर सकता है। उन्होंने कहा कि किसान स्वयं या उसके द्वारा नामित अधिकतम तीन व्यक्ति ही रबी फसल विक्रय के लिए मंडी में ला सकेंगे। किसान या नामित व्यक्तियों का सत्यापन फिंगर स्केनिंग बायोमेट्रिक उपकरण के माध्यम से किया जाएगा। यदि फिंगर स्कैनिंग से सत्यापन संभव नहीं हो पाता है, तो आंख स्कैनिंग बायोमेट्रिक उपकरण द्वारा भी सत्यापन किया जा सकेगा। यह बायोमेट्रिक प्रक्रिया मंडी गेट पर नहीं, बल्कि गेहूं की खरीद के समय की जाएगी। मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि बायोमेट्रिक सत्यापन में तकनीकी कारणों से व्यवधान उत्पन्न होने की स्थिति में किसान अथवा उसके नामित व्यक्तियों का सत्यापन ओटीपी माध्यम से किया जाएगा। ओटीपी सत्यापन की अनुमति देने का निर्णय जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक के अंतर्गत गठित समिति द्वारा लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि खरीद एजेंसी का इंस्पेक्टर आउट गेट पास जारी करेगा। जारी आउट गेट पास उठान करने वाले ट्रांसपोर्टर के लॉगिन में दिखाई देगा। ट्रांसपोर्ट द्वारा स्वीकार किए जाने के उपरांत मंडी सचिव द्वारा आउट गेट पास को स्वीकृति प्रदान की जाएगी। इससे उठान प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सकेगी। पूरी खरीद प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से संचालित की जाएगी, जिससे समय की बचत होगी और खरीद व्यवस्था में पारदर्शिता बनी रहेगी। इस मौके पर मार्केट कमेटी चेयरमैन सुरेश कुमार, एसडीएम अमन कुमार, डीएफएससी नरेश कुमार, मार्केट कमेटी सचिव हरजीत सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति व अधिकारीगण मौजूद रहे।

संपादकीय

एलपीजी संकट ने बढ़ाई मुश्किलें: महंगाई से परेशान प्रवासी मजदूरों का दिल्ली से पलायन तेज

देश की राजधानी नई दिल्ली एक बार फिर प्रवासी संकट के केंद्र में दिखाई दे रही है। इस बार वजह महामारी नहीं, बल्कि रसोई गैस यानी एलपीजी की बढ़ती कीमतें और उसकी अनियमित उपलब्धता है। बीते कुछ हफ्तों में राजधानी से हजारों की संख्या में प्रवासी मजदूर अपने-अपने गृह राज्यों की ओर लौटते देखे गए हैं। यह स्थिति न केवल शहरी अर्थव्यवस्था के लिए चिंता का विषय है, बल्कि यह सरकार की नीतियों और सामाजिक सुरक्षा ढांचे पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है। एलपीजी, जो कभी 'स्वच्छ ईंधन' के रूप में आमजन के जीवन में क्रांति लाने का प्रतीक माना जाता था, आज महंगाई के कारण आम परिवारों की पहुंच से बाहर होता जा रहा है। खासकर निम्न आय वर्ग और दैनिक मजदूरी करने वाले प्रवासी मजदूरों के लिए रसोई गैस भरवाना एक बड़ी चुनौती बन गया है। ऐसे में उनके सामने दो ही विकल्प बचते हैं–या तो वे महंगे ईंधन का बोझ उठाएं या फिर शहर छोड़कर गांव लौट जाएं, जहां अभी भी पारंपरिक ईंधनों का सहारा लिया जा सकता है। दिल्ली जैसे महानगर में रहने का खर्च पहले ही काफी अधिक है। किराया, भोजन, परिवहन और अन्य आवश्यकताओं के बीच एलपीजी की कीमतों में लगातार वृद्धि ने प्रवासियों की आर्थिक स्थिति को और कमजोर कर दिया है। कई मजदूरों ने बताया कि उनकी मासिक आय का बड़ा हिस्सा सिर्फ खाना बनाने के ईंधन में ही खर्च हो रहा है, जिससे अन्य जरूरी खर्चों के लिए पैसे नहीं बचते। यही कारण है कि वे मजबूर होकर अपने गांव लौटने का निर्णय ले रहे हैं। यह स्थिति हमें 2020 के लॉकडाउन के दौरान देखे गए प्रवासी संकट की याद दिलाती है, जब लाखों मजदूर पैदल ही अपने घरों की ओर निकल पड़े थे। हालांकि इस बार हालात उतने भयावह नहीं हैं, लेकिन संकेत उतने ही गंभीर हैं। यह दशार्ता है कि हमारे शहरी ढांचे में प्रवासी मजदूरों के लिए स्थायी और सुरक्षित जीवन की व्यवस्था अब भी नहीं बन पाई है। एलपीजी संकट का एक बड़ा कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और सरकार द्वारा दी जाने वाली सब्सिडी में कटौती है। सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में सब्सिडी को धीरे-धीरे कम किया है, जिससे उपभोक्ताओं पर सीधा आर्थिक बोझ बढ़ा है। हालांकि सरकार का तर्क है कि इससे राजकोषीय घाटा कम होता है और संसाधनों का बेहतर उपयोग संभव होता है, लेकिन इसका असर सबसे ज्यादा गरीब और मध्यम वर्ग पर पड़ रहा है। प्रवासी मजदूर, जो पहले ही असंगठित क्षेत्र में काम करते हैं और जिनके पास सामाजिक सुरक्षा का कोई ठोस आधार नहीं होता, इस तरह के झटकों को सहने में सक्षम नहीं होते। उनके पास न तो स्थायी नौकरी होती है और न ही बचत का कोई मजबूत साधन। ऐसे में एलपीजी जैसी बुनियादी जरूरत की कीमतों में वृद्धि उनके जीवन को अस्थिर बना देती है। इसके अलावा, दिल्ली में एलपीजी की आपूर्ति में अनियमितता की शिकायतें भी सामने आई हैं। कई इलाकों में समय पर सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है, जिससे लोगों को अतिरिक्त खर्च करके खुले बाजार से गैस खरीदनी पड़ रही है। यह स्थिति कालाबाजारी को भी बढ़ावा दे रही है, जो आम उपभोक्ता के लिए और अधिक परेशानी का कारण बन रही है। इस पूरे संकट का एक व्यापक सामाजिक प्रभाव भी देखने को मिल रहा है। जब प्रवासी मजदूर शहर छोड़ते हैं, तो इसका असर निर्माण, परिवहन, घरेलू कामकाज और छोटे उद्योगों पर पड़ता है। श्रम की कमी के कारण इन क्षेत्रों में काम की गति धीमी हो जाती है, जिससे आर्थिक गतिविधियों पर नकारात्मक असर पड़ता है। यह एक प्रकार का 'रिवर्स माइग्रेशन' है, जो शहरी अर्थव्यवस्था के लिए खतरे की घंटी है। सरकार के सामने इस चुनौती से निपटने के लिए कई विकल्प हैं। सबसे पहले, एलपीजी पर सब्सिडी को लक्षित तरीके से फिर से लागू किया जा सकता है, ताकि इसका लाभ सीधे जरूरतमंद लोगों तक पहुंचे। इसके अलावा, प्रवासी मजदूरों के लिए विशेष सहायता पैकेज और सस्ती दरों पर ईंधन उपलब्ध कराने की योजना बनाई जा सकती है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के दायरे को भी विस्तारित किया जा सकता है, ताकि शहरी गरीबों को राहत मिल सके। इसके साथ ही, सरकार को वैकल्पिक ईंधनों जैसे बायोगैस और सोलर कुकिंग को बढ़ावा देना चाहिए, जिससे एलपीजी पर निर्भरता कम हो सके। दीर्घकालिक समाधान के रूप में यह न केवल पर्यावरण के लिए बेहतर होगा, बल्कि गरीब वर्ग के लिए भी किफायती साबित हो सकता है। निजी क्षेत्र और नागरिक समाज की भूमिका भी इस संकट में महत्वपूर्ण है। कंपनियां अपने कर्मचारियों के लिए ईंधन भत्ता बढ़ा सकती हैं, जबकि गैर-सरकारी संगठन जरूरतमंद परिवारों को अस्थायी राहत प्रदान कर सकते हैं। सामुदायिक रसोई (कम्युनिटी किचन) जैसे प्रयास भी इस दिशा में सहायक हो सकते हैं। अंततः, यह संकट हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हमारी विकास नीतियां वास्तव में समावेशी हैं? क्या हम उन लोगों की जरूरतों को समझ पा रहे हैं, जो हमारे शहरों की रीढ़ हैं? प्रवासी मजदूरों का यह पलायन केवल एक आर्थिक समस्या नहीं, बल्कि एक सामाजिक चेतावनी है। यदि समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया, तो यह संकट और गहरा सकता है, जिसका असर न केवल शहरों बल्कि पूरे देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। इसलिए जरूरी है कि सरकार, समाज और सभी संबंधित पक्ष मिलकर एक समन्वित और संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाएं, ताकि हर नागरिक को सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन मिल सके।

खरगे प्रसंग : तब ऐसी अशिक्षा क्या बुरी है !

डॉ. मयंक चतुर्वेदी (हि.स)

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केरल में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए गुजरात के लोगों को लेकर कहा है कि वहां के लोग 'अशिक्षित' हैं, इसलिए वहां के लोगों को पीएम मोदी आसानी से गुमराह कर सकते हैं, लेकिन केरल के लोग ज्यादा समझदार और शिक्षित हैं, इसलिए उन्हें कोई भ्रमित नहीं कर सकता। निश्चित ही यह कहकर खरगे ने न सिर्फ गुजरात के लोगों का, बल्कि उन सभी राज्यों में निवासरत भारतवासियों का अपमान किया है, जहां भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार है।

देश में वर्तमान स्थिति के अनुसार, भारतीय जनता पार्टी और उसके नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का भारतीय राजनीति में व्यापक विस्तार है। भाजपा सीधे तौर पर या गठबंधन के माध्यम से देश के 21 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में सत्ता में है। एक तरह से देखें तो उत्तर भारत (हिंदी हृदयस्थल), पश्चिम भारत और उत्तर-पूर्व भारत के अधिकांश हिस्से में भाजपा का सीधा प्रभाव है, जबकि आंध्र प्रदेश और बिहार, महाराष्ट्र, पूवोत्तर के महत्वपूर्ण राज्यों में यह बड़े क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ मजबूती से जुड़ी हुई है। यह भी एक तथ्य है कि भाजपा और उसके सहयोगियों वाले राज्य भारत की लगभग 60 फीसद से अधिक जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करते हैं और देश के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग 58 से 62 प्रतिशत से अधिक हिस्सा उन राज्यों में आता है जहाँ कि आज भाजपा या एनडीए की सरकारें हैं।

अब इस दिए गए खरगे के बयान के बाद गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा है कि 'कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जी द्वारा गुजरात के लोगों के संदर्भ में दिए गए बयान अत्यंत आपत्तिजनक और दुर्भाग्यपूर्ण हैं। इस प्रकार की टिप्पणी न केवल 6 करोड़ गुजरातवासियों का अपमान है, बल्कि महात्मा गांधी और सरदार पटेल की पावन धरती की गरिमा को भी ठेस पहुंचाती है।' गुजरात ने हमेशा राष्ट्र निर्माण, विकास और एकता में अग्रणी भूमिका निभाई है और आगे भी करता रहेगा। ऐसे बयान कांग्रेस की संकीर्ण सोच को दशार्ते हैं। यह टिप्पणी स्पष्ट करती है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की विकास की राजनीति और उसे मिल रहे व्यापक जनसमर्थन से कांग्रेस कितना असहज और असुरक्षित महसूस कर रही है।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की तरह ही अन्य विरोध के स्वर भी सामने आए हैं, जिन्होंने सीधे तौर पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बयान को सिरे से नकारते हुए इसे अनुचित एवं देश के आमनागरिकों का अपमान बताया है। कभी-कभी लगता है कि पिछले 11 सालों से अधिक समय से केंद्रीय सत्ता से दूर रहने के बाद भी शायद कांग्रेस समझना नहीं चाहती! यदि वास्तव में देश की जनता के मर्म को समझती तो इस तरह के संकुचित और स्वयं से भड़ास केंद्रित बयान कम से कम कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तो नहीं देते। फिर इस बयान के संदर्भ में एक दूसरा दृष्टिकोण भी है, वह यह कि यदि गुजरात के लोग अशिक्षित भी हैं तो क्या बुरा है? वे जीवन का सत्य तो गहराई से पहचानते हैं!

यदि खरगे केरल से गुजरात की तुलना कर भी रहे हैं तो देखें कि दोनों ही राज्य आज कहां खड़े हुए हैं। वस्तुतः भारत के विकास परिदृश्य में केरल और गुजरात दो ऐसे राज्य हैं, जो भिन्न विकास मॉडलों का प्रतिनिधित्व करते हैं। केरल को जहाँ सामाजिक विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और मानव विकास सूचकांक के लिए जाना जाता है, वहीं गुजरात आर्थिक वृद्धि, औद्योगिकीकरण और निवेश के क्षेत्र में अग्रणी है। तुलनात्मक अध्ययन से ध्यान में आता है कि कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में गुजरात आगे है।

अध्ययन जनसंख्या से आरंभ करते हैं; गुजरात की जनसंख्या लगभग 7.3 से 7.5 करोड़ है, जो केरल की लगभग 3.5 करोड़ जनसंख्या से दोगुनी से अधिक है। सामान्यतः यह अपेक्षा की जाती है कि अधिक जनसंख्या वाले राज्य में संसाधनों पर दबाव अधिक होगा, बेरोजगारी और अपराध जैसी समस्याएँ अधिक होंगी, किंतु वास्तविकता इसके विपरीत दिखाई देती है। गुजरात, अपनी बड़ी जनसंख्या के बावजूद, रोजगार सृजन, औद्योगिक विस्तार और आर्थिक अवसरों के माध्यम से इन चुनौतियों को नियंत्रित करने में सफल रहा है। इसके विपरीत, केरल में कम जनसंख्या होने के बावजूद बेरोजगारी दर अधिक है।

यहां बेरोजगारी दर 2025-26 में लगभग 7-8 फीसद के आसपास है। इसके विपरीत, गुजरात में बेरोजगारी दर मात्र 2-3 प्रतिशत है, जोकि देश में सबसे कम में से एक है। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि केवल शिक्षा दर उच्च होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि आर्थिक संरचना और रोजगार सृजन की क्षमता अधिक महत्वपूर्ण है, जिसमें कि गुजरात आगे है। केरल की साक्षरता दर लगभग 96 फीसद है, जबकि गुजरात की 80-85 फीसद के बीच है, किन्तु इस उपलब्धि के बावजूद, यह प्रश्न महत्वपूर्ण है कि क्या शिक्षा की ये उपलब्धि आर्थिक अवसरों में परिवर्तित हो रही हैं? उच्च शिक्षित युवाओं में बेरोजगारी इस बात का संकेत देती है कि केरल की सामाजिक प्रगति आर्थिक संरचना से पूरी तरह जुड़ नहीं पाई है। इसके विपरीत, गुजरात ने शिक्षा में अपेक्षाकृत कम प्रदर्शन के बावजूद आर्थिक अवसरों का विस्तार कर संतुलन स्थापित किया है।

आर्थिक दृष्टि से गुजरात का प्रदर्शन अत्यंत प्रभावशाली रहा है। 2025-26 में गुजरात का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) लगभग 29-30 लाख करोड़ के आसपास पहुँच चुका है, जबकि केरल का जीएसडीपी लगभग 14-15 लाख करोड़ है। विदेशी निवेश (एफडीआई) के मामले में भी गुजरात लगातार शीर्ष राज्यों में बना हुआ है। 2025 तक यह राज्य अरबों डॉलर का निवेश आकर्षित कर चुका है। गुजरात की सबसे बड़ी ताकत उसका औद्योगिक आधार है। पेट्रोकेमिकल, फार्मा, ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल और बंदरगाह आधारित उद्योगों ने इसे भारत का औद्योगिक केंद्र बना दिया है। कहना होगा कि किसी भी राज्य में उसकी समग्र सफलता के लिए दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता और विकास के लिए औद्योगिक आधार अत्यंत महत्वपूर्ण है और इस क्षेत्र में गुजरात की बढ़त निर्णायक है।

प्रति व्यक्ति आय के स्तर पर दोनों राज्य लगभग समान दिखाई देते हैं, किंतु वृद्धि दर और औद्योगिक योगदान के मामले में गुजरात आगे है। गुजरात की अर्थव्यवस्था में उद्योगों का योगदान 50 फीसद से अधिक है, जबकि केरल में सेवा क्षेत्र प्रमुख है। यहां के लोग अधिकांश राज्य से बाहर जाकर धन अर्जित करते हैं, जबकि गुजराती अपने लिए तो धनार्जन करते ही हैं,वह दूसरों को भी बड़ी संख्या में रोजगार उपलब्ध कराते हैं। यही कारण है जो आज गुजरात भारत के कुल निर्यात का लगभग 25-27 प्रतिशत योगदान देता है। इस प्रकार, आर्थिक विस्तार और उत्पादन क्षमता के मामले में गुजरात स्पष्ट रूप से केरल से बहुत आगे है।

एक और महत्वपूर्ण पहलू अपराध दर है। केरल में प्रति लाख जनसंख्या पर अपराध दर अधिक दर्ज की गई है, जबकि गुजरात में यह अपेक्षाकृत कम है। गुजरात में अपेक्षाकृत कम अपराध दर आज यह दशार्ती है कि आर्थिक अवसर और रोजगार सामाजिक स्थिरता में योगदान देते हैं। वहीं, गुजरात ने सड़क, बिजली, बंदरगाह और औद्योगिक कॉरिडोर के विकास में उल्लेखनीय प्रगति की है। यह राज्य 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' में लगातार शीर्ष पर रहा है, जिससे निवेश आकर्षित हुआ है। केरल में स्वास्थ्य और शिक्षा का बुनियादी ढांचा मजबूत है, लेकिन भौतिक इंफ्रास्ट्रक्चर और औद्योगिक सुविधाओं में अपेक्षाकृत कमी है। इससे यह स्पष्ट होता है कि आर्थिक विकास के लिए भौतिक इंफ्रास्ट्रक्चर अत्यंत आवश्यक है, जिसमें गुजरात आगे है।

आज गुजरात में राजस्व अधिशेष और नियंत्रित ऋण स्तर देखने को मिलता है। इसके विपरीत, केरल उच्च राजस्व घाटे और बढ़ते ऋण से जूझ रहा है। विशेष रूप से यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि अधिक जनसंख्या और संसाधन दबाव के बावजूद गुजरात ने बेरोजगारी, अपराध और आर्थिक विकास जैसे क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन किया है। इसके बाद भी आश्चर्य होता है कि देश में लम्बे समय तक शासन में रही पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष गुजरात की सफलता को नकारता है, वहां के लोगों को अशिक्षित कहता है !निश्चित तौर पर यह कांग्रेस की छोटी सोच को दशार्ने वाला बयान है, जिसकी जितनी भी आलोचना होगी वह कम ही है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

शुरूआती कदमों से भविष्य के सपनों तक: हर बच्चे के लिए सीखने का नया स्वरूप

हर साल, जब स्कूलों के द्वार नए शैक्षणिक सत्र के लिए खुलते हैं, तो भारत सामूहिक संकल्प के सबसे गहन उदाहरणों में से एक का साक्षी बनता है। पहाड़ों और तटों से लेकर शहरों और दूरदराज के गांवों तक, लाखों बच्चे कभी-कभी अपने जीवन में आने वाली चुनौतियों के बावजूद, नए जोश, नई आकांक्षाओं और अपार संभावनाओं के साथ अपनी कक्षाओं में कदम रखते हैं। यह एक शांत लेकिन शक्तिशाली राष्ट्रीय क्षण है। इस वर्ष भी लगभग दो करोड़ बच्चों ने पहली कक्षा में प्रवेश लिया है, जो आशा और एक साझा राष्ट्रीय जिम्मेदारी दोनों को समेटे हुए है।

भारत का स्कूली ढांचा बेहद विशाल है। इसमें 14.7 लाख से अधिक स्कूल, लगभग 25 करोड़ नामांकित छात्र और एक करोड़ से ज्यादा शिक्षक शामिल हैं। ये संख्याएं केवल प्रशासनिक स्तर को मापने का जरिया भर नहीं हैं, बल्कि ये शिक्षा के माध्यम से हमारे देश के भविष्य को गढ़ने की एक मजबूत प्रतिबद्धता की घोषणा करती हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 ने रटने की आदत से आगे बढ़कर जिज्ञासा, समझ और समग्र विकास (होलिस्टिक डेवलपमेंट) को सीखने के केंद्र में रखा है। हर नया शैक्षणिक सत्र उस सपने को साकार करने की दिशा में एक सार्थक कदम है।

बालवाटिका लागू होने से अब छोटे बच्चों की शुरूआती पढ़ाई स्कूल व्यवस्था का हिस्सा बन गई है। इससे बच्चे पहली कक्षा में बेहतर तैयारी और मजबूत बुनियादी कौशल के साथ प्रवेश करते हैं। बच्चे का स्कूल में दाखिला उसके जीवनभर के सीखने और समाज से जुड़ने की शुरूआत होता है। इसलिए जरूरी है कि यह सफर खुशी, अच्छे माहौल और अपनापन महसूस कराने वाला हो।

सीखने का सफरः पहले कदम से आत्मविश्वास तक

स्कूल का पहला दिन खास होता है। इसमें थोड़ी झिझक होती है, तो नए शुरूआत की खुशी भी होती है। छोटे-छोटे बच्चे अपने बड़े-बड़े भाव लेकर स्कूल आते हैं और उनकी जिज्ञासु आंखें एक नई दुनिया देखती हैं। जब बच्चे खुद को सुरक्षित और महत्वपूर्ण महसूस करते हैं, तो वे खुलने लगते हैं। वे ज्यादा भाग लेते हैं, सवाल पूछते हैं और उनकी जिज्ञासा बढ़ती है। धीरे-धीरे उनका आत्मविश्वास भी मजबूत होता जाता है। शुरूआती साल खेल, खोज और नई चीजें सीखने पर आधारित होने चाहिए, यही जीवनभर की सीखने की यात्रा की शुरूआत है।

अच्छे रिश्ते बहुत मायने रखते हैं। एक समझदार और देखभाल करने वाला शिक्षक बच्चे की जिंदगी बदल सकता है। सहयोगी कक्षा माहौल बच्चे की चुप्पी को भागीदारी में और भागीदारी को आत्मविश्वास में बदल सकता है। जब बच्चा खुद को सच में समझा और सुना हुआ महसूस करता है, तो उसकी जिज्ञासा हिम्मत में बदल जाती है। और जब उसे अपनापन महसूस होता है, तो वह अपनी आवाज पहचानने लगता है।

इन प्रारंभिक वर्षों के केंद्र में बुनियादी साक्षरता और अंकगणित के प्रति एक मजबूत राष्ट्रीय प्रतिबद्धता निहित है। निपुण भारत मिशन के माध्यम से, भारत ने एक स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किया है: कक्षा 2 के अंत तक प्रत्येक बच्चा समझ के साथ पढ़ सके और बुनियादी अंकगणित कर सके। ध्यान उत्तरों को रटने से हटकर अवधारणाओं को समझने पर केंद्रित है। कक्षाओं को बच्चों को केवल उत्तर दोहराने के बजाय प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करना चाहिए। यह दृष्टिकोण अकादमिक शिक्षा से परे है। कला, खेल और मूल्य सीखने की प्रक्रिया के अनिवार्य अंग हैं। शिक्षा को 'संपूर्ण बच्चे' का निर्माण करना

श्री धर्मेंद्र प्रधान

चाहिए- न केवल मन का, बल्कि शरीर और हृदय का भी। शारीरिक गतिविधि और पोषण दैनिक स्कूली जीवन का अभिन्न अंग हैं। एक स्वस्थ बच्चा बेहतर सीखता है, अधिक भाग लेता है और आत्म-सम्मान की स्वस्थ भावना के साथ विकसित होता है।

उभरती चुनौतियों का सामना

वैश्विक स्तर पर, बच्चों की जीवनशैली में महत्वपूर्ण बदलाव आया है। खान-पान की आदतों में बदलाव और शारीरिक गतिविधि में कमी कई देशों के लिए चिंता का विषय बन गई है। भारत इस चुनौती का सक्रिय रूप से सामना कर रहा है। अनिवार्य शारीरिक शिक्षा, स्कूलों में मोटापे से निपटने के लिए 'ऑयल बोर्ड' और 'शुगर बोर्ड' जैसे उपाय और पोषण गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने वाली मजबूत पीएम-पोषण योजना स्कूलों को स्वास्थ्य और सक्रिय जीवनशैली की ओर उन्मुख कर रही है। इन प्रयासों का उद्देश्य एक ऐसी पीढ़ी का निर्माण करना है जो स्वास्थ्य को समग्र विकास का केंद्र मानती हो।

हालांकि प्रौद्योगिकी शिक्षा और पहुंच के लिए एक शक्तिशाली माध्यम है, सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग से स्क्रीन टाइम, ध्यान और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। यह एक वैश्विक चिंता है, न कि केवल भारत तक सीमित। स्कूलों और परिवारों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इसका उपयोग सीखने के साधन के रूप में किया जाए, न कि ध्यान भटकाने के साधन के रूप में।

इस दृष्टिकोण में बच्चों का मानसिक और भावनात्मक कल्याण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। स्कूली पाठ्यक्रम और शिक्षण विधियों में सामाजिक-भावनात्मक शिक्षा को शामिल किया गया है ताकि बच्चों के विकास में सहयोग मिल सके, ऐसे समय में जब बच्चे पिछली किसी भी पीढ़ी की तुलना में अधिक जटिल और चुनौतीपूर्ण दुनिया का सामना कर रहे हैं। सुरक्षित और तनावमुक्त वातावरण बनाने के लिए स्कूलों, अभिभावकों, शिक्षकों और समुदायों के संयुक्त प्रयास आवश्यक हैं।

शिक्षकों की भूमिका

सुधार केवल नीतिगत दस्तावेजों के माध्यम से बच्चों तक नहीं पहुंचता, यह शिक्षकों के माध्यम से ही लागू होता है। वे ही शिक्षा के परिवर्तन के सच्चे सूत्रधार हैं, जो दूरदृष्टि और कक्षा की वास्तविकता के बीच की खाई को पाटते हैं। शिक्षकों को बहुभाषी वातावरण में पढ़ाना चाहिए और यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि बच्चे की मातृभाषा का सम्मान किया जाए और उसे सीखने के एक सशक्त साधन के रूप में उपयोग किया जाए। इसे महत्व देकर, हम यह सुनिश्चित करते हैं कि औपचारिक शिक्षा में उनका संक्रमण सहज, आत्मविश्वासपूर्ण और उनकी अपनी पहचान से जुड़ा हो। मैं अपने शिक्षकों से आह्वान करता हूं कि वे प्रत्येक बच्चे की गति, व्यक्तित्व का सम्मान करते हुए और अपनी देखरेख में प्रत्येक छात्र के भावनात्मक और मानसिक कल्याण के प्रति सचेत रहते हुए योग्यता-आधारित शिक्षा को प्राथमिकता दें।

माता-पिता की भूमिका

शिक्षा विद्यालय के द्वार पर शुरू या समाप्त नहीं होती। घर ही पहला कक्षास्थल है और माता-पिता ही पहले शिक्षक। घर पर बच्चे जो अनुभव प्राप्त करते हैं, वही उनके विद्यालय में सीखने के तरीके को आकार देता है। पढ़ने की आदत को बढ़ावा देना और बच्चे के प्रश्नों का धैर्यपूर्वक उत्तर देना, ज्ञान की जिज्ञासा को पोषित करने के सूक्ष्म कार्य हैं। मैं माता-पिता से आग्रह करता हूं कि वे सुनिश्चित करें कि बच्चों को संतुलित पोषण और पर्याप्त नींद मिले, उन्हें प्रतिदिन पर्याप्त शारीरिक गतिविधि और बाहरी वातावरण का अनुभव मिले। माता-पिता को विद्यालय के साथ सक्रिय रूप से जुड़ना चाहिए और बच्चे की सफलता को केवल अंकों के आधार पर ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, दयालुता और सीखने में निरंतर रुचि के आधार पर भी मापना चाहिए। माता-पिता अपने बच्चे को जो सबसे बड़ा उपहार दे सकते हैं, वह है यह विश्वास दिलाना कि सीखना वास्तव में आनंददायक है।

एक साझा राष्ट्रीय प्रतिबद्धता

शिक्षा एक साझा जिम्मेदारी है। यह सरकारों, स्कूलों, शिक्षकों, अभिभावकों और समुदायों की जिम्मेदारी है। हर हितधारक की इसमें भूमिका है। हर बच्चे को सीखने की यात्रा में देखा, सुना और मार्गदर्शन किया जाना चाहिए। हमारी शिक्षा प्रणाली की सच्ची पहचान कुछ चुनिंदा उच्च उपलब्धि हासिल करने वालों से नहीं, बल्कि इस बात से होती है कि पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना हर बच्चा आत्मविश्वास और आनंद के साथ सीखता है या नहीं। आइए, समावेशी, नवोन्मेषी और भविष्य के लिए तैयार शिक्षा प्रणाली के निर्माण के प्रति अपनी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता को दोहराएं। साथ मिलकर, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि हर कक्षा सपनों को साकार करने का स्थान बने और आने वाले कल के नेताओं का निर्माण हो। 2047 तक विकसित भारत के अग्रदूत आज हमारी कक्षाओं में मौजूद हैं। आइए, उन्हें उड़ान भरने के लिए सुनहरे पंख दें।

(लेखक केंद्रीय शिक्षा मंत्री हैं)

आज का राशिफल

मेषः आज करियर से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण और साहसिक फैसले लेने पड़ सकते हैं। जीवनसाथी के साथ सुखद समय बिताने का अवसर मिलेगा। माता-पिता का स्नेह और आशीर्वाद आपको प्रेरित करेगा। दिनभर में मिश्रित अनुभव रहेंगे–कुछ पल खुशियों से भरे तो कुछ चुनौतीपूर्ण। **(सिटी दर्पण)**

वृषभः आज का दिन आनंद और उत्सव से भरा रहेगा। जीवनसाथी के साथ खास पल बिताने का मौका मिलेगा। कार्यक्षेत्र में काम का दबाव अपेक्षाकृत कम रहेगा और आपकी काबिलियत से कई उलझे कार्य सुलझ जाएंगे। हालांकि अपनी सीमाओं का ध्यान रखें। **(सिटी दर्पण)**

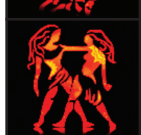

मिथुनः आप आज अपने कार्यों पर पूरी तरह केंद्रित रहेंगे। पूर्व में की गई मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी। नया काम शुरू करने के लिए समय अनुकूल है। आपकी लगन और कौशल की सराहना हो सकती है। **(सिटी दर्पण)**

कर्कः आज दूसरों से अधिक उम्मीदें रखना आपको निराश कर सकता है। व्यवसाय में नई साझेदारी से फिलहाल बचना बेहतर रहेगा। अपनी योजनाओं को गोपनीय रखें। युवा वर्ग प्रेम संबंधों को लेकर थोड़ा असमंजस महसूस कर सकता है। मन को स्थिर रखने का प्रयास करें। **(सिटी दर्पण)**

सिंहः करियर से जुड़े अच्छे समाचार मिल सकते हैं। जो लोग घर से दूर काम कर रहे हैं, वे छुट्टी लेने की सोच सकते हैं। लंबे समय से अटके काम पूरे होने से मानसिक शांति मिलेगी। आपकी बातों को लोग गंभीरता से सुनेंगे। मित्रों के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। **(सिटी दर्पण)**

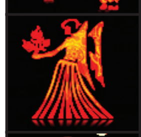

कन्याः आज आप ऊर्जा और ताजगी से भरपूर महसूस करेंगे। किसी वरिष्ठ अधिकारी के सहयोग से कार्य पूरे होंगे। महिलाएं घर पर सुकून भरा समय बिताएंगी। आर्थिक मामलों में समझदारी से निर्णय लेंगे। सोशल मीडिया के जरिए सामाजिक गतिविधियों से जुड़ सकते हैं। **(सिटी दर्पण)**

तुलाः घर में धार्मिक या आध्यात्मिक माहौल बना रहेगा। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा। विवादों से दूरी बनाकर रखें। विद्यार्थी अपने भविष्य की योजनाओं पर ध्यान देंगे। प्रेम संबंधों में पुराने अनुभवों को साझा करने का मौका मिलेगा। **(सिटी दर्पण)**

वृश्चिकः कार्यस्थल पर आपकी भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। आय के नए अवसर मिल सकते हैं। आप किसी नई विद्या या विषय को सीखने की ओर आकर्षित हो सकते हैं। दिनभर व्यस्तता बनी रहेगी, लेकिन व्यापार में अच्छे परिणाम मिलेंगे। **(सिटी दर्पण)**

धनुः आज का दिन थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है। जीवनसाथी के साथ मतभेद की स्थिति बन सकती है। करीबी लोगों की आलोचना से मन आहत हो सकता है। स्वास्थ्य को लेकर सावधानी रखें। हालांकि दिन के अंत में उत्साह और सकारात्मकता फिर से लौट सकती है। **(सिटी दर्पण)**

मकरः व्यापार में बड़ी उपलब्धि मिलने के योग हैं। पढ़ाई या शिक्षा से जुड़े लोगों को अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा। परिवार के साथ स्वादिष्ट भोजन और अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा। आपके कार्यों की सराहना होगी। **(सिटी दर्पण)**

कुंभः आज कार्यक्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी। किसी मांगलिक कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। संतान की प्रगति से गर्व महसूस होगा। मन में शांति और संतोष रहेगा। अविवाहित लोगों के लिए रिश्ते की बात आगे बढ़ सकती है। प्रेम प्रस्ताव देने के लिए दिन अनुकूल है। **(सिटी दर्पण)**

मीनः व्यापार में मनचाहे परिणाम मिलने से संतुष्टि मिलेगी। सरकारी कार्यों में थोड़ी बाधाएं आ सकती हैं। कल्पनाशीलता आज अधिक प्रभावी रहेगी। नकारात्मक सोच वाले लोगों से दूरी बनाए रखें। भावनात्मक रूप से खुद को मजबूत बनाए रखें। **(सिटी दर्पण)**

वैश्विक स्वास्थ्य मॉडल को सशक्त बना रहा है 'आयुर्वेद'

'स्वस्थस्य स्वास्थ्य रक्षणम्, आतुरस्य विकार प्रशमनम्' अर्थात स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा और रोगी के रोगों का निवारण। आयुर्वेद में स्वस्थ्य जीवन का मंत्र निहित है। भागदौड़ भरी जिंदगी में व्यक्ति तनाव, उच्च रक्तचाप (बीपी) और शुगर जैसी बीमारियों से जूझ रहा है। ऐसे में पूरी दुनिया आयुर्वेद के रोग नियंत्रक मंत्र की ओर बढ़ रही है।

आज आयुर्वेद केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के महत्व को स्वीकारा है। दुनिया के कई देशों में आयुर्वेदिक उपचार और वेलनेस केंद्र तेजी से बढ़ रहे हैं। लोग अब प्राकृतिक और समग्र स्वास्थ्य की ओर लौट रहे हैं। इसी कड़ी में आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वाधान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, पंचकूला कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) संजीव शर्मा और डीन प्रोफेसर गुलाब चंद पमनानी के मार्गदर्शन में व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा और रोगी के रोगों का निवारण महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

21वीं सदी में विज्ञान और तकनीक ने स्वास्थ्य सेवाओं को शिखर तक पहुंचाया है, लेकिन नई चुनौतियां भी खड़ी की हैं, जोकि मानव जीवन को प्रभावित कर रही हैं। यूं भी कह सकते हैं, जिस तेजी से इलाज के साधन बढ़ रहे हैं, उतनी ही गति से बीमारियों की जकड़न मजबूत हो रही है। बिगड़ती जीवन शैली के चलते मानसिक तनाव, शुगर और बीपी की समस्या आम हो गई है। ऐसे में आयुर्वेद परंपरा एक सशक्त समाधान बनकर उभर रही है। यह ऐसा समाधान है जो हजारों वर्षों के अनुभव, प्रकृति ज्ञान और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का अनूठा संगम है, जोकि बीमारियों का समाधान देने के साथ यह भी चेतावनी दे रहा है कि स्वास्थ्य केवल दवाइयों से नहीं, बल्कि जीवन के संतुलन से बनता है, क्योंकि आयुर्वेद में हर व्यक्ति को अलग माना जाता है। उसकी प्रकृति, खान-पान, दिनचर्या और मानसिक स्थिति के आधार पर उपचार निर्धारित किया जाता है। आधुनिकता के दौर में इसे 'पर्सनलाइज्ड मेडिसिन' नाम दिया गया है।

डॉ. गौरव गर्ग

हर वर्ष 7 अप्रैल को मनाए जाने वाले विश्व स्वास्थ्य दिवस पूरी दुनिया को स्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदारी निभाने के लिए सचेत करता है। इस बार विश्व स्वास्थ्य दिवस-2026 का थीम 'स्वास्थ्य के लिए एकजुटता-विज्ञान पर भरोसा' (स्वास्थ्य के लिए साथझविज्ञान के साथ खड़े हों) इस दिशा में आयुर्वेद सबसे विश्वनीय है, क्योंकि स्वास्थ्य के लिए एकजुट होना और विज्ञान के साथ खड़ा होना अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है, इस सार्थकता को पूरा करने में आयुर्वेद सशक्त आधार बन रहा है। यह एक ऐसा आधार है जो न केवल रोगों का उपचार करता है, बल्कि जीवन जीने का सही रास्ता भी प्रशस्त कर रहा है।

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान रोगों के लक्षणों को नियंत्रित करने पर केंद्रित है, वहीं आयुर्वेद शरीर में बीमारियों के मूल कारणों को समझकर रोगी के रोगों का निवारण को प्राथमिकता देता है। आयुर्वेद में त्रिदोष सिद्धांत वात, पित्त और कफ के आधार पर व्यक्ति के प्रकृति का विश्लेषण उपचार किया जाता है। लिहाजा, आधुनिक चिकित्सा और आयुर्वेद के बीच संतुलन स्थापित करने के साथ सस्ती और सुलभ प्रभावी पद्धतियों के साथ यदि मानवता को स्वस्थ, संतुलित और सुरक्षित भविष्य चाहिए तो उसे आयुर्वेद के ज्ञान और विज्ञान की शक्ति को अपनाना होगा।

आयुर्वेद में दिनचर्या और ऋतुचर्या का विशेष महत्व है, जिसमें सुबह जल्दी उठना, समय पर भोजन करना, मौसमी और संतुलित आहार लेना तथा नियमित योग और ध्यान करने पर जोर दिया गया है। इन प्राकृतिक उपायों से न केवल शरीर को स्वस्थ रखा जा सकता है, बल्कि मन और इंद्रियां भी स्थिर और सकारात्मक बनती हैं। ये उपाय शरीर को स्वस्थ और तंदुरुस्त रखने के साथ रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाते हैं। आयुर्वेद का मूल मंत्र है, बीमारी को आने ही न देना।

आयुर्वेद का सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांत है-प्रकृति के साथ सामंजस्य। आज जब प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और रासायनिक जीवनशैली स्वास्थ्य पर असर डाल रही हैं। मसलन, शारीरिक स्वास्थ्य के लिए लोग आयुर्वेद उपचार की ओर कदम बढ़ रहे हैं। शुद्ध भोजन, स्वच्छ जल, ताजी हवा और प्राकृतिक जीवनशैली, ये सभी अच्छे स्वास्थ्य के आधार माने गए हैं, जिनको आयुर्वेद में प्राथमिकता दी गई है। इससे स्पष्ट है कि वैश्विक स्तर पर आयुर्वेद की स्वीकार्यता बढ़ रही है, जोकि भारत के लिए गर्व की बात है कि उसका प्राचीन ज्ञान आज वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली को दिशा दे रहा है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस 2026 थीम 'विज्ञान के साथ खड़े हों' आयुर्वेद की प्रांसगिकता को मजूबत करता है, क्योंकि आज अश्वगंधा, तुलसी, हल्दी, गिलोय जैसी औषधियों पर वैज्ञानिक शोध हो रहे हैं, जो इनके प्रभाव को प्रमाणित कर रहे हैं। इम्युनिटी बढ़ाने, सूजन कम करने, मानसिक तनाव घटाने और शरीर को संतुलित रखने में इनकी भूमिका अब वैश्विक स्तर पर स्वीकार की जा रही है। आयुर्वेद केवल परंपरा नहीं, बल्कि एक प्रमाणित और वैज्ञानिक चिकित्सा प्रणाली है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पी.आर.टी.सी. फ्लीट में 250 नई बसों को दिखाई हरी झंडी

बस फ्लीट के विस्तार से शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के लोग सुरक्षित और आरामदायक यात्रा का लाभ उठा सकेंगे: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान

सिटी दर्पण संवाददाता

पटियाला

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज पटियाला में 250 नई पी.आर.टी.सी. बसों को हरी झंडी दिखाकर इसे सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने, रोजगार सृजन और पूरे पंजाब में विकास की गति तेज करने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने बुनियादी ढांचे के विस्तार और लोक-केंद्रित शासन की अपनी सरकार की दोहरी पहुंच को उजागर किया।

बस फ्लीट में वृद्धि के विवरण साझा करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि आज पटियाला में 250 नई बसों को हरी झंडी दिखाकर पी.आर.टी.सी. फ्लीट में शामिल किया गया। यह सिर्फ परिवहन सुविधाओं में सुधार नहीं, बल्कि लोगों को बेहतर, सुरक्षित और अधिक आरामदायक यात्रा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे सार्वजनिक परिवहन मजबूत होगा और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। आने वाले दिनों में 300 से अधिक अन्य बसें पी.आर.टी.सी. फ्लीट में शामिल की जाएंगी। सरकार सार्वजनिक सुविधा के विस्तार और पंजाब को तरक्की के रास्ते पर आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत है।

विस्तार के पैमाने की बात करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह बहुत गर्व और संतुष्टि की बात है कि मई 2026 के अंत तक पी.आर.टी.सी. के बेड़े में 254 साधारण और 100 मिनी बसें शामिल की जाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि 309 अन्य बसों के लिए टेंडर पहले ही जारी किए जा चुके हैं, जिससे राज्य के परिवहन नेटवर्क को बड़ी मजबूती मिलेगी।

रोजगार की संभावनाओं के बारे में बोलते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, इससे 681 व्यक्तियों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने का रास्ता भी प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा, 2024 के दौरान पी.आर.टी.सी. के बेड़े में लगभग 110 बसें शामिल की गईं, जिससे 165 व्यक्तियों को रोजगार मिला था। उन्होंने आगे कहा, 309 अन्य बसों को शामिल करने के लिए भी टेंडर जारी कर दिया गया है, जिससे 928 व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। निगम की सुधरी वित्तीय स्थिति का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पी.आर.टी.सी. ने कुल राजस्व में 53 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है, जो वित्तीय वर्ष 2021-22 में 607.09 करोड़ रुपये के मुकाबले 2024-25 में बढ़कर 927.83 करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने आगे कहा, चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में, पी.आर.टी.सी. के कुल राजस्व के 950 करोड़ रुपये पार करने की उम्मीद है, जो लगभग 57 प्रतिशत की वृद्धि को दशार्ता है। आप सरकार की कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता दोहराते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 2022 से, पी.आर.टी.सी. ने 1574 करोड़ रुपये की लागत से पंजाब की 34.63 करोड़ महिला यात्रियों को मुफ्त यात्रा की सुविधा प्रदान की है। उन्होंने आगे कहा, मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत, पी.आर.टी.सी. ने 2.21 करोड़ की मुफ्त एच.वी.ए.सी. बस यात्रा की सुविधा प्रदान की, जिससे 9,529 यात्रियों को पंजाब के भीतर और बाहर धार्मिक स्थानों के दर्शन करने का सौभाग्य मिला। परिवहन के विस्तार को व्यापक विकास से जोड़ते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा,

बस बेड़े के विस्तार से, शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के लोग सुरक्षित और आरामदायक यात्रा कर सकेंगे। उन्होंने आगे कहा कि पंजाब तेजी से विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है और सरकार दशकों के अंतराल को पूरा करने के प्रयासों में और तेजी ला रही है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, हमारी सरकार पंजाब को रंगला पंजाब बनाकर इसकी पुरानी शान बहाल करने के लिए बहुआयामी विकास कर रही है।

क्षेत्र में विकास कार्यों का विवरण देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब की कमान संभालने के बाद हमारी सरकार ने पटियाला ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न विभागों के विकास कार्यों पर लगभग 400 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, जिससे इसकी समग्र सूरत ही बदल गई है। उन्होंने आगे कहा कि वर्ष 2022 से बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक सेवाओं को मजबूत करने के लिए करोड़ों रुपये का निवेश निरंतर किया गया है। कृषि के बारे में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, कृषि क्षेत्र को फिर से लाभदायक बनाने के लिए हमारी सरकार ने कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के माध्यम से विभिन्न पहलों पर 60 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। स्वास्थ्य सेवा में सुधारों को उजागर करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पिछले चार वर्षों में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के माध्यम से तीन परियोजनाओं पर 7.91 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं, जबकि इस समय स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार पर अतिरिक्त 14.54 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। शिक्षा के बारे में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब के बच्चों को विश्व स्तरीय स्कूली शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से, सरकार ने वर्ष 2022 और वर्ष 2026 के बीच स्कूल शिक्षा विभाग के माध्यम से आठ परियोजनाओं पर 825.22 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। इसके अलावा इस समय 80.92 करोड़ रुपये की कई अन्य परियोजनाएँ चल रही हैं। बुनियादी ढांचे पर ध्यान केंद्रित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, लोक निर्माण विभाग के माध्यम से 17 कार्यों पर 6.71 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं, जबकि 21.02 करोड़ रुपये की लागत से 11 अन्य कार्य चल रहे हैं। इसके अलावा 21 अन्य परियोजनाओं पर 23.03 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। ग्रामीण बुनियादी ढांचे के बारे में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने जोर देकर कहा, पंजाब मंडी बोर्ड के माध्यम से आठ कार्यों पर 12.98 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं, जिनमें मरम्मत, नया निर्माण और मंडी बुनियादी ढांचे का विस्तार शामिल है। इसके अतिरिक्त कार्य प्रगति पर हैं। बाढ़ रोकथाम के उपायों पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, वर्ष 2022 से नदियों की सफाई और बाढ़ नियंत्रण कार्यों पर 1.27 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं और कई अन्य परियोजनाएँ चल रही हैं। शहरी और सीवरेज बुनियादी ढांचे के बारे में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, सीवरेज बोर्ड के माध्यम से दो कार्यों पर 1.34 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं, जबकि बुनियादी ढांचे को और मजबूत करने के लिए 366 करोड़ रुपये की दो बड़ी परियोजनाएँ प्रगति पर हैं। शहरी विकास के बारे में विस्तार से बताते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आगे कहा, पिछले चार वर्षों में नगर निगम के माध्यम से वार्डों में 114 कार्यों पर 42.16 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। इसके अलावा कई परियोजनाएँ चल रही हैं और कई प्रगति पर हैं। जल संरक्षण के बारे में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, भूमि संरक्षण विभाग के माध्यम से भूमिगत पाइपलाइनों और जल संरक्षण कार्यों पर 1.24 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। इसके साथ ही चल रही और नई परियोजनाओं से इसे और मजबूती मिलेगी। उन्होंने ग्रामीण विकास, पटियाला विकास प्राधिकरण, पंजाब राज्य बिजली निगम लिमिटेड, पंचायती राज, और जल आपूर्ति एवं स्वच्छता सहित विभागों में निवेश को उजागर किया। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए व्यापक स्तर पर काम चल रहे हैं। लोगों से समर्थन की मांग करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने जोर देकर कहा, इन विकास कार्यों को उसी गति से जारी रखने के लिए हमें आप सभी के समर्थन और सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा, मुझे विश्वास है कि जिस प्रकार आपने पिछले चुनावों में हमारी पार्टी को दिल से समर्थन दिया था, उसी प्रकार 2027 के चुनावों में भी देंगे।

1388 करोड़ रुपये के वार्षिक एक्शन प्लान के साथ पंजाब के कृषि क्षेत्र को दी जाएगी टिकाऊ और गतिशील दिशा: गुरमीत खुड्डियां

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

राज्य के कृषि क्षेत्र की स्थिति को बदलने के लिए एक बड़ा कदम उठाते हुए, मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए कृषि विभाग के विभिन्न प्रोजेक्टों को लागू करने हेतु 1,388 करोड़ रुपये के वार्षिक एक्शन प्लान (कार्य योजना) को अंतिम रूप दे दिया है। यह जानकारी कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री स. गुरमीत सिंह खुड्डियां ने दी।

सोमवार को यहां अपने कार्यालय में परियोजनाओं की समीक्षा के लिए आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए स. खुड्डियां ने कहा कि यह एक्शन प्लान, जिसे पहले ही मंजूरी के लिए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय को भेजा जा चुका है, में

फसल अवशेषों के प्रभावी प्रबंधन, जल संरक्षण, फसल विविधीकरण और प्राकृतिक खेती पर विशेष ध्यान दिया गया है। कृषि मंत्री ने बताया कि खेतों में पराली जलाने की समस्या से निपटने के लिए फसल अवशेष प्रबंधन (सीआरएम) योजना के तहत 600 करोड़ रुपये का सबसे बड़ा बजट रखा गया है। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य किसानों को सब्सिडी पर इन-सीटू (खेत के भीतर) और एक्स-सीटू (खेत के बाहर) मशीनरी उपलब्ध करवाना है, ताकि पराली जलाने का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

भूमिगत जल के गिरते स्तर को रोकने के लिए प्रति बूंद अधिक फसल घटक के तहत 33.33 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं, जिससे ड्रिप, स्प्रिंकलर और रेन गन जैसे जल बचत उपकरणों को बढ़ावा मिलेगा। इस दौरान बीज सुधार और कपास प्रदर्शन परियोजनाओं पर 51.85 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे, जबकि कृषि मशीनीकरण उप-मिशन के तहत कृषि की दक्षता बढ़ाने के लिए 95 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं।

कृषि मंत्री ने बताया कि किसानों को अधिक पानी की खपत वाली धान फसल की बजाय मक्का, दलहन और तिलहन की ओर प्रोत्साहित करने के लिए फसल विविधीकरण हेतु 50.30 करोड़ रुपये रखे गए हैं। रसायन मुक्त खेती के लिए राष्ट्रीय अभियान के तहत प्राकृतिक खेती हेतु 8.25 करोड़ रुपये प्रस्तावित किए गए हैं। इसके अलावा दलहन में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए 4.17 करोड़ रुपये की सहायता दी जाएगी।

अन्य प्रमुख आवंटनों में मृदा स्वास्थ्य और उर्वरता प्रबंधन के लिए 20 करोड़ रुपये तथा कृषि विस्तार (एक्सटेक्शन) गतिविधियों के लिए 60.59 करोड़ रुपये शामिल हैं।

मजबूत बूथ ही भाजपा की असली ताकत: संजय टंडन

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

: भारतीय जनता पार्टी के सह प्रभारी संजय टंडन ने पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर नाचन विधानसभा क्षेत्र के चंबी में बूथ नंबर 48 पर आयोजित बूथ बैठक में भाग लिया तथा विधिवत ध्वज आरोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा का आधार ही उसका मजबूत बूथ संगठन है और बूथ सशक्तिकरण ही चुनावी विजय की कुंजी है। संजय टंडन ने कहा कि भाजपा ही एकमात्र ऐसा राजनीतिक दल है जो बूथ स्तर तक संगठित ढांचे के साथ कार्य करता है। उन्होंने कार्यकताओं का आह्वान किया कि प्रत्येक बूथ को इतना सशक्त बनाया जाए कि आगामी चुनावों में कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़े। जब बूथ मजबूत होगा, तभी संगठन मजबूत होगा और जब संगठन मजबूत होगा, तभी प्रदेश और देश में भाजपा की सरकार और अधिक सशक्त होगी। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार जनविरोधी नीतियों के कारण जनता का विश्वास पूरी तरह खो चुकी है।

गैंगस्टरों ते वार का 76वां दिन: पंजाब पुलिस द्वारा 322 स्थानों पर छापेमारी; 133 गिरफ्तार

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निदेशों पर शुरू की गई निर्णायक गैंगस्टरों ते वार मुहिम के 76वें दिन पंजाब पुलिस ने आज पूरे राज्य में गैंगस्टरों के सहयोगियों के चिन्हित और मैप किए गए 322 ठिकानों पर छापेमारी की। उल्लेखनीय है कि गैंगस्टरों ते वार पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने की एक निर्णायक मुहिम है, जिसकी शुरूआत 20 जनवरी 2026 को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव द्वारा की गई थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें पूरे राज्य में विशेष अभियान चला रही हैं। 76वें दिन पुलिस टीमों ने 133 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिससे इस मुहिम की शुरूआत से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या 19,248 हो गई है। इसके अलावा 43 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियाती कार्रवाई की गई, जबकि 46 व्यक्तियों को जांच और पूछताछ के बाद रिहा कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस टीमों ने 2 भगोड़े अपराधियों को भी गिरफ्तार किया। लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन 93946-93946 के माध्यम से गोपनीय रूप से वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों के बारे में जानकारी दे सकते हैं तथा अपराध और आपराधिक गतिविधियों से संबंधित सूचनाएं भी साझा कर सकते हैं। इस दौरान पुलिस टीमों ने नशों के खिलाफ अपनी मुहिम युद्ध नशों विरुद्ध को 401वें दिन भी जारी रखते हुए आज 101 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 265 ग्राम हेरोइन, 2 किलोग्राम अफीम, 581 नशीली गोलियां/कैप्सूल और 10.54 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई। इसके साथ ही मात्र 401 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 57,321 हो गई है। नशा मुक्ति अभियान के तहत पंजाब पुलिस ने आज 17 व्यक्तियों को नशा छुड़ाने और पुनर्वास उपचार के लिए प्रेरित किया।

> **पुलिस टीमों ने 43 व्यक्तियों के खिलाफ की एहतियाती कार्रवाई, 46 को पूछताछ के बाद किया रिहा**

पाकिस्तान इंटेलिजेंस ऑपरेटिव्ज द्वारा चलाए जा रहे आईएसआई समर्थित आतंकवादी मॉड्यूल का पदार्फाश, दो हैंड ग्रेनेड, एक ग्लॉक पिस्तौल सहित तीन गिरफ्तार

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़/अमृतसर

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशानुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चलाई जा रही मुहिम के दौरान बड़ी सफलता हासिल करते हुए पंजाब पुलिस के काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) विंग ने तीन मुलजिमों को दो आर्गस हैंड ग्रेनेडों और एक विदेशी ग्लॉक पिस्तौल सहित गिरफ्तार करके पाकिस्तान इंटेलिजेंस ऑपरेटिव्ज (पीआईओज) द्वारा चलाए जा रहे आईएसआई समर्थित आतंकवादी मॉड्यूल का पदार्फाश किया है। यह जानकारी आज यहां डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान तरन तारन के गांव अम्मीशाह के निवासी सरबजीत सिंह, अमृतसर के गांव नंगल पन्नूआं के निवासी बिक्रमजीत सिंह और अमृतसर की इंद्रा

कॉलोनी के निवासी अमनदीप सिंह के रूप में हुई है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि बरामद किए गए ग्रेनेडों पर पाकिस्तान ऑर्डनेंस फैक्ट्री (पीओएफ) की मार्किंग है, जो सीमा पार के संबंधों को दशार्ती है। डीजीपी ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि यह मॉड्यूल कई राज्यों में योजनाबद्ध तरीके से पुलिस संस्थानों को निशाना बनाने की कार्रवाई में शामिल रहा है और मुलजिमों की गिरफ्तारी के साथ पुलिस ने उनके मंसूबों को पूरी तरह नाकाम कर दिया है। उन्होंने कहा कि इस मॉड्यूल के अन्य सदस्यों की पहचान, ट्रैकिंग और उन्हें पकड़ने के प्रयास जारी हैं। एआईजी स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) अमृतसर सुखमिंदर सिंह मान ने ऑपरेशन के विवरण साझा करते हुए कहा कि गुप्त सूचना पर आधारित कार्रवाई में एसएसओसी की पुलिस टीमों ने सरबजीत सिंह और अमनदीप सिंह को गिरफ्तार करके उनके कब्जे से हैंड ग्रेनेड और पिस्तौल बरामद कर ली। एआईजी ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला कि इस समूह का मुख्य गुर्गा और पीआईओ का प्राइमरी कॉन्टैक्ट बिक्रमजीत सिंह गुजरात के डीसा से काम कर रहा था। उन्होंने कहा कि यह जानकारी तुरंत एटीएस गुजरात के साथ साझा की गई थी और उनके सक्रिय सहयोग से मुलजिम बिक्रमजीत सिंह को एसएसओसी अमृतसर की टीम ने गिरफ्तार कर लिया। एआईजी सुखमिंदर मान ने बताया कि जांच के दौरान यह खुलासा हुआ है कि सभी मुलजिम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के माध्यम से पीआईओज के संपर्क में थे। जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि आईएसआई हैंडलरों के निर्देश पर काम करते हुए यह समूह पंजाब और अन्य राज्यों में विभिन्न पुलिस संस्थानों पर ग्रेनेड हमले करने की योजना भी बना रहा था। इस संबंध में पुलिस थाना एसएसओसी अमृतसर में विस्फोटक पदार्थ (संशोधन) अधिनियम की धारा 4, शस्त्र अधिनियम की धारा 25 और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 61(2) के तहत एफआईआर नंबर 21 दिनांक 03-04-2026 दर्ज की गई है।

संक्षिप्त-समाचार

केरौके संगीत से ग्लो बल आर्ट क्रिएशनज ने साहिर लुधियानवी को किया याद

मोहाली। हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में साहिर लुधियानवी का नाम किसी परिचय का मोहताज नहीं है। इस महान लेखक और विचारक को अपने चाहने वालों की भी कोई कमी नहीं है, उनके लिखे फिल्मी गीतों को गाकर उनके प्रति एक संगीतमय श्रद्धांजलि ग्लो बल आर्ट क्रिएशन द्वारा अर्पित की गयी। ग्लो बल क्रिएशन आर्ट के संस्थापक डॉ. मनजीत सिंह बल एक बेहतरीन कलाकार है जो अलग-अलग समय पर इस तरह के संगीतमय कार्यक्रम आयोजित करते रहते हैं। इस बार उन्होंने अपने कार्यक्रम को साहिर लुधियानवी के प्रति समर्पित किया। उनका मानना है कि साहिर के गीत न केवल समाज के प्रति समर्पित हैं बल्कि समाज की और इंसान की कुरीतियों का एक जीवंत आईना है। इस कार्यक्रम में लोगों ने अपने सुरीले अंदाज में साहिर के गीतों को गाया । मंच का संचालन मृदभाषी और शालीन गुलशन सोनी ने किया। खून अपना हो या पराया हो, नस्ले आदम का खून है आखिर इन पंक्तियों से डॉक्टर बल ने संगीत के कार्यक्रम की शुरूआत की। एक के बाद एक गायक अपनी-अपनी गायकी से रंग बिखेरते रहे और कार्यक्रम को जीवंत बना दिया। डॉ मंजीत बल ने लोगों का सहयोग मांगते हुए गाया तुम अगर साथ देने का वादा करो मैं यूँही मस्त नगमे लुटाता रहूँ. बहुत शानदार इस समारोह की हिस्सा लेने वाले सभी लोगों ने मुक्त कंठ से डॉ बल प्रशंसा की। कार्यक्रम में पहले दूसरे तीसरे स्थान के लिए हिडन कम्पटीशन भी था, जजों के जजमेंट के मुताबिक, दो पहले इनाम विक्की संधू और अशोक कुमार को; दो सेकेंड प्राइज जय दीप सिंह और स्वामी भगवान; दो थर्ड प्राइज राम आनन्द और रमेश अनेजा जी को जबकि दो कंसोलशन प्राइज महिंदर पाल सिंह और डी पी शर्मा जी को दिए गए। ब्रिगेडियर पूरी और कर्नल चीमा ने प्राइज वितरण किए। कार्यक्रम के पश्चात डॉक्टर बल ने सभी उपस्थित लोगों का तहे दिल से धन्यवाद करते हुए कहा कि वह जल्द ही इसी तरह का एक और संगीतमय प्रोग्राम लेकर आएंगे।

भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को मिल रही तेज रफ्तार

चंडीगढ़। भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण उद्योग मजबूत गति प्राप्त कर रहा है जिसे निरंतर नीतिगत समर्थन, परिपक्व औद्योगिक क्लस्टर्स और वैश्विक सप्लाई चेन के विविधीकरण से बढ़ावा मिल रहा है यह बदलाव 8-10 अप्रैल को इंडिया एक्सपो मार्ट, ग्रेटर नोएडा में आयोजित होने वाले इलेक्ट्रॉनिका इंडिया और प्रोडक्ट्रोनिका इंडिया 2026 में देखने को मिलेगा। 50 से अधिक देशों जर्मनी, चीन, अमेरिका, जापान और ताइवान सहित की भागीदारी के साथ यह मंच भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स इकोसिस्टम के बढ़ते वैश्विक एकीकरण को रेखांकित करता है। भूपिंदर सिंह, प्रेसिडेंट आईएमईए, मेस्से मुएनचेन एवं सीईओ, मेस्से मुएनचेन इंडिया ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिका इंडिया और प्रोडक्ट्रोनिका इंडिया उद्योग के साथ-साथ बढ़ रहे हैं इस वर्ष खास बात यह है कि कंपनियां स्पष्ट सोर्सिंग योजनाओं और साझेदारी ढांचे के साथ आ रही हैं। यह मंच अब केवल चर्चा के लिए नहीं, बल्कि निर्णय लेने के लिए उपयोग हो रहा है। वैश्विक सप्लाई चेन में भारत की भूमिका विकसित हो रही है दुनिया भर के इलेक्ट्रॉनिक्स निमार्ता एकल भौगोलिक निर्भरता को कम करने के लिए अपने सोर्सिंग विकल्पों में विविधता ला रहे हैं। भारत कंपोनेंट्स, डिजाइन और मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्रों में एक मजबूत विकल्प के रूप में उभर रहा है।

लोककल्याण हेतु दिव्य दरबार का भव्य आयोजन झ हजारों श्रद्धालुओं की उमड़ी आस्था

चंडीगढ़/अंबाला। अंबाला मोड़ा में जगतगुरु विकासदास जी महाराज द्वारा आयोजित लोककल्याण दिव्य दरबार का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और जनसमूह की भारी उपस्थिति के साथ सम्पन्न हुआ। इस पावन दरबार में हजारों की संख्या में श्रद्धालु दूर-दूर से पहुंचकर अपने दुखों और समस्याओं के समाधान के लिए उपस्थित हुए। दरबार में महाराज जी ने लोगों के तन, मन और धन से जुड़ी समस्याओं का निवारण किया। उन्होंने अभिमंत्रित जल के साथ-साथ पिछले सौ वर्षो से निरंतर प्रज्वलित पावन धुनी की विभूति का प्रसाद श्रद्धालुओं को प्रदान किया, जिसके बारे में मान्यता है कि यह दैवीय प्रभाव से लोगों के कष्टों को दूर करने में सहायक होता है। साथ ही, उन्होंने श्रद्धालुओं की विभिन्न प्रकार की परेशानियों-चाहे वह चिकित्सकीय समस्याएं, कानूनी समस्याएं या जीवन की अन्य जटिल परिस्थितियाँ हों-से मुक्ति का मार्ग दिखाया। कार्यक्रम के दौरान सैकड़ों ऐसे उदाहरण सामने आए, जहां लोगों ने स्वयं मंच पर आकर अपने जीवन में आए सकारात्मक बदलावों और रोगमुक्ति के अनुभव साझा किए। कई दीर्घकालिक और सत्यापित मामलों में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला, जिससे उपस्थित जनसमूह की आस्था और भी दृढ़ हुई। इस अवसर पर एकता नागपाल भी मंच पर उपस्थित रहीं। उन्होंने अपनी प्रेरणादायक कथा और वचनों के माध्यम से जनसमूह को आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान की तथा मंत्र जाप करवाकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। यह दिव्य दरबार पिछले कुछ समय से निरंतर आयोजित किया जा रहा है और प्रत्येक पंद्रह दिन के अंतराल पर इसका आयोजन होता है। आगामी दिव्य दरबार 19 तारीख को आयोजित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त 17 अप्रैल को अमावस्या के पावन अवसर पर विशेष हवन यज्ञ का आयोजन भी किया जाएगा।

खुफिया जानकारी आधारित कार्रवाई से 1,383 करोड़ रुपये का जुमार्ना, पंजाब के टैक्स प्रवर्तन में बड़ा बदलाव

भगवंत मान सरकार द्वारा टैक्स चोरी पर रिकॉर्ड प्रवर्तन के जरिए शिकंजा कसते हुए 1,137 करोड़ रुपये की वसूली: हरपाल सिंह चीमा

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में टैक्स चोरी के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति को दोहराते हुए, वित्त, योजना, आबकारी और कर मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने आज यहां घोषणा की कि पंजाब सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रवर्तन के क्षेत्र में रिकॉर्ड परिणाम हासिल किए हैं, जो खुफिया जानकारी आधारित कार्रवाई और राजस्व सुरक्षा की दिशा में एक निर्णायक बदलाव को दशार्ते हैं।

कारगुजारी का विवरण देते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा, स्टेट इंटेलिजेंस एंड प्रिवेंटिव यूनिट्स की लक्षित और खुफिया जानकारी आधारित कार्रवाई के कारण राज्य के कर विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान 1,383.11 करोड़ रुपये का भारी जुमार्ना लगाया। इसमें से 1,137.85 करोड़ रुपये की वसूली पहले ही की जा चुकी है, जो प्रवर्तन की दक्षता और राजस्व संग्रह में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस सफलता की आधारशिला के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, निरीक्षण आधारित प्रवर्तन ने मुख्य भूमिका निभाई, जिसमें 1,215.95 करोड़ रुपये का जुमार्ना और 972.15 करोड़ रुपये की वास्तविक वसूली शामिल है। इसके अलावा, सड़क चेकिंग अभियानों ने 165.71 करोड़ रुपये का योगदान दिया। यह प्रदर्शन वित्तीय वर्ष 2024-25 की तुलना में कई गुना सुधार को दशार्ता है। वर्ष 2024-25 में निरीक्षण प्रवर्तन के तहत 147.28 करोड़ रुपये का जुमार्ना और 41.53 करोड़ रुपये की वसूली हुई थी, जबकि सड़क चेकिंग से 157.14 करोड़ रुपये प्राप्त हुए थे। वर्ष 2025-26 में यह उल्लेखनीय वृद्धि राज्य की जांच,

प्रवर्तन और वास्तविक राजस्व संग्रह क्षमता में बड़े बदलाव को उजागर करती है। धोखेबाज नेटवर्करों पर सख्ती का उल्लेख करते हुए वित्त मंत्री ने कहा, कर विभाग ने वर्ष भर में 8 एफआईआर दर्ज कीं और 15 गिरफ्तारियां कीं। दो प्रमुख मामलों में सात व्यक्तियों की संलिप्तता सामने आई और 385 करोड़ रुपये के धोखाधड़ी लेन-देन का पदार्फाश हुआ। इन लक्षित कार्रवाइयों से बिना वास्तविक आपूर्ति के फर्जी इनवॉइस जारी करने वाली फर्मों द्वारा 69.57 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी उजागर हुई।

उन्होंने आगे कहा, माल की अवैध ढुलाई और फर्जी बिलिंग नेटवर्क के खिलाफ बठिंडा, मंडी गोबिंदगढ़, लुधियाना और चंडीगढ़ में अन्य एफआईआर दर्ज की गईं। एक महत्वपूर्ण कार्रवाई में 9 करोड़ रुपये से अधिक के फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट पास करने के आरोप में लुधियाना के एक संचालक को गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने बताया, विभाग के आधुनिक खुफिया नेटवर्क ने कई बड़े खुलासे किए, जिनमें लुधियाना में सोने के लेन-देन में 900 करोड़ रुपये की फर्जी बिलिंग, मोहाली, खरड़ और कोटकपूरा में कोयले के अवैध लेन-देन में 226 करोड़ रुपये, और लुधियाना व मंडी गोबिंदगढ़ में सक्रिय 423 करोड़ रुपये के फर्जी बिलिंग नेटवर्क शामिल हैं। इसके अलावा, जांच के दौरान पेट पूजा ऐप से जुड़े 200 करोड़ रुपये के घोटाले का भी पदार्फाश हुआ, जो आधुनिक टैक्स चोरी नेटवर्क की जटिलता और व्यापकता को दशार्ता है। वेरिफिकेशन अभियानों के बारे में उन्होंने कहा, केंद्रित जांच के दौरान 1,579 संदिग्ध डीलरों की पहचान की गई। कड़ी जांच के बाद इनमें से 922 इकाइयों का अस्तित्व ही नहीं पाया गया और केंद्र सरकार के साथ समन्वय कर उनकी पंजीकरण रद्द कर दी गई। भगवंत मान सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा, वित्तीय वर्ष 2025-26 का प्रदर्शन पंजाब में कर अनुपालन और राजस्व संग्रह को मजबूत करने की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम है। धोखाधड़ी नेटवर्क को समाप्त करने, ईमानदार व्यापारिक प्रथाओं को बढ़ावा देने, करदाताओं के हितों की रक्षा करने और राज्य के राजस्व को सुरक्षित रखने के लिए ऐसी कार्रवाई आगे भी और तेज गति से जारी रहेगी।

होर्मुज संकट: अमेरिका-इजराइल के ईरान पर भीषण हमले, 34 की मौत

राजधानी तेहरान में रातभर धमाके, शरीफ यूनिवर्सिटी मलबे में तब्दील, ईरान का पलटवार: इजराइल और खाड़ी देशों पर मिसाइल वर्षा

क्षेत्र में 'हाई अलर्ट', ट्रंप की सीधी चेतावनी से तनाव चरम पर

एजेंसी (हि.स.)

तेहरान/तेल अवीव/वाशिंगटन

अमेरिका-इजराइल का 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ शुरू किया गया एकीकृत सैन्य अभियान समूचे पश्चिम एशिया के संकट का कारण बन गया है। तेहरान के वाशिंगटन की होर्मुज को खोलने के लिए मंगलवार तक की दी गई समय सीमा को ठुकराने के बाद अमेरिका-इजराइल ने ईरान पर ताबड़तोड़ हमला किया है।इस हमले में 34 लोगों की मौत हो गई।

ईरान ने इसके जवाब में इजराइल और उसके खाड़ी अरब पड़ोसियों पर मिसाइलें दागी हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कह चुके हैं कि ईरान ने अगर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को मंगलवार तक नहीं खोला, तो उसके बिजली संयंत्रों पर जमींदोज कर दिया जाएगा। इस पर ईरान ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। ईरान ने कहा कि उसे ट्रंप की धमकी की परवाह नहीं। वह अमेरिका और इजराइल को माकूल जवाब देने के लिए तैयार है। अल जजीरा चैनल की रिपोर्ट के अनुसार तेहरान में रात भर धमाकों की आवाज गूंजती रहीं और राजधानी पर लगातार हमलों के बीच घंटों तक नीचे उड़ते लड़ाकू विमानों की गड़गड़ाहट सुनाई देती रही। एक हवाई हमले में शहर के आजादी चौक के पास स्थित शरीफ यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के परिसर को निशाना बनाया गया। इजराइली अधिकारियों के अनुसार, ईरान ने हाइफा में एक रिहायशी इमारत को निशाना बनाया। इमारत के मलबे से दो लोगों के शव बरामद किए गए। दो अन्य लोगों की तलाश अभी भी जारी है।सोमवार तड़के उत्तरी इजराइल के इस शहर पर ईरान की ओर से एक बार फिर मिसाइलें दागी गईं। कुवैत और संयुक्त अरब अमीरात ने ईरान की ओर से आने वाली मिसाइलों और ड्रोन को रोकने के लिए अपने हवाई सुरक्षा तंत्र को सक्रिय कर दिया है। इस बीच तेहरान ने होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते होने वाले समुद्री परिवहन पर अपनी पकड़ ढीली करने का कोई संकेत नहीं दिया है। गौरतलब है कि 28 फरवरी को युद्ध की शुरूआत होने से पहले यह जलमार्ग पूरी तरह से खुला हुआ था। कुवैत में बिजली, पानी को मीठा बनाने वाले और तेल के प्लांट पर हमले हुए हैं। ईरान ने बहरीन में एक तेल सुविधा को निशाना बनाया है। इराक के सुलेमानिया में भी ड्रोन से हमला किया गया है। उत्तरी इराक के कुर्द क्षेत्र में इस इलाके में मौजूद हथियारबंद ईरानी कुर्द विरोधी गुटों से जुड़े ठिकानों पर भी हमले हुए हैं। ईरान ने सोमवार सुबह दक्षिणी इजराइल के कई शहरों पर मिसाइलें दागी हैं। इस हमले के कारण बीरशेबा में सायरन बज उठे। सोमवार सुबह से इजराइल को निशाना बनाकर किए जा रहे ईरानी हमलों की कड़ी में यह सबसे ताजा हमला है।ईरान ने यूएई की टेलीकॉम कंपनी डीयू पर हमला किया है। अधिकारियों के अनुसार ईरान से छोड़े गए एक ड्रोन ने टेलीकॉम कंपनी की एक इमारत को निशाना बनाया। इस हमले में किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है। सऊदी रक्षा मंत्रालय का कहना है कि पिछले कुछ घंटों में दो ड्रोनों को नष्ट कर दिया है। इजराइल ने दक्षिणी लेबनान के कफर रुम्मान शहर पर बमबारी की है। बमबारी की जद में आई कार सवार चार लोगों की मौत हो गई।

फोटोः हि.स.

ईरान में संदिग्ध को फांसी

ईरान में एक सैन्य क्षेत्र में कथित तौर पर घुसने की कोशिश करने वाले संदिग्ध को फांसी पर चढ़ा दिया गया। यह घटना जनवरी में हुई थी। इस घटना से जुड़े दो अन्य लोगों को एक दिन पहले ही फांसी दी गई थी। इस्लामिक स्टूडेंट्स न्यूज एजेंसी ने न्यायपालिका के हवाले से बताया कि अली फहीम को सुप्रीम कोर्ट ने दोषी ठहराया था। इसके बाद उसे फांसी दी गई। एमनेस्टी इंटरनेशनल समेत मानवाधिकार संगठनों ने इसे अमानवीय बताया है। जनवरी में शुरू हुआ यह अशांति का दौर आर्थिक मुश्किलों के कारण शुरू हुआ था। धीरे-धीरे यह एक देशव्यापी आंदोलन में बदल गया। ईरान में 1979 की क्रांति के बाद से अब तक की सबसे हिंसक झड़पों में हजारों लोग मारे गए। अमेरिका के सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कड़े लहजे में दृढ़ता के साथ कहा है कि ईरान अगर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज (होर्मुज जलडमरूमध्य) को फिर से नहीं खोलता है तो मंगलवार को उसके पुलों और बिजली संयंत्रों को हर हाल में निशाना बनाया जाएगा। हालांकि ट्रंप की चेतावनी को ईरान ने खारिज कर दिया है। पेंटागन के अनुसार, ईरान के खिलाफ अमेरिकी अभियानों के दौरान कुल 365 अमेरिकी सैनिक घायल हुए हैं। अमेरिका और इजराइल के हमले में तेहरान की शरीफ यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी का बड़ा हिस्सा ध्वस्त हो गया है। दोनों ने रात भर बुनियादी ढांचों को निशाना बनाया। इनमें यूनिवर्सिटी, अस्पताल, स्कूल, और साथ ही तेल व स्टील से जुड़े ढांचे शामिल हैं। ईरान के करज, शिराज, इस्फहान और बुशेहर आदि शहरों में हमले जारी हैं। इन शहरों को भारी क्षति हुई है। बंदर-ए-लंगेह में छह लोग मारे गए हैं। कोम में पांच अन्य लोग मारे गए हैं। राजधानी तेहरान के दक्षिणी बाहरी इलाके में स्थित बहरेस्तान में कम से कम 13 लोगों की मौत हुई है। अमेरिका-इजराइल के हमले में रात से अब तक कुल 34 लोगों की मौत हुई है।

ईरान ने कहा- नहीं खुलेगा होर्मुज

तेहरान। युद्ध की लपटों से झुलसे मध्य पूर्व का आसमान आशंकाओं के बादलों से अट गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की स्ट्रेट ऑफ होर्मुज (होर्मुज जलडमरूमध्य) को मंगलवार तक खोलने की समय सीमा तय करने की चेतावनी को ईरान ने पूरी दृढ़ता से खारिज कर दिया। तेहरान ने अल्टीमेटम को ठुकराते हुए को ट्रंप को 'बेबस' और 'घबराया' हुआ बताया। ईरान ने कहा कि उसे धमकी की कोई परवाह नहीं। होर्मुज नहीं खुलेगा। जिसे जो करना हो कर ले। अल जजीरा चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की केंद्रीय सैन्य कमान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकी को सिरे से खारिज कर दिया है। ट्रंप ने कहा था कि अगर ईरान 48 घंटों के भीतर शांति समझौता स्वीकार नहीं करता है तो वे देश के जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर को तबाह कर देंगे। ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि अगर होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से नहीं खोला गया, तो ईरान पर कहर टूट पड़ेगा। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति की धमकियों से ईरानी लोग बिल्कुल भी विचलित नहीं हैं। प्रवक्ता ने कहा कि ईरानियों के पास अपनी रक्षा करने के लिए जरूरी हर चीज मौजूद है। और इस युद्ध के पहले दिन से ही ईरान यह साबित कर दिया है कि वह जो कहता है, उसे कर दिखाता है। यानी देश के नागरिक बुनियादी ढांचे (विशेष रूप से बिजली संयंत्रों) पर हमला हुआ तो दुश्मन को वैसा ही जवाब दिया जाएगा। चैनल के अनुसार, इजराइल और अमेरिका लगातार ईरान के नागरिक इंफ्रास्ट्रक्चर और पेट्रो केमिकल संयंत्रों पर हमले कर रहे हैं। इन हमलों कम से कम पांच लोग मारे गए हैं। बुशेहर परमाणु स्थल पर हुए एक हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई है। अमेरिका का कहना है कि उसने दिवंगत ईरानी मेजर-जनरल कासिम सुलेमानी की भतीजी और उनकी बेटी को गिरफ्तार कर लिया है और उनकी स्थायी नागरिकता रद्द कर दी है। हालाकि, एक बयान में, उनकी बेटियों ने कहा कि अमेरिका में गिरफ्तार की गई उन दोनों महिलाओं से उनका कोई संबंध नहीं है।

ट्रम्प का 'बयान खतरनाक और असंतुलित': बर्नी सैंडर्स

वॉशिंगटन। अमेरिका में ईरान को लेकर बढ़ते तनाव के बीच राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। डेमोक्रेटिक सीनेटर बर्नी सैंडर्स ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया बयान की कड़ी आलोचना करते हुए उसे खतरनाक और असंतुलितकरार दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए सैंडर्स ने कहा कि ईस्टर के दिन इस तरह का बयान बेहद चिंताजनक है। उन्होंने लिखा कि इस तरह की भाषा और सोच वैश्विक स्तर पर तनाव बढ़ा सकती है और स्थिति को और गंभीर बना सकती है। सैंडर्स ने आगे कहा कि यह समय संयम और कूटनीति का है, न कि आक्रामक बयानबाजी का। उन्होंने अमेरिकी संसद (कांग्रेस) से तुरंत हस्तक्षेप करने की अपील करते हुए कहा कि युद्ध की स्थिति को समाप्त करने के लिए ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। उल्लेखनीय है कि हाल के दिनों में ईरान और अमेरिका के बीच तनाव काफी बढ़ गया है, खासकर होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर जारी विवाद के चलते। ऐसे में अमेरिकी राजनीति के भीतर भी इस मुद्दे पर मतभेद खुलकर सामने आ रहे हैं। विश्लेषकों का मानना है कि इस तरह के तीखे राजनीतिक बयान आने वाले दिनों में अमेरिका की विदेश नीति और क्षेत्रीय हालात दोनों को प्रभावित कर सकते हैं।

नेपाल में डिप्टी स्पीकर पद के लिए तीन प्रमुख विपक्षी दलों ने दावा ठोंका

एजेंसी (हि.स.)

काठमांडू

नेपाल के संवैधानिक प्रावधानों के मुताबिक डिप्टी स्पीकर पद के लिए तीन प्रमुख विपक्षी दलों ने अपना-अपना दावा ठोंका है जिनमें नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (नेकपा), राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) और श्रम संस्कृति पार्टी प्रमुख हैं। नेपाल के संवैधानिक प्रावधान के मुताबिक डिप्टी स्पीकर का पद स्पीकर से अलग राजनीतिक दल और अलग लिंग का होना चाहिए। आरएसपी को स्पीकर का पद मिला है, तो किसी अन्य दल के पास डिप्टी स्पीकर का पद होना चाहिए। आरएसपी के उपाध्यक्ष डोल प्रसाद अर्याल पहले ही स्पीकर नियुक्त किया जा चुका है। हालांकि, पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि डिप्टी स्पीकर पद को लेकर चर्चा अभी जारी है और तीन विपक्षी दल सक्रिय रूप से इस पद के लिए लॉबिंग कर रहे हैं। आरएसपी के महासचिव कविंद्र बुरलाकोटी के अनुसार पार्टी ने अभी इस विषय पर औपचारिक विचार-विमर्श शुरू नहीं किया है। उन्होंने कहा कि अभी स्पीकर नियुक्त हुए हैं, इसलिए डिप्टी स्पीकर पर चर्चा का अवसर नहीं मिला है। विपक्षी दलों के साथ बातचीत जारी है और अब प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। पार्टी महासचिव बुरलाकोटी ने बताया कि अब तक नेकपा, आरपीपी और श्रम संस्कृति पार्टी तीनों दलों ने दावा किया है, लेकिन इस पर अब तक कोई फैसला नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि अंतिम निर्णय का अधिकार पार्टी अध्यक्ष रवि लामिछाने और प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह को सौंपा गया है और अभी कोई निर्णायक बैठक नहीं हुई है।

फोटोः हि.स.

कंबोडिया में फंसे 7 नेपाली नागरिक स्वदेश पहुंचे

काठमांडू। कंबोडिया में बिना वीजा के रह रहे 7 नेपाली नागरिकों को बचा लिया गया है। थाईलैंड के बैंकॉक स्थित नेपाली दूतावास ने कंबोडिया सरकार और गैरआवासी नेपाली संघ के सहयोग से आज इन सभी को नेपाल वापस भेजा। दूतावास के अनुसार, इन नागरिकों को वहां अवैध रूप से संचालित ऑनलाइन स्कैमिंग केंद्रों, कैसीनो आधारित ऑनलाइन ठगी समेत अन्य गैरकानूनी गतिविधियों में लगाया गया था। दूतावास ने यह भी जानकारी दी है कि अभी भी कुछ नेपाली नागरिक कंबोडिया में फंसे हुए हैं। उनकी पहचान कर उन्हें नेपाल वापस लाने के प्रयास जारी हैं। दूतावास की विज्ञप्ति में कहा गया है कि नेपाली नागरिकों को ऑनलाइन ठगी जैसे गैरकानूनी कामों में लगाया जा रहा है और वे बिना वीजा या वीजा अवधि से अधिक समय तक वहां रह रहे हैं। दूतावास के अनुसार, स्कैमिंग केंद्रों में काम करने वालों के पासपोर्ट कंपनियों द्वारा जब्त कर लिए जाते हैं या एक केंद्र से दूसरे केंद्र में भेजे जाने के दौरान उनके पासपोर्ट खो जाने की शिकायतें भी सामने आई हैं। नेपाल लौटने के इच्छुक नागरिकों के लिए बैंकॉक स्थित नेपाली दूतावास द्वारा निःशुल्क एकतरफा यात्रा अनुमति पत्र जारी किया जा रहा है। साथ ही दूतावास ने सभी नागरिकों से अनुरोध किया है कि वे नेपाल सरकार द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुसार श्रम स्वीकृति लेकर ही वैदेशिक रोजगार के लिए जाएं।

नेपाल में सरकारी दफ्तरों में नई समय सारिणी लागू, अब सप्ताह में दो दिन रहेगा अवकाश

एजेंसी (हि.स.)

काठमांडू

नेपाल में आज (6 अप्रैल) से सरकारी कार्यालयों और सार्वजनिक निकायों में नई समय सारिणी लागू हो गई। अब कार्यालय सुबह 9:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक खुलेंगे। मंत्रिपरिषद ने रविवार को यह फैसला किया था। इससे शैक्षणिक संस्थानों का बाहर रखा गया है। इसके अलावा, अब सार्वजनिक कार्यालयों और शैक्षिक संस्थानों में सप्ताह में दो दिन अवकाश रहेगा। शनिवार तथा रविवार को दफ्तर बंद रहेंगे।

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि शैक्षणिक संस्थानों में दो दिन का साप्ताहिक अवकाश 28 अप्रैल से लागू किया जाएगा, जो नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत के साथ प्रभावी होगा। हालांकि, शीतकालीन अवधि (2 नवंबर से 29 जनवरी तक) के दौरान कार्यालय समय में बदलाव किया जाएगा। इस दौरान दफ्तर सुबह 9:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक संचालित होंगे। यह जानकारी गृह मंत्रालय द्वारा राजपत्र में प्रकाशित एक सूचना के माध्यम से दी गई है।

फोटोः हि.स.

दो दिन के साप्ताहिक अवकाश से शैक्षिक कैलेंडर बिगड़ने की चिंता

काठमांडू। पेट्रोलियम पदार्थों की खपत घटाने और विदेशी मुद्रा भंडार बचाने के उद्देश्य से सप्ताह में दो दिन सार्वजनिक अवकाश देने के निर्णय पर शैक्षिक कैलेंडर बिगड़ने की चिंता जताई गई है। निजी तथा आवासीय विद्यालय एसोसिएशन नेपाल की तरफ से एक बयान में बताया गया है कि शनिवार और रविवार को अवकाश देने से वर्षभर में कुल छुट्टियां 104 दिन तक पहुंच जाएंगी। इसके साथ ही अन्य धार्मिक और सांस्कृतिक छुट्टियां जोड़ने पर कार्य दिवसों की तुलना में छुट्टियों की संख्या अधिक हो जाएगी, जिससे नेपाल सरकार के निर्धारित विस्तृत पाठ्यक्रम को समय पर पूरा करना कठिन होगा। बयान में कहा गया है कि नेपाल का पाठ्यक्रम अंतरराष्ट्रीय स्तर का और काफी विस्तृत है। एक ओर कार्य दिवस घटाए जा रहे हैं, तो दूसरी ओर शैक्षिक सत्र भी देर से शुरू किया जा रहा है, ऐसे में शिक्षा के लक्ष्यों को प्राप्त करना संभव नहीं होगा। वर्तमान में युवा नेतृत्व वाली सरकार को पेट्रोलियम आपूर्ति सामान्य होते ही इस निर्णय पर पुनर्विचार कर सप्ताह में केवल एक दिन अवकाश की व्यवस्था करनी चाहिए।

जग्गी हत्याकांड में हाईकोर्ट का फैसला, अमित जोगी को उम्रकैद

कोर्ट ने कहा-सभी आरोपितों के लिए एक समान न्याय जरूरी

एजेंसी (हि.स.)

बिलासपुर

छत्तीसगढ़ के चर्चित रामावतार जग्गी हत्याकांड में आखिरकार लंबी कानूनी लड़ाई के बाद उच्च न्यायालय ने आज सोमवार को अहम फैसला सुनाते हुए पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के बेटे अमित जोगी को उम्रकैद की सजा दी। साथ ही 1,000 रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। अदालत ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि समान अपराध में शामिल आरोपितों के साथ अलग-अलग व्यवहार न्यायसंगत नहीं है।

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस अरविन्द वर्मा की स्पेशल डिवीजन बेंच ने बहुचर्चित रामावतार जग्गी हत्याकांड में अहम फैसला सुनाते हुए अमित जोगी को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 और 120-बी के तहत दोषी करार दिया। अदालत ने उन्हें उम्रकैद और 1000 रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई है। जुमार्ना अदा नहीं करने पर 6 महीने की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। अदालत ने अपने फैसले में महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि जब सभी आरोपितों पर एक ही अपराध में शामिल होने का आरोप हों, तो किसी एक आरोपित के साथ जानबूझकर अलग व्यवहार नहीं किया जा सकता। अदालत ने यह भी कहा कि जब सभी आरोपितों के खिलाफ एक जैसे सबूत हों, तो किसी एक को बरी कर देना और बाकी को उन्हीं सबूतों के आधार पर दोषी ठहराना सही नहीं है, जब तक कि उसे छोड़ने का कोई ठोस और अलग कारण साबित न हो। यानी अमित जोगी को उच्चतम न्यायालय से भी राहत नहीं मिल सकी। यह मामला गत 4 जून 2003 का है, जब रायपुर में एनसीपी नेता रामावतार जग्गी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड में कुल 31 लोगों को आरोपित बनाया गया था, जिनमें से बल्टू पाठक और सुरेंद्र सिंह बाद में सरकारी गवाह बन गए थे। निचली अदालत ने 28 आरोपितों को दोषी ठहराया था, जबकि 31 मई 2007 को रायपुर की विशेष अदालत ने संदेह का लाभ देते हुए अमित जोगी को बरी कर दिया था। अमित जोगी को बरी किए जाने के खिलाफ रामावतार जग्गी के बेटे सतीश जग्गी ने उच्चतम न्यायालय में अपील दायर की थी। इस दौरान अमित जोगी को राहत मिलते हुए स्टे मिला था, लेकिन बाद में उच्चतम न्यायालय ने मामले को दोबारा सुनवाई के लिए उच्च न्यायालय भेज दिया। इससे पहले डिविजन बेंच ने दो साल पहले इस हत्याकांड के अन्य दोषियों की अपील खारिज करते हुए उनकी उम्रकैद की सजा को बरकरार रखा था। वहीं, उच्चतम न्यायालय ने सीबीआई की अपील स्वीकार करते हुए मामले की विस्तृत सुनवाई के लिए इसे फिर से उच्च न्यायालय भेजने का निर्देश दिया था। हत्याकांड के बाद प्रारंभिक पुलिस जांच पर पक्षपात के आरोप लगे थे, जिसके चलते राज्य सरकार ने मामला सीबीआई को सौंप दिया था। सीबीआई ने अपनी जांच में अमित जोगी समेत कई लोगों पर हत्या और साजिश रचने के आरोप लगाए थे।

उच्च न्यायालय में सुनवाई के दौरान सतीश जग्गी की ओर से अधिवक्ता बीपी शर्मा ने पक्ष रखते हुए तर्क दिया कि यह हत्याकांड तत्कालीन राज्य सरकार की ओर से प्रायोजित था। उन्होंने कहा कि जब सीबीआई जांच शुरू हुई, तब सरकार के प्रभाव में कई सबूत मिटा दिए गए थे। ऐसे मामलों में केवल भौतिक साक्ष्य ही नहीं, बल्कि साजिश का पदार्फाश भी अहम होता है, इसलिए आरोपितों को केवल सबूतों के अभाव में दोषमुक्त नहीं किया जा सकता।

रामावतार जग्गी, कारोबारी पृष्ठभूमि से जुड़े हुए थे और पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल के करीबी माने जाते थे।

देश में रसोई गैस दिहाड़ी मजदूरों की पहुंच से बाहर : राहुल गांधी

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पश्चिमी एशिया में चल रहे संघर्ष के दौरान देश में एलपीजी की हो रही किल्लत पर सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि देश में इस समय रसोई गैस दिहाड़ी मजदूरों की पहुंच से बाहर हो गई है। राहुल गांधी ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए सरकार पर आरोप लगाया कि उसने एलपीजी संकट को बिल्कुल कोविड महामारी की तरह लिया है। नीति शून्य, बड़ी घोषणाएं और पूरा बोझ गरीबों पर डाल दिया गया है। 500 से 800 रुपये की दिहाड़ी कमाने वाले प्रवासी मजदूरों के लिए रसोई गैस अब पहुंच से बाहर हो गई है। रात को घर लौटने वाले मजदूर के पास चूल्हा जलाने तक के पैसे नहीं हैं। नतीजा यह है कि मजदूर शहर छोड़कर गांव लौटने को मजबूर हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो मजदूर वस्त्र मिलों और कारखानों की रीढ़ हैं, आज वही टूट रहे हैं। वस्त्र उद्योग पहले से ही गहन संकट में है और विनिर्माण दम तोड़ रहा है। यह संकट आया कहां से? इसका कारण वह कूटनीतिक चूक है जिसे सरकार आज तक स्वीकार नहीं करती। नेता प्रतिपक्ष ने सवाल किया कि हर संकट में सबसे पहले गरीब क्यों मरता है? यह सिर्फ गरीब का नहीं, हम सबका सवाल है।

फोटोः हि.स.

झारखंड के सारंडा के जंगल में आईईडी ब्लास्ट कोबरा 205 बटालियन का जवान घायल

एजेंसी (हि.स.)

पश्चिमी सिंहभूम

झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के नक्सल प्रभावित सारंडा के जंगल में सोमवार सुबह एक बार फिर नक्सलियों ने सुरक्षा बलों को निशाना बनाया। सर्च ऑपरेशन के दौरान लगाए गए आईईडी में विस्फोट होने से कोबरा 205 बटालियन के जवान अनुज कुमार घायल हो गए। हालांकि राहत की बात यह है कि जवान की स्थिति गंभीर नहीं है और उन्हें मामूली चोटें आई हैं। बालिबा गांव के समीप सारंडा जंगल के चडरा डेरा क्षेत्र में सुरक्षा बल नियमित तलाशी अभियान चला रहे थे। इसी दौरान अचानक विस्फोट हुआ, जिसकी चपेट में आकर जवान अनुज कुमार घायल हो गए। साथियों ने तुरंत उन्हें प्राथमिक उपचार दिया और सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। बेहतर इलाज के लिए उन्हें रांची ले जाने की तैयारी की गई है, जहां अस्पताल में भर्ती कराया जाएगा।

घटना की पुष्टि करते हुए पश्चिमी सिंहभूम के पुलिस अधीक्षक अमित रेणु ने बताया कि नक्सलियों द्वारा इस तरह के कायराना हमले पहले भी किए जाते रहे हैं, जिनमें कई निर्दोष ग्रामीणों की जान जा चुकी है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों की ओर से नक्सलियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है और आने वाले समय में इसे और तेज किया जाएगा। एसपी ने बताया कि घटना के बाद पूरे इलाके में सुरक्षा बलों ने सर्च ऑपरेशन और तेज कर दिया है। आसपास के जंगलों में कॉम्बिंग अभियान चलाया जा रहा है और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्थिति में नक्सलियों को बख्शा नहीं जाएगा। क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा बहाल करने के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियां इस संबंध में जांच कर रही हैं और विस्तृत जानकारी जांच पूरी होने के बाद ही सामने आएगी।

फोटोः हि.स.

सैन्य सहयोग | इंटरऑपरेबिलिटी और संयुक्त ऑपरेशनल क्षमताओं को बढ़ाने पर भी होगी बातचीत

साझा सुरक्षा हितों पर रक्षा संबंध मजबूत करने अमेरिका दौरे पर गए वायु सेना प्रमुख

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह भारत-यूएस के बीच रक्षा साझेदारी मजबूत करने के उद्देश्य से अमेरिका की यात्रा पर पहुंचे हैं। उनका स्वागत अमेरिका में भारतीय राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने किया। उनका यह दौरा यूएस-इंडो पैसिफिक कमांड के कमांडर एडमिरल सैमुअल जे पापारो के 14-19 फरवरी तक भारत दौरे के बाद हो रहा है, ताकि देशों के करीबी सैन्य संबंधों को मजबूत किया जा सके।

भारतीय राजदूत ने एक्स पोस्ट पर लिखा कि वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह भारत-अमेरिकी रक्षा साझेदारी को और मजबूत करने और दोनों वायु सेनाओं के बीच मजबूत और बढ़ते संबंधों को बनाए रखने के लिए अमेरिका का अपना दौरा शुरू कर रहे हैं। वायु सेना प्रमुख का यह दौरा यूएस-इंडो पैसिफिक कमांड के कमांडर एडमिरल सैमुअल जे पापारो के 14-19 फरवरी तक भारत दौरे के बाद हो रहा है, ताकि भारत-अमेरिकी साझा सुरक्षा हितों पर सहयोग करने के साथ ही देशों के करीबी सैन्य संबंधों को मजबूत किया जा सके। एडमिरल पापारो के भारतीय दौरे का मकसद भी भारत-अमेरिका के साझा सुरक्षा हितों पर सहयोग करना और देशों के करीबी सैन्य रिश्तों को मजबूत करना था। वह भारत दौरे के समय अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर के साथ 16 फरवरी को भारतीय सेना के वेस्टर्न कमांड चंडीमंदिर पहुंचे और सेना के इंटिग्रेटेड डिफेंस स्टाफ (आईडीएस) हेडक्वार्टर भी गए। उन्होंने चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान से मुलाकात में भारत-अमेरिका की मजबूत और बढ़ती रक्षा साझेदारी को फिर से पक्का किया, जो साझा सामरिक हितों और क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता के लिए प्रतिबद्धता पर आधारित है। दोनों नेताओं ने आपसी सैन्य सहयोग, इंटरऑपरेबिलिटी और संयुक्त ऑपरेशनल क्षमताओं को बढ़ाने पर बातचीत की। इसी तरह बेंगलुरु के दौरे पर उन्होंने क्षेत्रीय सुरक्षा को आगे बढ़ाने और जमीन, समुद्र, हवा, अंतरिक्ष और साइबर स्पेस डोमेन में सैन्य अंतरसंचालनीयता को मजबूत करने में भारत की अहम भूमिका पर जोर दिया। इस दौरे के समय हुईं चचार्एं आपसी हितों के क्षेत्रों पर केंद्रित थीं, जिसमें एक आजाद और खुले इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की सुरक्षा में भारत का योगदान भी शामिल था।

फोटोः हि.स.

संक्षिप्त-समाचार

रांची सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, एक दिन में तीन कोर्ट को आया ईमेल

रांची। रांची सिविल कोर्ट को एक बार फिर सोमवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी के मिलने के बाद न्यायाधीशों, अधिवक्ताओं और अदालत के कर्मियों में हड़कंप मच गया। सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस-प्रशासन अलर्ट है। पुलिस की टीम अदालत पहुंची है और पूरे परिसर की सघन तलाशी ले रही है। सुरक्षा के मद्देनजर अदालत परिसर को खाली कराया जा रहा है। फिलहाल पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि यह धमकी भरा ईमेल कहां से और किसने भेजा है। एहतियातन कोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है और हर आने-जाने वाले लोगों की तलाशी ली जा रही है। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय ने बताया कि पूरे कोर्ट परिसर की जांच कर रही है। उल्लेखनीय है कि राज्य के अलग-अलग जिलों के तीन कोर्ट को सोमवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इनमें साहिबगंज, धनबाद और रांची का सिविल कोर्ट शामिल है। पुलिस जिस ईमेल के जरिये धमकी दी गई है, उसकी जांच कर रही है।

शरद पवार सहित राज्य सभा के 19 नवनिर्वाचित सदस्यों को दिलाई गई शपथ

नई दिल्ली। राज्य सभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने सोमवार को सदन के 19 नवनिर्वाचित सदस्यों ने संसद भवन में शपथ दिलाई। राष्ट्रवादी कांग्रेस के नेता शरद पवार, केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले, भाजपा के रामराव वडकुटे, माया इवनाते, और ज्योती वाघमारे सहित अन्य नवनिर्वाचित सांसदों ने शपथ ली। सोमवार शपथ लेने वालों में महाराष्ट्र से रामदास बंदू अठावले, माया चिंतामन इवनाते, शरदचंद्र पवार, रामराव सखाराम वडकुटे, डॉ. ज्योति नागनाथ वाघमारे भी हैं। तमिलनाडु से क्रिस्टोफर मणिक्कम, डॉ. अंबुमणि रामदास, कॉन्स्टेंडाइन रविंद्रन, एल. के. सुधीश, डॉ. एम. थंबीदुरई, तिरुची शिवा ने शपथ ग्रहण किया। पश्चिम बंगाल से बाबुल सुप्रियो बराल, डॉ. मेनका गुरुस्वामी, राजीव कुमार, रुक्मिणी मल्लिक, बिस्वजीत सिन्हा ने शपथ ली।ओडिशा से राज्य सभा के सदस्यों के तौर पर संतृप्त मिश्रा, दिलीप कुमार रे, मनमोहन सामल ने शपथ ली ।

आयकर व उड़नदस्ता टीम का डीएमके नेता जाफर सादिक से जुड़े दस ठिकानों पर छापा

चेन्नई। ड्रग्स तस्करी मामले में गिरफ्तार होकर फिलहाल जमानत पर बाहर आए डीएमके के पूर्व पदाधिकारी जाफर सादिक से जुड़े ठिकानों सहित 10 से अधिक स्थानों पर सोमवार सुबह आयकर विभाग के अधिकारियों ने छापा मारा। तमिलनाडु विधानसभा के चुनाव के दौरान चेन्नई में कुछ लोगों के पैसे बांटे जाने की सूचना आयकर विभाग और चुनाव उड़नदस्ता टीम को मिली थी। इसी आधार पर आज सुबह आयकर अधिकारी और उड़नदस्ता टीम के सदस्यों ने डीएमके नेता जाफर सादिक से जुड़े ठिकानों सहित शहर के 10 से अधिक स्थानों पर छापा मारा। खबर लिखे जाने तक कार्यवाही चल रही थी। आयकर और अन्य अधिकारी खास तौर पर चेन्नई के अन्ना सलाई, पुरसावक्कम, एग्मोर और पट्टिनपक्कम जैसे इलाकों में जांच पड़ताल कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि वर्ष 2024 में दो हजारकरोड़ के ड्रग्स तस्करी मामले में फंसे जाफर सादिक से जुड़े ठिकानों और उनकी संबंधित कंपनियों में भी आयकर विभाग की टीमें जांच कर रही हैं। जाफर सादिक को 2024 में केंद्रीय नारकोटिक्स कंट्रोल और प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने गिरफ्तार किया था और वे जेल में थे। कुछ दिन पहले ही वे जमानत पर बाहर आए हैं। आयकर विभाग की ओर से विस्तृत जानकारी का इंतजार है। पूरी जांच खत्म होने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि क्या कोई अवैध नकदी बरामद हुई है और क्या जाफर सादिक इसमें शामिल थे। चुनाव के समय हुई इस बड़ी कार्रवाई ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। उल्लेखनीय है कि तमिलनाडु में 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पूरे राज्य में चुनाव आचार संहिता लागू है। इसी के तहत उड़नदस्ता टीम, पुलिस, आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी नकद लेनदेन (कैश वितरण) की निगरानी के लिए सघन जांच कर रहे हैं।

बिहार के नांलदा में एनआईए-एटीएस का संयुक्त छापा

पटना। बिहार में नालंदा जिले के लहेरी थाना क्षेत्र अंतर्गत लहेरी मोहल्ला में एक बंदूक की दुकान और ज्वेलरी दुकान समेत 10 जगहों पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) की टीम ने सोमवार सुबह चार बजे छापा मारा। यह कार्रवाई अभी भी जारी है। जानकारी के अनुसार, यह छापेमारी हथियार तस्करी गिरोह के नेटवर्क को खंगालने के लिए की जा रही है। जिले के 'पीके गन हाउस' समेत कई ठिकानों पर दबिश दी गई है। दुकान के अंदर रखे गए हथियारों के नंबर और स्टॉक का मिलान किया जा रहा है। जांच टीम लहेरी थाना क्षेत्र में रामप्रवेश कुमार के 'पीके गन हाउस', चिकसौरा थाना के मिजार्पुर गांव और हिलसा थाना के राममूर्ति नगर में एक साथ छापेमारी कर रही है। इस ऑपरेशन में लगभग 100 पुलिस पदाधिकारी शामिल हैं। हालांकि, सुरक्षा कारणों से स्थानीय थाने को इस छापेमारी की पूर्व जानकारी नहीं दी गई। इस पूरे अभियान को लेकर अब तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है और अधिकारी कुछ भी कहने से बच रहे हैं। लहेरी थाना अध्यक्ष रंजीत कुमार रजक ने बताया कि उन्हें वरीय अधिकारियों से पत्र प्राप्त हुआ था, जिसके आधार पर उनके थाने के दो पुलिस पदाधिकारी इस कार्रवाई में शामिल किए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि छापेमारी किसके नेतृत्व में और किन कारणों से की जा रही है, इसकी जानकारी उन्हें भी नहीं दी गई है।

सरार्फा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

नई दिल्ली। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन आज घरेलू सरार्फा बाजार में सोना और चांदी के भाव में शुरूआती कारोबार के दौरान सांकेतिक कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सरार्फा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,50,920 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,51,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,38,340 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,38,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह, चांदी के भाव में भी मामूली गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सरार्फा बाजार में 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,51,070 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

आईपीएल 2026: रनों की बारिश में ऑरेंज कैप की रेस में समीर रिजवी आगे

रिजवी दो मैचों में 160 रन बनाकर बने 'ऑरेंज कैप' के हकदार

पर्पल कैप पर रवि बिश्नोई का कब्जा

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के शुरूआती मुकाबलों के बाद ऑरेंज कैप (सबसे ज्यादा रन बनाने वाले को दिया जाता है) और पर्पल कैप (सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले को दिया जाता है) की रेस दिलचस्प हो गई है। सभी टीमों के दो-दो मैच पूरे हो चुके हैं, जबकि सनराइजर्स हैदराबाद और चेन्नई सुपर किंग्स ने तीन-तीन मुकाबले खेले हैं।

फोटोः हि.स.

रनों की सूची में इस समय दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज समीर रिजवी शीर्ष पर हैं, जिन्होंने शानदार शुरूआत करते हुए 160 रन बना लिए हैं। रिजवी ने दोनों पारियों में लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम को जीत दिलाई। उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 47 गेंदों में नाबाद 70 रन और मुंबई इंडियंस के खिलाफ 51 गेंदों में 90 रन की मैच जिताऊ पारियां खेलीं। इन दोनों मुकाबलों में उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' भी चुना गया। दूसरे स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन हैं, जिन्होंने तीन पारियों में 145 रन बनाए हैं। क्लासेन ने 31, 52 और 62 रनों की पारियां खेलते हुए 147.95 के स्ट्राइक रेट से प्रभावित किया है। मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा 113 रनों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 38 गेंदों में 78 रनों की बेहतरीन पारी खेली थी। इसके अलावा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के देवदत्त पडिक्कल (111 रन), पंजाब किंग्स के कूपर कोनोली (108 रन) और कोलकाता नाइट राइडर्स के अंगकृष रघुवंशी (103 रन) भी 100 से अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शामिल हैं।

गेंदबाजों की बात करें, तो इस समय चार खिलाड़ी पांच-पांच विकेट लेकर बराबरी पर हैं। इनमें रवि बिश्नोई पर्पल कैप की रेस में आगे हैं। बिश्नोई ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 4 विकेट लेकर राजस्थान रॉयल्स को जीत दिलाई। यह इस सीजन के अब तक के दो 'चार विकेट हॉल' में से एक है। दूसरा प्रदर्शन कोलकाता नाइट राइडर्स के ब्लेसिंग मुजरबानी ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ किया था।

लखनऊ की जीत पर विवाद, आवेश खान की हरकत से सनराइजर्स नाराज

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में रविवार (5 अप्रैल) को खेले गए मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स की सनराइजर्स हैदराबाद पर जीत के साथ विवाद भी जुड़ गया है। इस पूरे मामले के केंद्र में लखनऊ के तेज गेंदबाज आवेश खान हैं, जिनकी एक हरकत पर सवाल उठाए जा रहे हैं। दरअसल, मैच के अंतिम ओवर में जब ऋषभ पंत ने जयदेव उनादकट की गेंद पर बाउंड्री लगाई, उसी दौरान लखनऊ के डगआउट के पास खड़े आवेश खान ने बल्ले से गेंद को मार दिया। कुछ लोगों का दावा है कि गेंद तब तक बाउंड्री लाइन पार नहीं कर पाई थी। सोशल मीडिया पर यह भी बहस छिड़ गई कि सनराइजर्स हैदराबाद को पांच पेनल्टी रन मिलने चाहिए थे और अंपायरों को नियम 20.1 (डेड बॉल) और नियम 41 (अनुचित खेल) लागू करना चाहिए था। हालांकि, क्रिकेट नियमों के जानकारों के मुताबिक आवेश खान की यह हरकत भले ही अनुचित और गैर-पेशेवर रही हो, लेकिन इसे फील्डर के प्रयास में बाधा नहीं माना जा सकता, क्योंकि उस समय गेंद को रोकने के लिए कोई फील्डर मौजूद नहीं था। ऐसे में अनुचित खेल के नियम लागू नहीं किए जा सकते। उस समय मैच की स्थिति ऐसी थी कि लखनऊ को जीत के लिए केवल एक रन की जरूरत थी और स्कोर बराबर था। एक अंपायर ने भी स्पष्ट किया कि इस स्थिति में बाउंड्री को रद्द करने का कोई आधार नहीं बनता। सूत्रों के अनुसार सनराइजर्स हैदराबाद इस मामले को लेकर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से शिकायत कर सकती है। टीम पहले से ही अपने पिछले दो मैचों में अंपायरिंग फैसलों से असंतुष्ट बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि टीम को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ पहले मैच में हेनरिक क्लासेन को बाउंड्री लाइन पर फिल सॉल्ट द्वारा पकड़े गए कैच पर आपत्ति है। वहीं, कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ ईडन गार्डन्स में 2 अप्रैल को खेले गए मुकाबले में अभिषेक शर्मा के आउट दिए जाने पर भी सवाल उठाए गए हैं।

सचिवालय सुपर लीग में माइटीज और सचिवालय ए की शानदार जीत

एजेंसी (हि.स.)
देहरादून

फोटोः हि.स.

सचिवालय सुपर लीग में आज खेले गए मुकाबलों में सचिवालय माइटीज और सचिवालय ए ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने मैच जीत लिए। दिन का पहला मुकाबला सचिवालय माइटीज और सचिवालय ईगल्स के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए सचिवालय ईगल्स ने 130 रन बनाए, जिसमें भूपेंद्र बिष्ट ने सर्वाधिक 34 रन का योगदान दिया। गेंदबाजी में अरविंद दानू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सचिवालय माइटीज की टीम ने दमदार बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट से मुकाबला अपने नाम कर लिया।

टीम के लिए यश ने सर्वाधिक 46 रन बनाए। वहीं, ईगल्स की ओर से तेजपाल और अंकित को 1-1 विकेट मिला। शानदार गेंदबाजी के लिए अरविंद दानू को सचिवालय सुपर लीग में माइटीज और सचिवालय ए की शानदार जीत मैन ऑफ द मैच चुना गया। दिन का दूसरा मुकाबला सचिवालय ए और सचिवालय स्पार्टन के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए सचिवालय स्पार्टन ने 120 रन बनाए। टीम के लिए सचिन ने 33 और अमन ने 28 रन की महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। गेंदबाजी में राहुल जेटली और टिकराज ने 2-2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए सचिवालय ए ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए मात्र 13.2 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया और 8 विकेट से जीत दर्ज की। टीम के लिए टी एच खान ने सर्वाधिक 43 रन बनाए। स्पार्टन की ओर से अंकुश और सौरव को 1-1 विकेट मिला। बेहतरीन प्रदर्शन के लिए टी एच खान को 'मैन ऑफ द मैच' घोषित किया गया। टूर्नामेंट में दोनों विजेता टीमों ने संतुलित खेल का प्रदर्शन करते हुए अपनी दावेदारी मजबूत कर दी है।

रग्बी प्रीमियर लीग का दूसरा संस्करण 16 से 28 जून तक, हैदराबाद करेगा मेजबानी

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

जीएमआर स्पोर्ट्स और रग्बी इंडिया ने संयुक्त रूप से रग्बी प्रीमियर लीग (आरपीएल) के दूसरे संस्करण की घोषणा की है। यह लीग 16 से 28 जून 2026 के बीच हैदराबाद के गाचीबौली स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। पिछले वर्ष मुंबई में सफल पहले संस्करण के बाद आरपीएल एक बार फिर तेज-तर्रार रग्बी 7२ प्रारूप में लौट रही है। लीग का उद्देश्य भारत में रग्बी के विकास को गति देना और इसे वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना है। दूसरे संस्करण में पहले सीजन की छह फ्रेंचाइजी टीमें हिस्सा लेंगी, जिससे भारतीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को उच्च स्तर का मंच मिलेगा और दर्शकों को रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे।

हैदराबाद में आयोजन का फैसला खेल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में जीएमआर स्पोर्ट्स की दीर्घकालिक योजना का हिस्सा है। हाल ही में कंपनी ने तेलंगाना सरकार के साथ भारत फ्यूचर सिटी में सैटेलाइट स्पोर्ट्स सिटी विकसित करने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। तेलंगाना सरकार के विशेष मुख्य सचिव (युवा विकास, पर्यटन एवं संस्कृति और खेल विभाग) जयेश रंजन ने कहा कि हैदराबाद का वैश्विक खेल केंद्र के रूप में उभरना राज्य की दीर्घकालिक नीति और अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों का परिणाम है। ऐसे आयोजन पर्यटन, शहर की पहचान और राज्य की खेल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देते हैं। रग्बी इंडिया के अध्यक्ष राहुल बोस ने कहा कि आरपीएल का लक्ष्य हर बार बेहतर प्रदर्शन करना और प्रशंसकों, प्रायोजकों व फ्रेंचाइजी के लिए बेहतर अनुभव प्रदान करना है।

एफए कप 2026 सेमीफाइनल: मैन सिटी का सामना साउथेम्प्टन से

नई दिल्ली। एफए कप 2025-26 के सेमीफाइनल मुकाबलों का ऐलान हो गया है। पहले सेमीफाइनल में मैनचेस्टर सिटी का सामना साउथेम्प्टन से होगा, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में चेल्सी की टक्कर लीड्स यूनाइटेड से होगी। ये दोनों मुकाबले 25 और 26 अप्रैल के वीकेंड पर खेले जाएंगे। दोनों सेमीफाइनल मैच वेम्बली स्टेडियम में आयोजित होंगे। क्वार्टरफाइनल में मैनचेस्टर सिटी ने लिवरपूल को 4-0 से हराकर शानदार अंदाज में अंतिम चार में जगह बनाई। वहीं चेल्सी ने लीग वन की टीम पोर्ट वेले को 7-0 से करारी शिकस्त दी। क्वार्टरफाइनल का सबसे बड़ा उलटफेर तब देखने को मिला जब साउथेम्प्टन ने आर्सेनल को 2-1 से हराकर सबको चौंका दिया। वहीं, लीड्स यूनाइटेड ने वेस्ट हैम यूनाइटेड को पेनल्टी शूटआउट में हराकर 39 साल बाद सेमीफाइनल में जगह बनाई। **सेमीफाइनल मुकाबलों का शेड्यूलः** चेल्सी बनाम लीड्स यूनाइटेड – 25 अप्रैल। साउथेम्प्टन बनाम मैनचेस्टर सिटी – 26 अप्रैल।

आईसीसी ने मार्च के लिए सैमसन और बुमराह को 'प्लेयर ऑफ द मंथ' नामित किया

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मार्च के लिए सोमवार को महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के नामों का ऐलान कर दिया है। इस बार भारत के स्टार खिलाड़ी संजू सैमसन और जसप्रीत बुमराह को पुरुष वर्ग में नामित किया गया है। दोनों खिलाड़ियों ने अपने शानदार प्रदर्शन से टीम को बड़ी जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई है, जिसके चलते इन्हें इस सम्मान का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

संजू सैमसन ने मार्च महीने में काफी अच्छी बल्लेबाजी की है। उन्होंने आईसीसी टी-20 विश्व कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 97 रन बनाए और इसके बाद इंग्लैंड तथा न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल और फाइनल में लगातार 89-89 रनों की पारियां खेलीं। उनकी इन पारियों ने टीम को मुश्किल हालात से निकालकर खिताबी जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जसप्रीत बुमराह ने भी आईसीसी टी 20 विश्व कप में अपनी सटीक और किफायती गेंदबाजी से विरोधी टीमों को पूरी तरह दबाव में रखा। उन्होंने अहम मुकाबलों में कुल 7 विकेट लिए और फाइनल में 4 ओवर में सिर्फ 15 रन देकर 4 विकेट झटकते हुए मैच जिताऊ प्रदर्शन किया।

बुमराह और सैमसन के अलावा अन्य नामितों में दक्षिण अफ्रीका के युवा बल्लेबाज कॉनर एस्टरहुइजन भी शामिल हैं, जिन्होंने अपने शुरूआती अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 5 मैचों में 200 रन बनाए और अपनी टीम को श्रृंखला जिताने में अहम भूमिका निभाई।

महिला वर्ग में भी कड़ी टक्कर

महिला वर्ग में न्यूजीलैंड की कप्तान अमेलिया केर, ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी और दक्षिण अफ्रीका की अयाबोंगा खाका को नामांकन मिला है। इन सभी खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से इस सम्मान के लिए मजबूत दावेदारी पेश की है।

ऐसे होगा विजेता का चयन

महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का चयन विशेषज्ञों की समिति और दुनियाभर के प्रशंसकों के मतदान के आधार पर किया जाता है। इसमें विशेषज्ञों के वोट का हिस्सा अधिक होता है, जबकि प्रशंसकों के वोट भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विजेताओं की घोषणा हर महीने के दूसरे सप्ताह में की जाती है।

फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026, राउंड 7: वैशाली की लगातार दूसरी जीत

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026 के सातवें राउंड में भारत की ग्रैंडमास्टर आर वैशाली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार दूसरी जीत दर्ज की। उन्होंने तान झोंगयी को हराकर सात राउंड में चार अंक हासिल कर लिए हैं और वह अंकतालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। उनसे आगे अन्ना मुजिचुक 4.5 अंकों के साथ शीर्ष पर बनी हुई हैं।

वैशाली और झोंगयी के बीच मुकाबला मध्य खेल तक ड्रॉ की ओर बढ़ रहा था, लेकिन 36 से 38वीं चाल के दौरान झोंगयी की गलतियों (Rc6, Kg7, Ra1) का वैशाली ने पूरा फायदा उठाया। 38वीं चाल में Rxf6 खेलकर वैशाली ने एक प्यादा जीता और काले राजा की ओर रास्ता खोल दिया। इसके बाद Kxf6 चाल ने झोंगयी के राजा को और कमजोर कर दिया, जिसका फायदा उठाते हुए वैशाली ने शानदार तालमेल के साथ जीत दर्ज की। वहीं, भारत की दिव्या देशमुख को कैटेरीना लाग्नो के खिलाफ ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। मुकाबले के दौरान दिव्या ने बेहतर स्थिति हासिल कर ली थी और रूक एंडगेम में जीत की ओर बढ़ रही थीं, लेकिन लगातार रूक चेक (Rd8–Rd7+–Rd8) दोहराने से लाग्नो को वापसी का मौका मिल गया। बाद में स्थिति संतुलित हो गई और मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ। अन्य मुकाबलों में अन्ना मुजिचुक ने बिबिसारा असाउबायेवा के साथ ड्रॉ खेलकर अपनी बढ़त कायम रखी, जबकि झू जिनेर और अलेक्जेंड्रा गोरयाचकिना के बीच भी मुकाबला ड्रॉ रहा।

दर्पण विशेष

स्वस्थ जीवन, विज्ञान के संग: विश्व स्वास्थ्य दिवस 2026

हर साल 7 अप्रैल को दुनियाभर में विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। इस खास दिन का उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य से जुड़े जरूरी मुद्दों और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। विश्व स्वास्थ्य दिवस सिर्फ डॉक्टरों या हेल्थ वर्कर्स तक सीमित नहीं है, बल्कि हर व्यक्ति के लिए जरूरी है, क्योंकि अच्छी सेहत ही बेहतर जीवन की नींव होती है। इस अवसर पर विश्व स्वास्थ्य संगठन एक विशेष थीम तय करता है, जिसके जरिए किसी अहम स्वास्थ्य विषय पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस का इतिहास

विश्व स्वास्थ्य दिवस की शुरूआत का संबंध द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के समय से जुड़ा है। उस दौर में दुनिया के कई देश गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं जैसे महामारी, कुपोषण और कमजोर चिकित्सा व्यवस्था से जूझ रहे थे। इसी स्थिति को देखते हुए एक ऐसी अंतरराष्ट्रीय संस्था की जरूरत महसूस हुई, जो सभी देशों के लिए स्वास्थ्य से जुड़ी नीतियां बना सके और लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद करे। इसी सोच के साथ 7 अप्रैल 1948 को विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्थापना की गई। और इसी खास दिन को यादगार बनाने के लिए हर साल 7 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाने लगा। इसका उद्देश्य पूरी दुनिया को यह संदेश देना है कि स्वास्थ्य हर इंसान का बुनियादी अधिकार है।

क्यों मनाया जाता है विश्व स्वास्थ्य दिवस

विश्व स्वास्थ्य दिवस सिर्फ एक औपचारिक दिन नहीं है, बल्कि यह हमें अपनी सेहत के प्रति जागरूक करने का एक अहम मौका देता है। यह दिन वैश्विक स्तर पर लोगों को बीमारियों की रोकथाम के बारे में जानकारी देना, सभी के लिए बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर देने और सरकार और संगठनों को स्वास्थ्य नीतियों पर काम करने के लिए प्रेरित करने की याद दिलाता है। यह दिन हमारी रोजमर्रा की आदतों जैसे खानपान, लाइफस्टाइल और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देने की याद दिलाता है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस का महत्व

लोगों को अपनी सेहत के प्रति जागरूक बनाना। स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं पर खुलकर चर्चा को बढ़ावा देना। सरकारों और संस्थाओं को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रेरित करना। युवाओं को हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाने के लिए मोटिवेट करना।

वर्ष २०२६ की थीम

हर साल विश्व स्वास्थ्य दिवस के लिए एक खास थीम तय करता है, ताकि किसी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य मुद्दे पर लोगों का ध्यान केंद्रित किया जा सके। साल 2026 के लिए थीम है Together for Health: Stand with Science है। इस थीम के जरिए यह संदेश दिया जा रहा है कि बेहतर स्वास्थ्य के लिए हमें विज्ञान पर भरोसा करना होगा और मिलकर काम करना होगा। इसका मकसद लोगों को जागरूक करना है कि वैज्ञानिक सोच, रिसर्च और सहयोग के जरिए ही हम बीमारियों से लड़ सकते हैं और एक स्वस्थ भविष्य बना सकते हैं।

स्वास्थ्य के 5 बुनियादी स्तंभ

विश्व स्वास्थ्य दिवस हमें इन पांच चीजों पर ध्यान केंद्रित करने को कहता है- प्रोसेस्ड फूड और ज्यादा चीनी/नमक से दूरी। रोजाना कम से कम 30 मिनट का व्यायाम। बीमारियों को जड़ से मिटाने के लिए समय पर टीके लगवाना। स्वच्छ हवा और पानी, क्योंकि प्रदूषित वातावरण बीमारियों का सबसे बड़ा कारण है। 7-8 घंटे की नींद और मानसिक शांति।

ऐसे करे सेलिब्रेट

स्थानीय स्तर पर मुफ्त शुगर और बीपी चेकअप कैंप लगाना। इस दिन कुछ समय के लिए गैजेट्स से दूर रहकर मानसिक शांति पर ध्यान दें। रक्तदान करके किसी का जीवन बचाने का संकल्प लें। स्वच्छ हवा के लिए कम से कम एक पौधा लगाएं। विश्व स्वास्थ्य दिवस हमें याद दिलाता है कि स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा उपहार है, संतोष सबसे बड़ा धन है। 2026 में हमारा संकल्प विज्ञान पर भरोसा करने और एक-दूसरे के स्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदार बनने का होना चाहिए।

वैश्विक स्वास्थ्य असमानता

विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाने का एक बड़ा कारण दुनिया में मौजूद स्वास्थ्य सुविधाओं का अंतर है। दुनिया की लगभग आधी आबादी के पास आज भी बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं की कमी है। हर साल लाखों लोग इलाज के खर्च के कारण गरीबी रेखा से नीचे चले जाते हैं। 2026 की थीम इसी अंतर को मिटाने के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान और अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर जोर देती है। हाल के वर्षों में डब्ल्यूएचओ ने 'वन हेल्थ' शब्द पर बहुत जोर दिया है। इसका मतलब है किः इंसान + जानवर + पर्यावरण = एक स्वास्थ्य। यदि हमारे आसपास के जानवर बीमार हैं या पर्यावरण प्रदूषित है, तो इंसान कभी स्वस्थ नहीं रह सकता। 2026 में वैज्ञानिक इसी कड़ी को जोड़ने पर काम कर रहे हैं।

हर वर्ष लोगों को सेहत की जांच जरूर करानी चाहिए, ताकि बीमारियों का पता लग सके

ब्लड प्रेशर की जांच : हाई ब्लड प्रेशर की समस्या दुनिया भर में महामारी की तरह फैल रही है। हाई बीपी को साइलेंट किलर कहा जाता है, क्योंकि इसके शुरूआती लक्षण नजर नहीं आते हैं। हाई बीपी हार्ट अटैक, स्ट्रोक और किडनी डिजीज की बन सकता है। ऐसे में साल में कम से कम एक बार बीपी जरूर चेक कराएं। इससे आपको कई गंभीर समस्याओं से बचने में मदद मिलती है।

ब्लड शुगर टेस्ट : डायबिटीज के मरीजों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है और भारत में यह आंकड़ा 10 करोड़ के पार हो गया है। कई लोगों को डायबिटीज का शुरूआत में पता नहीं चलता है, जिससे शुगर लेवल अनकंट्रोल हो जाता है। ऐसे में लोगों को साल में एक बार फास्टिंग और पोस्ट-लंच ब्लड शुगर टेस्ट जरूर करवाना चाहिए। इससे डायबिटीज का पता लग सकता है।

कोलेस्ट्रॉल टेस्ट : अगर कोलेस्ट्रॉल का लेवल सामान्य से ज्यादा हो जाए, तो यह हार्ट डिजीज और स्ट्रोक का कारण बन सकता है। गलत खान-पान के कारण यह समस्या युवाओं में भी तेजी से बढ़ रही है। इससे बचने के लिए साल में एक बार सभी वयस्कों को अपना लिपिड प्रोफाइल टेस्ट करवाकर HDL, LDL और ट्राइग्लिसराइड्स का स्तर जान लेना चाहिए।

किडनी फंक्शन टेस्ट : कई बार लोगों की किडनी में परेशानी होने लगती है, लेकिन उन्हें इस बात का अंदाजा ही नहीं होता है। ऐसे में किडनी का कामकाज ठीक चल रहा है या नहीं, इसका पता लगाने के लिए हर साल किडनी फंक्शन टेस्ट कराना चाहिए। इससे किडनी की बीमारी का शुरूआती स्टेज में पता लगाया जा सकता है।

लिवर फंक्शन टेस्ट : लिवर हमारे शरीर का डिटॉक्सिफिकेशन ऑर्गन है। यह शरीर के टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करता है। हालांकि गलत खानपान से लिवर की समस्याएं बढ़ रही हैं। कई बार लिवर वायरल इंफेक्शन की चपेट में भी आ जाता है। ऐसे में हर साल लिवर फंक्शन टेस्ट भी कराना चाहिए।

थायराइड प्रोफाइल टेस्ट : आजकल थायराइड से जुड़ी समस्याएं बढ़ रही हैं। खासतौर से महिलाएं इसका ज्यादा शिकार होती हैं। थायराइड हार्मोन का असंतुलन वजन बढ़ने, वजन कम होने, थकान और मानसिक स्वास्थ्य पर असर डाल सकता है। TSH, T3 और T4 टेस्ट से इसे समय पर पहचाना जा सकता है। यह टेस्ट भविष्य में होने वाली कई समस्याओं से बचा सकता है।

विटामिन और मिनरल्स टेस्ट : शरीर सिर्फ बीमारियों की वजह से कमजोर नहीं होता है, बल्कि यह पर्याप्त मात्रा में विटामिन और मिनरल्स न मिलने की वजह से भी वीक हो जाता है। विटामिन D, B12 और आयरन की कमी से थकान, हड्डियों की कमजोरी और एनिमिया जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए साल में एक बार इन्हें जांचना जरूरी है।

दांत और आंखों की जांच : हमारे दांत और आंखों का समय-समय पर चेकअप कराना जरूरी होता है। दांतों की सेहत पूरे शरीर से गहराई से जुड़ी होती है। ऐसे में इन ऑर्गन्स की सेहत को नजरअंदाज करना बड़ी गलती है। डेंटल और आई चेकअप से कैविटी, जड़ की समस्या और विजन संबंधी रोग समय पर पहचाने जा सकते हैं।

पाचन तंत्र की जांच : अगर पेट में बार-बार गैस, एसिडिटी या अपच जैसी समस्याएं हों, तो GI ट्रैक्ट की जांच करवानी चाहिए। साल में एक बार अल्ट्रासाउंड या कॉलोनोस्कोपी करवाना फायदेमंद हो सकता है। इससे आपके पेट में पल रही कई बीमारियों का वक्त रहते पता लगाया जा सकता है। कई बार पेट की समस्याएं अन्य अंगों को भी बुरी तरह प्रभावित करती हैं।

वजन और बॉडी मास इंडेक्स : स्वस्थ रहने के लिए शरीर का वजन न ज्यादा होना चाहिए और न कम। ओवरवेट या अंडरवेट होने से कई बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। सालाना इटकऔर बॉडी फैट प्रतिशत चेक करवाना स्वास्थ्य को नियंत्रित रखने में मदद करता है। इन दोनों की जांच आप वेट मशीन और कैलकुलेटर से खुद ही कर सकते हैं।

एसएलएसए ने पीड़ित पुनर्वास और न्याय के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई

एसएलएसए यूटी चंडीगढ़ ने पिछले पांच वर्षों में 5.56 करोड़ मुआवजे के रूप में वितरित किए

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

अपने प्रभाव को दशार्ते हुए, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण यूटी चंडीगढ़ ने पिछले पांच वर्षों में विभिन्न श्रेणियों के पीड़ितों को 5.56 करोड़ का मुआवजा वितरित किया है।वित्तीय वर्ष 2025झ्26 के दौरान 16 पीड़ितों को विभिन्न श्रेणियों में 77.50 लाख प्रदान किए गए।यह समय पर सहायता पीड़ित पुनर्वास और न्याय के प्रति रछरअ की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।यह पहल भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश एवं राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के कार्यकारी अध्यक्ष माननीय श्री न्यायमूर्ति विक्रम नाथ तथा पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एवं रछरअ, चंडीगढ़ के संरक्षक-प्रमुख माननीय श्री न्यायमूर्ति शील नागू के मार्गदर्शन में संचालित की जा रही है।

चंडीगढ़ केंद्र शासित प्रदेश की पीड़ित मुआवजा योजना, 2018 अपराध पीड़ितों के लिए एक करुणामयी जीवन रेखा के रूप में कार्य कर रही है, जो न केवल वित्तीय सहायता प्रदान करती है बल्कि सम्मान, सहयोग और पुनर्वास का मार्ग भी प्रशस्त करती है।

दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 357ए (अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के प्रासंगिक प्रावधानों के अनुरूप) के तहत अधिसूचित यह योजना, माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निदेर्शों के अनुसार गंभीर अपराधों से प्रभावित व्यक्तियों को त्वरित एवं सार्थक सहायता प्रदान करने हेतु स्थापित की गई है।

यह पीड़ित-केंद्रित पहल यौन उत्पीड़न, बलात्कार, एसिड अटैक, पॉक्सो अधिनियम के अंतर्गत अपराध, भीड़ हिंसा/लिंचिंग, गंभीर चोटें, जलने के मामले, मृत्यु तथा अन्य गंभीर अपराधों में पीड़ितों एवं उनके आश्रितों को व्यापक सहायता प्रदान करती है।

योजना की प्रमुख विशेषताओं में भारत सरकार के अनुदान, उरफ योगदान, सार्वजनिक दान एवं न्यायालय द्वारा लगाए गए जुमार्नों से वित्तपोषित एक समर्पित पीड़ित मुआवजा कोष की स्थापना; तत्काल चिकित्सा, आपातकालीन एवं पुनर्वास आवश्यकताओं के लिए अंतरिम राहत; चोट/हानि की प्रकृति एवं गंभीरता के अनुसार 1 लाख से 10 लाख तक मुआवजा; एसिड अटैक पीड़ितों के लिए विशेष त्वरित प्रावधान (15 दिनों के भीतर 1 लाख की अंतरिम सहायता तथा 10 लाख तक अतिरिक्त मुआवजा); बैंक खातों के माध्यम से सीधा भुगतान; नाबालिगों, अनाथों एवं कमजोर वर्ग के पीड़ितों के दीर्घकालिक पुनर्वास हेतु सुरक्षा उपाय (जैसे सावधि जमा); तथा मुआवजा राशि से असंतुष्ट होने पर अपील का अधिकार शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त, समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास विभाग, चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा दिनांक 18.02.2000 को विकलांग व्यक्तियों के लिए चंडीगढ़ प्रशासन पेंशन नियम, 1999 अधिसूचित किए गए हैं। साथ ही, दिनांक 17.02.2026 (01.04.2026 से प्रभावी) की अधिसूचना के माध्यम से प्रत्येक एसिड अटैक पीड़ित को 10,000 प्रति माह की वित्तीय सहायता प्रदान करने का प्रावधान किया गया है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण , यूटी चंडीगढ़ के सदस्य सचिव ने नागरिकों, संस्थानों, गैर-सरकारी संगठनों, सामुदायिक नेताओं एवं मीडिया से इस महत्वपूर्ण योजना के प्रति जागरूकता फैलाने में सक्रिय भागीदारी की अपील की है। अनेक पात्र पीड़ित एवं उनके परिवार अपने अधिकारों से अनभिज्ञ हैं—आपकी आवाज इस अंतर को पाट सकती है और यह सुनिश्चित कर सकती है कि कोई भी चुपचाप पीड़ा न सहे। पीड़ित या उनके आश्रित आवेदन हेतु सहायता के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से संपर्क कर सकते हैं। समय पर हस्तक्षेप से त्वरित राहत, चिकित्सा देखभाल एवं सम्मान के साथ जीवन पुनर्निर्माण का अवसर सुनिश्चित होता है।

मुआवजा सीमा (योजना एवं दिशा-निदेर्शों के अनुसार)

- मृत्यु, बलात्कार एवं अप्राकृतिक यौन उत्पीड़नः 5 लाख से 10 लाख
- चोट के मामले (गंभीर/सामान्य)ः 2 लाख से 5 लाख
- जलने के मामलेः 2 लाख से 8 लाख
- एसिड अटैक के मामलेः 3 लाख से 10 लाख (चिकित्सा/पुनर्वास हेतु अतिरिक्त प्रावधान सहित) मानव तस्करी के पीड़ितों के पुनर्वास हेतुः 10 लाख तक
- ये राशि वर्ष 2018 की योजना के अनुरूप हैं, जिससे चंडीगढ़ की योजना प्रगतिशील एवं सहायक बनी हुई है।

इंफ्रास्ट्रक्चर से इम्पैक्ट तक: बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए पीजीआई ने अस्पताल इंजीनियरिंग को सशक्त किया

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

अस्पताल इंजीनियरिंग, प्लानिंग और आर्किटेक्चर विभाग के लिए लीडरशिप और मैनेजमेंट ट्रेनिंग प्रोग्राम का तीसरा सत्र शनिवार को पीजीआई चंडीगढ़ में सामुदायिक चिकित्सा विभाग एवं स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के तत्वावधान में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।कार्यक्रम में तीन मॉड्यूल शामिल थे, जिनका फोकस नेतृत्व क्षमता, टीमवर्क और संस्थान में इंजीनियरिंग सेवाओं को मजबूत करने हेतु व्यवहारिक तथा क्रियान्वयन योग्य योजनाओं के विकास पर था। विभिन्न इंजीनियरिंग क्षेत्रों से आए प्रतिभागियों ने इंटरैक्टिव सत्रों, रोल-प्ले और समूह गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया। पहले दो प्रशिक्षण कार्यक्रमों के दौरान, इंजीनियरिंग अधिकारियों ने व्यापक समूह कार्य के माध्यम से विजन और मिशन स्टेटमेंट विकसित किए थे, जिन्हें बाद में विजन, मिशन, कोर वैल्यूज और स्ट्रैटेजिक पिलर्स के एक व्यापक ढाँचे में समेकित किया गया। इस समेकित पोस्टर का औपचारिक विमोचन पीजीआई के निदेशक डॉ. विवेक लाल द्वारा तीसरे प्रशिक्षण सत्र के दौरान किया गया। यह ढाँचा अस्पताल इंजीनियरिंग, प्लानिंग और आर्किटेक्चर विभाग की गतिविधियों को विकसित भारत 2047 की राष्ट्रीय दृष्टि के अनुरूप दिशा देने की अपेक्षा रखता है। डॉ. विवेक लाल ने प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए और उनके समर्पण की सराहना की। अपने संबोधन में उन्होंने इंटरडिपार्टमेंटल एकीकरण के महत्व पर बल देते हुए कहा कि इंजीनियरिंग और मेडिकल टीमों के बीच प्रभावी सहयोग रोगी सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवा गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

प्रो. अरुण के. अग्रवाल, विभागाध्यक्ष, ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में डॉ. विवेक लाल की गरिमामयी उपस्थिति के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अस्पताल इंजीनियरिंग में नेतृत्व क्षमता को मजबूत करना प्रभावी स्वास्थ्य सेवा वितरण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।उप्रो. सोनू गोयल, प्रोफेसर, सामुदायिक चिकित्सा विभाग एवं स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ, ने स्वास्थ्य प्रणालियों को सुदृढ़ करने में नेतृत्व और प्रबंधन कौशल की भूमिका पर प्रकाश डाला। सभी प्रतिभागियों ने व्यक्त किया कि ऐसे प्रशिक्षण पहल विभाग को नई ऊँचाइयों तक ले जाने में अत्यंत सहायक होंगी। कार्यक्रम का समापन अंतरविभागीय समन्वय को और मजबूत करने तथा गुणवत्ता-आधारित स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने में अस्पताल इंजीनियरिंग को एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में आगे बढ़ाने की नई प्रतिबद्धता के साथ हुआ।

हरियाणा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष ने 36 अलग-अलग मामलों की करी सुनवाई

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

हरियाणा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती रेनू भाटिया ने लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित बैठक में आज 36 अलग-अलग मामलों की सुनवाई की। इन मामलों में दहेज, घरेलू हिंसा, दुर्व्यवहार, मानसिक उत्पीडन, ससुराल वालों द्वारा प्रताडना, कार्यस्थल पर उत्पीडन व अन्य मामलों पर सुनवाई शामिल हैं। बैठक में श्रीमती रेनू भाटिया ने पुलिस प्रशासन को निर्देश दिए कि दोनो पक्षों को व्यक्तिगत रूप से आयोग के समक्ष प्रस्तुत करें ताकि दोनो पक्षों की बातें सुनकर पीडितों को जल्द से जल्द न्याय दिलवाया जा सके। उन्होने घेरलू हिसां के एक मामले की सुनवाई करते हुए पुलिस प्रशासन को पति के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए। दहेज मांगने से संबंधित एक अन्य मामले में महिला आयोग की अध्यक्ष ने पुलिस कारवाई में तेजी लाने के निर्देश दिए और एक महीने में दोषी को आयोग के सामने प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उत्पीडन के एक अन्य मामले में पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामले में दोनो पक्षों से बातचीत के माध्यम से समझौता करवा दिया गया है। श्रीमती रेनू भाटिया ने प्रार्थी से टेलिफोन के माध्यम से बात कर समझौते की पुष्टि की। अध्यक्ष रेनू भाटिया ने बताया कि आयोग न केवल महिलाओं से संबंधित मुद्दों का अध्ययन करता है, बल्कि उनकी कानूनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भी कार्य करता है। आयोग महिलाओं के अधिकारों के उल्लंघन से जुड़े मामलों की जांच करता है, संवैधानिक और कानूनी उल्लंघनों का समाधान करता है तथा महिलाओं को उनके परिवार और समुदाय में आने वाली समस्याओं से राहत दिलाने का प्रयास करता है। आयोग महिलाओं को प्रभावित करने वाले मुद्दों का स्वतः संज्ञान भी लेता है और यह सुनिश्चित करता है कि उनके साथ उत्पीड़न या भेदभाव न हो। इस अवसर पर एसीपी सुरेंद्र सिंह, एसीपी अजीत सिंह, एसीपी विक्रम, जिला कार्यक्रम अधिकारी सविता नेहरा, हरियाणा राज्य महिला आयोग के वकील जगदीश, पूनम, कमिशन में असिस्टेंट प्रीति, अंजू तथा अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

उपायुक्त ने समाधान शिविर में सुनी जिलावासियों की समस्याएं प्राथमिकता व बिना विलंब किए समाधान करने के दिए निर्देश

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने लघु सचिवालय के सभागार में समाधान शिविर में आज ब्लॉक मोरनी के पंचायत भोज, बाग कमार में पेयजल की पाईप बिछवाने की मांग पर संज्ञान लेते हुए जनस्वास्थ्य एवं अभियंत्रिकी विभाग के अधिकारी को मौके का मुआयना कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने भानू गांव के ग्रामीणों की तंग गली व रास्ता बंद करने व गंदा पानी गिराने की शिकायत पर कारवाई करते हुए डीडीपीओ को मौके का मुआयना कर जल्द ही रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। श्री सतपाल शर्मा ने हरियाणा सरकार द्वारा निर्देशित समाधान शिविर में 8 जिलावासियों की समस्याएं सुनी और संबंधित अधिकारियों को बिना विलंब के समाधान करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान शिविर में आई शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर बिना विलम्ब किए समाधान करें ताकि जिलावासियों को समय पर जिला प्रशासन की सुविधाएं व सरकार की योजनाओं का लाभ मिल सके। उपायुक्त ने बताया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की मंशा है कि लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अलग अलग सरकारी कार्यालयों में चक्कर न काटने पडे। इसी सोच के अनुरूप मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार हर कार्यदिवस के दिन सोमवार व वीरवार को प्रात 10 बजे से 12 बजे तक समाधान शिविर का आयोजन किया जाता है जंहा सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहते हैं। समय समय पर मुख्यमंत्री स्वयं वीडियों कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुडकर लोगों से बातचीत करते हैं और उनकी समस्याओं पर की गई कारवाई की फीडबैक लेते हैं। इस अवसर पर नगराधीश जागृति, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी विशाल पराशर, जिला बागवानी अधिकारी अशोक कौशिक, सीएम विंडो के एमिनेंट पर्सन सत्यवान भारद्ववाज, परमजीत सिंह, जसमेर बंजारा सहित जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, लोक निर्माण विभाग, एचएसवीपी, पीएमडीए, वन विभाग, आयुष, पुलिस, स्वास्थ्य, सिंचाई, नगर निगम और अन्य विभागों के संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

संक्षिप्त-समाचार

उपराष्ट्रपति इग्नू के दीक्षांत समारोह में होंगे शामिल

पंचकूला। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) मंगलवार, 7 अप्रैल 2026 को नई दिल्ली में अपना 39वां दीक्षांत समारोह आयोजित करेगा, जिसमें स्नातक छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धियों का समारोह मनाया जाएगा और विभिन्न विषयों में उनकी उत्कृष्टता को मान्यता दी जाएगी। इग्नू क्षेत्रीय केंद्र चंडीगढ़ के वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ. भानु प्रताप सिंह ने बताया कि समारोह में भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन मुख्य अतिथि के रूप में दीक्षांत भाषण देंगे। दिल्ली के उपराज्यपाल श्री तरनजीत सिंह संधू इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि होंगे। सम्मानित गणमान्य व्यक्ति मेधावी छात्रों को पीएचडी की उपाधि और स्वर्ण पदक प्रदान करेंगे। इस कार्यक्रम में उपस्थित अन्य विशिष्ट गणमान्य व्यक्तियों में पणजी क्षेत्रीय केंद्र में गोवा के राज्यपाल श्री पुसापति अशोक गजपति राजू और अगरतला क्षेत्रीय केंद्र में त्रिपुरा के राज्यपाल श्री इंद्र सेना रेड्डी नल्लू के साथ-साथ शिक्षा, प्रशासन और जनजीवन से जुड़े अन्य प्रतिष्ठित अतिथि शामिल होंगे।

पंचकूला जिला की मंडियों में सुचारू रूप से चल रहा है गेंहू खरीद का कार्य

पंचकूला। जिला में रबी सीजन 2026-27 के दौरान गेंहू की आवक शुरू होने के साथ खरीद का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। सरकारी खरीद एजेंसियों द्वारा जिला की मंडियों में से अब तक 623 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई है। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक कार्यालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि सरकारी खरीद एजेंसियों हैफेड और हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोरेशन द्वारा बरवाला और रायपुररानी स्थित अनाज मंडियों में गेहूं की खरीद की जा रही है। उन्होंने बताया कि हैफेड द्वारा 180 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद बरवाला अनाज मंडी से और 17 मीट्रिक टन रायपुररानी अनाज मंडी से की गई। इसी प्रकार हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोशन द्वारा बरवाला अनाज मंडी से 208 मीट्रिक टन तथा रायपुररानी अनाज मंडी से से 218 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई है।

पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के खिलाफ दर्ज अपराधिक मामले का प्रकाशन जरूरी

पंचकूला। राज्य चुनाव आयोग हरियाणा द्वारा पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव लड़ने के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए निर्देश जारी किए गए हैं। इन निर्देशानुसार यदि पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के खिलाफ अपराधिक मामले दर्ज एवं लंबित हैं या जिन मामलों में उन्हें पहले दोषी ठहराया गया हैं, उन्हें ऐसे मामलों के बारे में कम से कम एक हिंदी और एक इंग्लिश सहित दो अखबारों में एक घोषणा प्रकाशित करनी होगी। इस संबंध में जानकारी देते हुए एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि नगर पालिकाओं के चुनाव लड़ने के इच्छुक उम्मीदवारों को पहले ही ऐसे उम्मीदवारों को खड़ा करने वाले राजनैतिक दलों को निर्देश जारी किए थे, जिनके खिलाफ अपराधिक मामले दर्ज एवं लंबित हैं या जिन मामलों में उन्हें पहले दोषी ठहराया गया है। उन्होंने बताया कि हरियाणा राज्य में अब यह घोषणा प्ररुप 1-क में उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तारीख के अगले दिन से और मतदान की तारीख से दो दिन पहले तक कम से कम तीन बार प्रकाशित करवाई जानी होगी। ऐसे सभी उम्मीदवारों को उन अखबारों की कॉपी भी जमा करनी होंगी। उन्होंने बताया कि मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल और पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त दल, जो अपराधिक मामले वाले उम्मीदवार खड़े करती हैं, उन्हें संबंधित उपायुक्त-कम-जिला निर्वाचन अधिकारी पंचायत को एक रिपोर्ट देनी होगी जिसमें बताया जाएगा कि उन्होंने इन निर्देशों की जरूरतें पूरी कर ली हैं, और इस बारे में राजनैतिक दलों द्वारा प्रकाशित किए गए घोषणा वाले पेपर की कटिंग भी साथ में लगानी होगी। यह चुनाव खत्म होने के 30 दिनों के अंदर करना होगा। इन निर्देशों का पालन आने वाले समय में होने वाले सभी पंचायत आम/उपचुनावों में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को करना होगा।

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय सोनीपत की छात्राएं 3 दिन बिताएंगे प्रकृति के साथ समय

पंचकूला। हरियाणा सरकार के युवा कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत, भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कला सोनीपत की बेटियां थापली में आयोजित 3 दिवसीय शैक्षिक और साहसिक भ्रमण कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लेंगी , जिसमें विद्यार्थियों को प्रकृति के संरक्षण और इको-टूरिज्म के बारे में गहरी समझ प्रदान की जाएगी। युवा कल्याण सयोंजक नरेंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा सरकार के युवा कल्याण कार्यक्रम के तहत यह विशेष ट्रैकिंग कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जिसमें हरियाणा के विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राएं भाग ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस भ्रमण का प्रमुख उद्देश्य हरियाणा के प्रमुख पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देना है, ताकि विद्यार्थी इको-टूरिज्म की अवधारणा को समझ सकें और राज्य की प्राकृतिक धरोहर के प्रति जागरूक हो सकें। कैंप के दौरान विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता और इको-टूरिज्म के महत्व पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही, सुरक्षित ट्रैकिंग और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से संबंधित दिशा-निर्देश भी विद्यार्थियों को दिए गए। शिविर के दौरान रेंज ऑफिसर ने वन, वन्यजीव और जलवायु परिवर्तन विषय पर एक विशेष व्याख्यान दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को वन संरक्षण, वन्यजीव सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और पर्यावरण संरक्षण में युवाओं की भूमिका को समझाने पर बल दिया। यह शिविर विद्यार्थियों को न केवल इको-टूरिज्म के प्रति जागरूक करेगा , बल्कि उन्हें पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी का अहसास कराता है। कैंप संयोजक नैन्सी नैन व प्रियांशु सैनी ने बताया कि अब यह कार्यक्रम 30 अप्रैल तक चलेगा क्योंकि विश्वविद्यालय वे विद्यार्थी की तरफ से इस की समय वृद्धि करने की मांग की जा रही थी।

सुपवा के छात्रों की क्रिएटिविटी की हिसार में रही गूंज

सिटी दर्पण संवाददाता
रोहतक

दादा लख्मी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसीसुपवा) के छात्र-छात्राओं की क्रिएटिविटी को तीन दिवसीय साहित्योत्सव अक्षरम में जमकर सराहना मिली। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (जीजेयू), हिसार में आयोजित किए गए अक्षरम की क्रिएटिविटी पार्टनर डीएलसीसुपवा रही। इस दौरान सुपवा के छात्र-छात्राओं ने फैशन शो, बैंड, डांस आदि प्रस्तुत किए, जबकि पेंटिंग, स्कल्पचर, पॉटरी आदि कलाओं का लाइव प्रदर्शन किया। डीएलसीसुपवा को जीजेयू, हिसार ने अक्षरम के लिए रचनात्मक साझीदार बनाया था। इसमें शिरकत करने के लिए कुलगुरु डॉ अमित आर्य की अगुवाई में सुपवा से 140 छात्र-छात्राएं, फैकेल्टी सदस्य व अन्य स्टाफ हिसार गया। डॉ आर्य अक्षरम के उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे, जबकि हरियाणा का साहित्य और पत्रकारिता में योगदान विषय पर आयोजित संगोष्ठी का भी हिस्सा रहे। अक्षरम के दौरान डीएलसीसुपवा के छात्रों को अपनी प्रतिभाएं दिखाने के लिए अलग-अलग मंच व स्थान अलॉट किए गए। कहीं फिल्म एंड टेलीविजन के छात्रों ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया तो कहीं शारीरिक गति के मनोभाव का प्रदर्शन किया। लॉन एरिया में विजुअल आर्ट्स के छात्रों ने अपनी कलात्मक प्रतिभा से अक्षरम में पहुंचे अतिथियों व हिसारवासियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। लाइव पेंटिंग, स्कल्पचर मेकिंग, पॉटरी आदि देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ती रही। लोग बार-बार छात्रों से उनकी प्रतिभा के बारे में जानकारी लेते नजर आए। पेंटिंग कोर्स की द्वितीय वर्ष छात्रा लक्षिता जांगड़ा ने विद्या की देवी मां सरस्वती की पेंटिंग बनाई, जो हिसार के एक परिवार को पसंद आई और उन्होंने इसकी खरीदारी की।

अनु मलिक ने की आर्ट एग्जीबिशन की शुरूआत

अक्षरम में आने वाले लोगों को अपने कार्य-कलाप बताने के लिए डीएलसीसुपवा की ओर से आर्ट एग्जीबिशन लगाई गई। इसमें डिजाइन, विजुअल आर्ट्स आर्किटेक्चर व फिल्म एवं टेलीविजन फैकेल्टी में होने वाली गतिविधियों की जानकारी दी गई। इसमें छात्र-छात्राओं द्वारा किए गए कार्य, मॉडल आदि प्रदर्शित किए गए। आर्ट एग्जीबिशन की शुरुआत प्रख्यात गायक व संगीतकार अनु मलिक रिबन काटकर किया। उन्होंने आर्ट एग्जीबिशन का दौरा करते हुए सुपवा की गतिविधियों की सराहना की। अनु मलिक ने कहा कि हरियाणा में इस विधा का विश्वविद्यालय होना फिल्म इंडस्ट्री व देश के लिए गौरव की बात है।

तालियों की गड़गड़ाहट के बीच दिखा फैशन का जलवा

जीजेयू के मेन ऑडिटोरियम का मंच सुपवा के छात्र-छात्राओं के फैशन शो के दौरान रैंप ऑडिटोरियम में बदलता हुआ महसूस हुआ। यहां छात्रों ने प्रोफेशनल मॉडल की भांति वॉक करते हुए पारंपरिक व आधुनिक भारतीय परिधान पेश किए। इस दौरान सभागार लगातार तालियां से गूंजता रहा। सुपवा के छात्र-छात्राओं को फैशन शो करने के लिए डेढ़ घंटे का समय अलॉट किया गया।

शिक्षा ही सशक्त समाज और समृद्ध राष्ट्र की सबसे मजबूत नींवः रेखा शर्मा

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

पंचकूला के सेक्टर-26 में संकल्प शैक्षणिक संस्थान द्वारा भवन निर्माण हेतु भूमि पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा ने अयोध्या के पावन राम मंदिर से लाई गई ईंट से नींव पूजन कर इस पुण्य कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह केवल एक भवन का निर्माण नहीं, बल्कि भविष्य के भारत के निर्माण का एक प्रेरणादायी संकल्प है। शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की दिशा में ऐसे प्रयास समाज को नई ऊर्जा और सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं।

उन्होंने संकल्प संस्थान की समर्पित टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि जिस पवित्र उद्देश्य के साथ यह संस्थान आगे बढ़ रहा है, वह निश्चित रूप से सफल होगा और आने वाली पीढ़ियों को ज्ञान, संस्कार एवं राष्ट्रभक्ति की दिशा प्रदान करेगा। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने उन्हें विकसित भारत के संकल्प को अपने जीवन का लक्ष्य बनाकर शिक्षा ग्रहण करने का आान किया। साथ ही समाज के सभी जागरूक नागरिकों से इस पुनीत कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाने और शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र को सशक्त बनाने के अभियान से जुड़ने का आग्रह किया।

फोक फ्यूजन और पुरस्कार वितरण के साथ हुआ एसडी एमयूएन का समापन, आयुष्मान ने जीता बेस्ट जर्नलिस्ट का अवार्ड

युवाओं के संवाद और नेतृत्व का मंच बना एसडी एमयूएन कांफ्रेंस, पर्यावरण के मुद्दों पर हुई चर्चा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के एसडी एमयूएन क्लब की ओर से कॉलेज के डिजिटल सेफ्टी क्लब के सहयोग से वार्षिक फ्लैगशिप मॉडल यूनाइटेड नेशंस सम्मेलन एसडी एमयूएन के 13वें संस्करण का आयोजन किया गया। इस वर्ष कांफ्रेंस की थीम ए यूथ एनवायरनमेंट कॉन्क्लेव रही, जिसमें युवाओं ने पर्यावरण से जुड़े वैश्विक मुद्दों पर गंभीर चर्चा की। कांफ्रेंस में 150 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिससे यह आयोजन संवाद, कूटनीति और समकालीन वैश्विक चुनौतियों पर विचार-विमर्श का एक सशक्त मंच बनकर उभरा। प्रतिभागियों ने विभिन्न समितियों के माध्यम से अपने विचार प्रस्तुत किए और वैश्विक समस्याओं के समाधान पर व्यापक मंथन किया।

एसडी एमयूएन कांफ्रेंस के उद्घाटन समारोह में प्रो. रौनकी राम, प्रोफेसर एमेरिटस, इंस्टीट्यूट फॉर डेवलपमेंट एंड कम्युनिकेशन, चंडीगढ़ ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। समारोह की शुरूआत कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा, एसडी एमयूएन क्लब की को-ऑर्डिनेटर डॉ. मोनिका सोनी और डिजिटल सेफ्टी क्लब की को-ऑर्डिनेटर डॉ. रूपिंदर औलख द्वारा मुख्य अतिथि के स्वागत से हुई। इसके बाद गणेश वंदना की मनमोहक शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुति दी गई, जिसके माध्यम से सम्मेलन के सफल आयोजन की कामना की गई। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की कड़ी में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मधुर युगल गीत ने भी कार्यक्रम की शुरूआत को और अधिक जीवंत बना दिया, जिससे समारोह में उत्साह और ऊर्जा का संचार हुआ।कांफ्रेंस के उद्घाटन अवसर पर कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने स्वागत भाषण देते हुए एसडी एमयूएन क्लब और डिजिटल सेफ्टी क्लब के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के बौद्धिक आयोजनों से युवाओं को संवाद, नेतृत्व और सामाजिक व पर्यावरणीय मुद्दों के प्रति जागरूक होने का अवसर मिलता है। मुख्य अतिथि प्रो. रौनकी राम ने अपने मुख्य वक्तव्य में वैश्विक चुनौतियों के समाधान में युवाओं की भागीदारी को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि आज के समय में युवाओं को सूचित चर्चा और जिम्मेदार नेतृत्व के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में आगे आना चाहिए। समारोह के दौरान गेवेल सेरेमनी भी आयोजित की गई, जिसे प्रो. रौनकी राम ने संपन्न कराया। इसके साथ ही सम्मेलन का औपचारिक उद्घाटन घोषित किया गया।

वहीं, एसडी एमयूएन कांफ्रेंस के समापन समारोह में पंजाब यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार प्रो. वाईपी वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में युवाओं को संवाद और नेतृत्व के लिए सार्थक मंच प्रदान करने की इस पहल की सराहना की।

पुरस्कारों में यूएनसीएसडब्लू कमेटी में अफगानिस्तान को बेस्ट डेलीगेट का खिताब मिला। वहीं इंटरनेशनल प्रेस में आयुष्मान को बेस्ट जर्नलिस्ट, आदित्य को बेस्ट फोटोग्राफर और अवनी को बेस्ट कैरिकेचरिस्ट घोषित किया गया। इसके अलावा आईपीएल कमेटी में मुंबई इंडियंस को बेस्ट टीम का पुरस्कार दिया गया। सम्मेलन के समापन समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी विशेष प्रस्तुति दी गई। एसडी एमयूएन कांफ्रेंस के दौरान विभिन्न आकर्षक समितियों का गठन किया गया, जिनमें यूनाइटेड नेशंस कमीशन ऑन द स्टेटस ऑफ वूमेन (यूएनसीएसडब्लू), ऑर्गनाइजिंग कमेटी (ओसी), इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सिमुलेशन कमेटी और इंटरनेशनल प्रेस (आईपी) शामिल रहे। इन समितियों के माध्यम से प्रतिभागियों ने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा, वार्ता और सिमुलेशन में सक्रिय भागीदारी निभाई। इन गतिविधियों के जरिए प्रतिभागियों को न केवल वैश्विक मुद्दों की गहरी समझ मिली, बल्कि उनकी विश्लेषणात्मक सोच, टीमवर्क और कूटनीतिक कौशल भी विकसित हुए। सम्मेलन ने युवाओं को वास्तविक परिस्थितियों में निर्णय लेने और संवाद स्थापित करने का व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया। एसडी एमयूएन कांफ्रेंस का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसे डॉ. मोनिका सोनी ने प्रस्तुत किया। उन्होंने कॉलेज के प्रिंसिपल, मुख्य अतिथियों, प्रतिभागियों और आयोजन टीम के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सहयोग और समर्पण से यह सम्मेलन सफलतापूर्वक आयोजित हो सका।